जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 3 सितम्बर, 2026

नगर निकाय चुनाव में कमल खिलाना है विकास को आगे बढ़ाना है

नगर निकाय चुनाव - 2026

नगरीय विकास संकल्प–पत्र

विकसित शहरों से विकसित राजस्थान

भूमि अभिलेख रिकॉर्ड

'NAKSHA' (नेशनल जियोस्पेशियल नॉलेज बेस्ड लैंड सर्वे ऑफ़ अर्बन हैबिटेशन्स) योजना के तहत भरोसेमंद और कानूनी रूप से प्रमाणित भूमि रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा।

भूमि सम्बन्धी समस्याओं का निवारण

परिधीय क्षेत्र में रहने वाले निवासियों की भूमि सम्बन्धी समस्याओं के निवारण के लिए आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे।

ट्रैफ़िक एवं पार्किंग नीति

आम जन की इस समस्या के समाधान हेतु नीति बनाई जाएगी जिसमें सिग्नललेस व्यवस्था, अंडरपास, ब्रिज, भीड़भाड़ क्षेत्रों में मल्टीस्टोरी पार्किंग/सामूहिक पार्किंग आदि इंतजाम सम्मिलित रहेंगे।

बिजली लाइन भूमिगत करना

घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बिजली की हाई-टेंशन (HT) लाइनों को चरणबद्ध तरीके से ज़मीन के नीचे डालने हेतु कार्य किया जाएगा।

रिंग रोड

शहरों में गाड़ियों के दबाव और ट्रैफ़िक जाम को कम करने के लिए रिंग रोड के निर्माण की कार्यवाही की जाएगी।

वाटर हार्वेस्टिंग

शहरी निकायों के प्रमुख पार्कों व अन्य स्थानों, जहां पानी इकट्ठा होता है, में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाएगा ताकि वर्षा के पानी का संग्रहण किया जा सके और भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सके।

कचरा और अपशिष्ट जल प्रबंधन

प्राइवेट पार्टनरशिप (निजी सहभागिता) से सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और वेस्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम लगाए जाएंगे, जिससे खाद बने और साफ किए गए पानी (Treated water) का इस्तेमाल उद्योगों व खेती में हो सके।

बिना खुदाई सड़क मरम्मत

सभी नगर निगमों में सीसीटीवी सर्वे के जरिए खराब सड़कों/सीवर लाइनों की जांच की जाएगी और बिना सड़क खोदे आधुनिक ट्रेंचलेस तकनीक से उन्हें बदलने की कार्यवाही की जाएगी।

रोबोटिक सीवरेज सफाई

सीवरेज और मैनहोल की सफ़ाई के दौरान होने वाले हादसों को रोकने के लिए शहरी निकायों को चरणबद्ध ढंग से अत्याधुनिक रोबोटिक 3-इन-1 सफाई मशीनें और डिजिटल गैस डिटेक्टर उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

अटल रोजगार मेले एवं ई-लाइब्रेरी

क्षेत्रों के युवाओं के लिए आवश्यकता के आधार पर ई-लाइब्रेरी की व्यवस्था एवं रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

नगर निगमों में इंटर्नशिप

युवाओं को नगर प्रशासन से जोड़ने के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था लागू की जाएगी।

ईवी चार्जर प्वाइंट्स

ई–बिड के माध्यम से होर्डिंग/यूनिपोल की तर्ज पर ईवी चार्जर प्वाइंट्स बनाए जाएंगे।

AI सुरक्षा तकनीक

बेहतर ट्रैफ़िक मैनेजमेंट और सुरक्षा के लिए सभी अभय कमांड सेंटर्स (Abhay Command Centres) को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) तकनीक से जोड़ने हेतु कार्यवाही की जाएगी।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

प्राथमिक और सामुदायिक चिकित्सा केंद्रों को आधुनिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

सोलर प्लांट

पीएम सूर्यघर योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगवाने की कार्यवाही की जाएगी।

सफाई कर्मियों एवं अन्य पदों की भर्ती

योजनाबद्ध तरीके से भर्ती सुनिश्चित की जाएगी।

शहरी आम जन के लिए गारंटी

आवासीय भूखंड

अगले 5 वर्ष में शहरी क्षेत्रों के अलग-अलग आय वर्गों के लिए एक लाख आवासीय प्लॉट आवंटित करने की कार्यवाही की जाएगी।

घरेलू पीएनजी (PNG)

आगामी 5 वर्ष में 7 लाख से अधिक घरों में रसोई गैस (PNG) के कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे।

पिंक टॉयलेट्स

राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों के लिए महिलाओं की सुविधा हेतु 2000 पिंक टॉयलेट्स (Pink Toilets) का निर्माण कराया जाएगा।

स्ट्रीट लाइट

प्रत्येक निकाय में, नए और बाहरी रिहायशी इलाकों में 15 लाख स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक सेवा केंद्र

बुजुर्गों को सम्मानजनक और अच्छी दिनचर्या देने के लिए सामुदायिक केंद्रों पर जन सहभागिता से प्रथम चरण में नगर निगमों एवं परिषदों में 'वरिष्ठ नागरिक सेवा केंद्रों' की स्थापना की जाएगी। शेष निकायों में चरणबद्ध रूप से ये केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

विक्रेताओं व चालकों का बीमा

प्रत्येक निकाय में, पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स, सीएनजी ऑटो चालकों और टैक्सी चालकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा कवर देने की कार्यवाही की जाएगी।

वेंडिंग जोन

प्रत्येक निकाय में, स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी वालों) के लिए अलग से आधुनिक सुविधाओं युक्त वेंडिंग जोन निर्धारित किया जाएगा ताकि वे सम्मान के साथ अपना रोजगार चला सकें।

पार्किंग स्थल

प्रत्येक निकाय क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे।

फूड कोर्ट

लोगों को साफ़-सुथरा, शुद्ध और पौष्टिक खाना देने के लिए नगर निगम एवं नगर परिषदों में फूड कोर्ट स्थापित करने की कार्यवाही की जाएगी।

कचरा मुक्त शहर

प्रत्येक निकाय में, सभी डंपिंग साइट्स पर सालों से जमा पुराने कचरे का 100 प्रतिशत वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण (Disposal) करने की कार्यवाही की जाएगी।

कचरा वाहनों की ट्रैकिंग

घर-घर जाकर कचरा उठाने वाली सभी गाड़ियों पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (Vehicle Tracking System) लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

सीवरेज व्यवस्था

अगले 5 वर्ष में 3,000 किलोमीटर पुरानी सीवर लाइन की मरम्मत/परिवर्धन करने की कार्यवाही की जाएगी।

निराश्रित पशुओं के लिए शेल्टर होम

सभी शहरी निकायों में विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से जनभागीदारी द्वारा शेल्टर होम स्थापित किए जाएंगे। इनके लिए भूमि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी।

एलईडी लाइट्स

सभी निकाय क्षेत्रों में प्रत्येक वार्ड तक एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरे

प्रत्येक निकाय में, सुरक्षा, अपराध नियंत्रण व निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाएगी।

प्रमुख मार्गों का विकास

प्रत्येक निकाय में, शहर के प्रमुख मार्गों को विकसित कर चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

अनुमति/लाइसेंस प्रक्रिया

प्रत्येक निकाय में अनुमति/लाइसेंस प्रक्रिया सुगम व पारदर्शी बनाई जाएगी तथा भवन निर्माण के नक्शों की फाइलों को ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा एक सप्ताह में निस्तारण किया जाएगा।

पर्यावरण युक्त ट्रैक एवं ओपन जिम

प्रत्येक निकाय में प्रात: भ्रमण हेतु ट्रैक बनाए जाएंगे तथा पार्कों में ओपन जिम तथा आवश्यकता अनुसार योग टीचर की व्यवस्था की जाएगी।

इनडोर स्टेडियम

खेलों को बढ़ावा देने के लिए सभी नगर निगम, नगर परिषद मुख्यालयों पर इनडोर स्टेडियमों का निर्माण कराया जाएगा।

नगर वन और वाटिकाएं

प्रत्येक निकाय में, वायु गुणवत्ता (air quality) सुधारने और हरियाली बढ़ाने के लिए नगर वन और 'लवकुश' वाटिकाएं विकसित की जाएंगी।

स्मृति वन

नगर निगम, नगर परिषद मुख्यालयों पर जन सहयोग से वृक्षारोपण कर ग्रीन बेल्ट व ग्रीन एरिया का निर्माण किया जाएगा।

स्थानीय स्तर पर - नगरीय विकास हेतु संकल्प

वार्ड ही विकास का आधार

प्रत्येक निकाय में वार्ड ही विकास का आधार हो, इसे ध्यान में रखते हुए शहर के चहुंमुखी विकास का प्रयत्न किया जाएगा।

पेयजल एवं बिजली आपूर्ति

प्रभावित निकायों में पेयजल आपूर्ति में सुधार किया जाएगा एवं 24 घंटे (डोमेस्टिक) विद्युत आपूर्ति की जाएगी।

आधारभूत सुविधाओं का विकास

नगर निकाय, जिनकी सीमाओं का विस्तार हुआ है, में प्राथमिकता से आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। सीमा क्षेत्र में आए नवीन ग्रामों में सीवरेज, जल की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण तथा कचरा निस्तारण के साथ ही सड़कों का विस्तार, रोड-लाइट तथा बिजली की व्यवस्था चरणबद्ध रूप से की जाएगी।

ई-बसें (E-Buses)

सभी नगर निगम क्षेत्रों में सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल सफ़र के लिए ई-बसों के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था शुरू की जाएगी। महिलाओं एवं सीनियर सिटीजन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

ट्रैफिक लाइट फ्री सड़कें

यातायात को सुचारू रूप से चलाने के उद्देश्य से मुख्य सड़कों और चौराहों को ट्रैफिक लाइट फ्री बनाए जाने हेतु समुचित कार्यवाही की जाएगी।

प्रदूषण नियंत्रण

NCAP और NCR के अंतर्गत आने वाले शहरों में पॉल्यूशन रोकने के लिए स्मॉग टॉवर (Smog Tower) और एंटी-स्मॉग गन उपलब्ध कराने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों के कारण हो रहे प्रदूषण को नियंत्रित करते हुए उद्योगों के संचालन संबंधी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएगी।

डिस्टर्ब एरिया एक्ट

चुनिंदा शहरों में आवश्यकता अनुसार डिस्टर्ब एरिया एक्ट लागू करने की कार्यवाही की जाएगी।

सीवरेज सिस्टम

राज्य के आवश्यकता वाले नगरीय निकायों में चरणबद्ध तरीके से सीवरेज व्यवस्था स्थापित की जाएगी।

जल भराव

प्रभावित निकाय एवं क्षेत्रों की समस्या का यथोचित समाधान किया जाएगा।

रात्रिकालीन सफाई की व्यवस्था

अत्यधिक यातायात प्रभावित निकाय/क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई की व्यवस्था की जाएगी।

बाजारों का विकास एवं मिश्रित आबादी क्षेत्र

निकायों के ऐसे क्षेत्रों का अध्ययन कर इस हेतु नीति निर्धारित की जाएगी तथा बाजार क्षेत्रों का विकास एवं नए बाजार चिह्नित किए जाएंगे।

सुपर स्पेशलिटी हेल्थकेयर

जिलों के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशलिटी यूनिट्स बनाई जाएंगी ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी को प्रत्येक निकाय में लागू कर एससी/एसटी, पात्र ओबीसी तथा ईडब्ल्यूएस वर्गों को लाभान्वित किया जाएगा।

हाईराइज बिल्डिंग का निर्माण

शहरों के सुनियोजित, आधुनिक एवं वर्तमान की आवश्यकता के अनुसार हाईराइज बिल्डिंग के निर्माण पर विचार किया जाएगा तथा इन बिल्डिंग्स में पेयजल, अन्य आधारभूत सुविधाओं एवं सभी सुरक्षा मापदण्डों को सुनिश्चित किया जाएगा।

हेरिटेज स्थल/स्थान का संरक्षण एवं विकास

विभिन्न निकायों में स्थित हवेलियों, हेरिटेज स्थल/स्थान का संरक्षण किया जाएगा तथा पार्क, तालाब, प्रसिद्ध धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल एवं मोक्षधाम आदि का समुचित विकास किया जाएगा।

धार्मिक, सांस्कृतिक एवं विरासत के संरक्षण के लिए विकास कार्य करवाए जाएंगे।

इसके साथ-साथ निकाय की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न कार्य/गतिविधियां भी सुनिश्चित की जाएंगी यथा पर्वत, झीलों, आदिवासी क्षेत्र आदि के संबंध में समुचित कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

राजस्थान में उच्च न्यायालय की और पीठों की आवश्यकता

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने को मंजूरी दी है। इस निर्णय का उद्देश्य सुदूर हिमालयी क्षेत्र के लोगों को उच्च न्यायालय की सुविधा उनके निकट उपलब्ध कराना और न्याय तक उनकी पहुंच आसान बनाना है। लद्दाख के दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को जम्मू या श्रीनगर की लंबी यात्रा से राहत मिलेगी। यह निर्णय राजस्थान जैसे विशाल राज्य के लिए भी विचारणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। लगभग 3.42 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले इस प्रदेश में राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में तथा स्थायी पीठ जयपुर में है। सवाल यह है कि इतने विशाल भौगोलिक विस्तार वाले राज्य के सभी नागरिकों को इन दो स्थानों से उच्च न्यायालय तक समान और सहज पहुंच मिल पा रही है?

राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना 29 अगस्त 1949 को हुई थी। राजस्थान के एकीकरण के समय विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत न्यायिक संस्थाओं को एकीकृत कर एक उच्च न्यायालय की व्यवस्था बनाई गई। बाद में मुख्य पीठ जोधपुर में स्थापित हुई और वर्ष 1976 में प्रशासनिक आवश्यकता तथा जनहित को ध्यान में रखते हुए जयपुर में स्थायी पीठ पुनः स्थापित की गई। इससे स्पष्ट है कि समय और जनहित की आवश्यकता के अनुसार न्यायिक व्यवस्था में परिवर्तन किया जा सकता है।

आज उदयपुर, बीकानेर और कोटा में उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठ स्थापित करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। इन मांगों को केवल अधिवक्ताओं की मांग मानना उचित नहीं होगा। इनके पीछे हजारों वादकारियों की वास्तविक कठिनाइयां और न्याय तक उनकी पहुंच का प्रश्न जुड़ा हुआ है।

उदयपुर में उच्च न्यायालय की पीठ की मांग चार दशक से अधिक पुरानी है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों के अनेक नागरिकों को उच्च न्यायालय में अपने मामलों के लिए जोधपुर जाना पड़ता है। इन क्षेत्रों से जोधपुर की दूरी लगभग 400 से 500 किलोमीटर अथवा उससे अधिक हो सकती है। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए इतनी लंबी यात्रा, आने-जाने का खर्च और बाहर रहने का व्यय न्याय प्राप्त करने में बड़ी बाधा बन सकता है।

उदयपुर में इस मांग को लेकर आंदोलन भी कई दशकों से जारी है। मेवाड़-वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति के नेतृत्व में अधिवक्ता प्रत्येक माह 7 तारीख को न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते रहे हैं। समय-समय पर क्षेत्र में बंद, प्रदर्शन और अन्य आंदोलन भी हुए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि मांग केवल न्यायिक सुविधा की नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा बन चुकी है।

बीकानेर की मांग का ऐतिहासिक आधार भी है। वर्ष 1922 में बीकानेर में अपना उच्च न्यायालय था, जो राजस्थान उच्च न्यायालय के गठन के बाद समाप्त हो गया। आज बीकानेर संभाग के वादकारियों को उच्च न्यायालय संबंधी मामलों के लिए जोधपुर जाना पड़ता है। बीकानेर बार एसोसिएशन लंबे समय से इस मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अनेक ज्ञापन और प्रदर्शन किए जा चुके हैं तथा वर्ष 2009 में 125 दिनों की ऐतिहासिक हड़ताल भी हुई थी।

हाड़ौती क्षेत्र में कोटा को उच्च न्यायालय की स्थायी अथवा सर्किट पीठ देने की मांग भी लगभग 25 वर्षों से जारी है। कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ के लोगों को उच्च न्यायालय के मामलों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार इन क्षेत्रों से जयपुर अथवा जोधपुर की दूरी लगभग 350 से 500 किलोमीटर तक हो सकती है। बड़ी संख्या में लंबित मामलों को भी कोटा में पीठ की आवश्यकता के समर्थन में महत्वपूर्ण आधार बताया जाता है।

राजस्थान के भौगोलिक विस्तार को देखते हुए समस्या की गंभीरता और स्पष्ट हो जाती है। दक्षिण में बांसवाड़ा से उत्तर में श्रीगंगानगर तक की दूरी लगभग 900 किलोमीटर बताई गई है। ऐसे विशाल राज्य में उच्च न्यायालय की न्यायिक सुविधा यदि केवल जोधपुर और जयपुर तक सीमित रहेगी, तो दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए न्याय प्राप्त करना स्वाभाविक रूप से अधिक समय और खर्च वाला रहेगा।

अंततःन्याय तभी सार्थक है जब वह आम आदमी की पहुंच में हो। जब देश के दुर्गम लद्दाख क्षेत्र में न्याय को नागरिकों के निकट ले जाने की आवश्यकता स्वीकार की जा सकती है, तो राजस्थान के विशाल भौगोलिक विस्तार को देखते हुए उदयपुर, बीकानेर और कोटा में उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठों की आवश्यकता पर गंभीरता से विचार करना समय की मांग है।

यहां यह समझना जरूरी है कि उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठों की मांग का उद्देश्य न्यायपालिका को कमजोर या अनावश्यक रूप से विभाजित करना नहीं है। इसका उद्देश्य न्याय को नागरिकों के निकट पहुंचाना है। भारत के विधि आयोग की 230वीं रिपोर्ट में भी बड़े राज्यों में आवश्यकता के अनुसार उच्च न्यायालय की पीठों की स्थापना पर बल दिया गया था। न्याय के विकेंद्रीकरण से न्यायपालिका की कार्यक्षमता बढ़ाने, लंबित मामलों का बोझ कम करने तथा आम नागरिक के समय और धन की बचत करने में सहायता मिल सकती है।

अन्य बड़े राज्यों का अनुभव भी इस दिशा में महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र में मुंबई के अतिरिक्त नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में उच्च न्यायालय की पीठें हैं। मध्य प्रदेश में जबलपुर के अतिरिक्त इंदौर और ग्वालियर में स्थायी पीठें कार्यरत हैं। कर्नाटक में बेंगलुरु के अतिरिक्त धारवाड़ और कलबुर्गी में पीठें हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य न्यायालयों की संख्या बढ़ाना मात्र नहीं, बल्कि न्याय को नागरिकों के निकट लाना और भौगोलिक असमानता कम करना है।

निस्संदेह, नई स्थायी पीठ की स्थापना एक निर्धारित संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया के अधीन होती है। इसमें राज्य सरकार का प्रस्ताव, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की प्रशासनिक सहमति तथा केंद्र स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती है। संबंधित क्षेत्र की भौगोलिक दूरी, लंबित मामलों की संख्या, आधारभूत ढांचा और प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवहार्यता जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

वर्चुअल कोर्ट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आज न्याय व्यवस्था के उपयोगी साधन बन चुके हैं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के वादकारियों और अधिवक्ताओं को सुविधा मिलती है। लेकिन वर्चुअल सुनवाई को स्थायी भौतिक पीठ का पूर्ण विकल्प नहीं माना जा सकता। स्थायी पीठ केवल ऑनलाइन सुनवाई नहीं होती, बल्कि उसमें न्यायाधीशों की भौतिक उपस्थिति, न्यायिक प्रशासन और स्थानीय न्यायिक ढांचे की सुविधा उपलब्ध होती है। इसी कारण उदयपुर, बीकानेर और कोटा की बार एसोसिएशनें केवल वर्चुअल बेंच के बजाय भौतिक उपस्थिति वाली स्थायी पीठ की मांग करती रही हैं।

न्याय तक पहुंच का अर्थ केवल अदालत के दरवाजे खुले होना नहीं है। यह भी आवश्यक है कि आम नागरिक उन दरवाजों तक पहुंच सके। संविधान के अनुच्छेद 39(क) की भावना आर्थिक अथवा अन्य अक्षमताओं के कारण किसी व्यक्ति को न्याय पाने के अवसर से वंचित न करने की है। यदि किसी गरीब ठाामीण या आदिवासी व्यक्ति को मुकदमे की सुनवाई के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करनी पड़े, तो भौगोलिक दूरी और आर्थिक बोझ दोनों न्याय तक उसकी पहुंच को प्रभावित करते हैं।

लद्दाख में उच्च न्यायालय की पीठ को मंजूरी इसी सोच को मजबूत करती है कि न्याय व्यवस्था को नागरिकों के निकट होना चाहिए। राजस्थान में भी अब इस विषय को केवल क्षेत्रीय मांग या वकीलों के आंदोलन के रूप में देखने के बजाय व्यापक न्यायिक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए।

राज्य सरकार को उदयपुर, बीकानेर और कोटा की मांगों का निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ अध्ययन कराना चाहिए। संबंधित क्षेत्रों में लंबित मामलों की संख्या, मुख्य पीठ से दूरी, जनसंख्या, आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर आबादी, परिवहन सुविधाओं तथा उपलब्ध बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन किया जाए। यदि निर्धारित मानदंडों के आधार पर आवश्यकता और व्यवहार्यता सिद्ध होती है तो राज्य सरकार को उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठों की स्थापना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पहल करनी चाहिए।

राजस्थान जैसे विशाल राज्य में उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठें किसी क्षेत्र विशेष को दिया गया विशेषाधिकार नहीं होंगी। यह न्याय के विकेंद्रीकरण और नागरिकों के समान अधिकार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इसका उद्देश्य जोधपुर या जयपुर के महत्व को कम करना नहीं, बल्कि उन नागरिकों की कठिनाइयों को दूर करना है जिनके लिए उच्च न्यायालय आज भी बहुत दूर है।

अंततःन्याय तभी सार्थक है जब वह आम आदमी की पहुंच में हो।जब देश के दुर्गम लद्दाख क्षेत्र में न्याय को नागरिकों के निकट ले जाने की आवश्यकता स्वीकार की जा सकती है, तो राजस्थान के विशाल भौगोलिक विस्तार को देखते हुए उदयपुर, बीकानेर और कोटा में उच्च न्यायालय की अतिरिक्त पीठों की आवश्यकता पर गंभीरता से विचार करना समय की मांग है। यह केवल वकीलों की मांग नहीं, बल्कि न्याय को नागरिकों के निकट पहुंचाने की दिशा में आवश्यक न्यायिक सुधार है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

सड़कों की नई रफ्तार से बदलता राजस्थान का विकास पथ

चन्द्रमोहन मीणा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर कनेक्टिविटी के विस्तार, एक्सप्रेसवे और रिंग रोड के जरिए प्रदेश में मजबूत हो रहा आधारभूत ढांचा . राजस्थान जैसे विशाल भू-भाग वाले प्रदेश के लिए सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की जीवनरेखा हैं। गांव को मंडी से, किसान को बाजार से, उद्योग को निवेश से और शहर को देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाली सड़कें जितनी मजबूत होंगी, विकास की गति भी उतनी ही तेज होगी। यही कारण है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों के दौरान सड़क विकास को केवल निर्माण कार्यों की सूची तक सीमित न रखकर राजस्थान की भविष्य की आर्थिक और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी का आधार बनाने पर जोर दिया गया है। सड़क निर्माण, नए एक्सप्रेसवे, रिंग रोड, बाईपास और ग्रामीण संपर्क मार्गों का विस्तार इसी व्यापक सोच का हिस्सा दिखाई देता है।

प्रदेश में इस अवधि में 34,128 करोड़ रुपए व्यय कर 49,197 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है। इनमें 9,290 करोड़ रुपए की लागत से 18,431 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण उल्लेखनीय है। आंकड़ों की यह तस्वीर बताती है कि सड़क विकास का दायरा केवल बड़े शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों और छोटे कस्बों तक संपर्क मजबूत करने की दिशा में भी काम हुआ है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सड़क नेटवर्क को अब केवल वर्तमान यातायात की जरूरतों के हिसाब से नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखकर विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के विशेष निर्देशों के अनुरूप कनेक्टिविटी बढ़ाने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स को गति देना इसी दृष्टि का प्रमाण है।

राजस्थान में 2,750 किलोमीटर से अधिक लंबाई के नौ नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का कार्य प्रगति पर होना आने वाले समय में प्रदेश के सड़क नेटवर्क का स्वरूप बदल सकता है। इन परियोजनाओं का महत्व केवल यात्रा का समय कम करने तक सीमित नहीं है। ये औद्योगिक क्षेत्रों, कृषि उत्पादक क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों और प्रमुख शहरों को तेज परिवहन नेटवर्क से जोड़कर आर्थिक गतिविधियों का नया भूगोल तैयार कर सकते हैं। करीब 350 किलोमीटर लंबा जयपुर-जोधपुर एक्सप्रेसवे जयपुर, दूदू, किशनगढ़, अजमेर और जोधपुर को जोड़ेगा। यह पश्चिमी राजस्थान और राजधानी क्षेत्र के बीच दूरी कम करने के साथ औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देने की क्षमता रखता है। इसी तरह कोटपूतली-किशनगढ़ एक्सप्रेसवे करीब 181 किलोमीटर, जयपुर-भीलवाड़ा एक्सप्रेसवे करीब 193 किलोमीटर और बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेसवे करीब 295 किलोमीटर लंबा प्रस्तावित नेटवर्क प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ब्यावर-भरतपुर एक्सप्रेसवे करीब 342 किलोमीटर लंबा होगा, जबकि जालोर-झालावाड़ एक्सप्रेसवे करीब 402 किलोमीटर लंबाई के साथ राजस्थान के पश्चिमी हिस्से को देश के प्रमुख आर्थिक कॉरिडोर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसी क्रम में अजमेर-बांसवाड़ा एक्सप्रेसवे करीब 358 किलोमीटर, जयपुर-फलोदी करीब 345 किलोमीटर और श्रीगंगानगर-कोटपूतली करीब 290 किलोमीटर लंबी परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं को एक साथ देखा जाए तो तस्वीर स्पष्ट होती है किराजस्थान के विकास का अगला चरण केवल जयपुर या कुछ बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक कनेक्टिविटी का जाल मजबूत करने की कोशिश है।

बड़े एक्सप्रेसवे जितने जरूरी हैं, उतना ही महत्वपूर्ण वह सड़क नेटवर्क है जो गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ता है। यह काम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की वास्तविक उपयोगिता तभी सामने आती है, जब उससे अंतिम छोर तक जुड़ा स्थानीय सड़क नेटवर्क भी मजबूत हो। राजस्थान के बड़े शहरों में बढ़ते यातायात के बीच रिंग रोड की जरूरत लंबे समय से महसूस की जाती रही है। शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों को बाहर से निकालना, यातायात का दबाव कम करना और भविष्य के शहरी विस्तार के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार करना रिंग रोड की मूल उपयोगिता है।

जयपुर उत्तरी रिंग रोड लगभग 99 से 100 किलोमीटर लंबी महत्वपूर्ण परियोजना है। इसका उद्देश्य दिल्ली, आगरा, अजमेर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को बेहतर ढंग से जोड़ना है। इसी प्रकार रामगंजमंडी-कोटा रिंग रोड की डीपीआर तैयार की जा चुकी है, जिसकी भूमि अधिग्रहण सहित अनुमानित लागत करीब 380 करोड़ रुपए है। प्रतापगढ़ में बाईपास चित्तौड़गढ़ रोड से धरियावाद रोड होते हुए बांसवाड़ा रोड तक अर्धचंद्राकार रिंग रोड की डीपीआर तैयार होना भी शहरी यातायात के दीर्घकालीन समाधान की दिशा में कदम है। झाड़ोल से नांदेश्वर-उदयपुर रिंग रोड, चूरू बाईपास, अजमेर के चारों ओर रिंग रोड सहित विभिन्न शहरों में रिंग रोड और बाईपास परियोजनाओं की तैयारी बताती है कि यातायात प्रबंधन को सड़क विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। विशेष रूप से भारी यातायात वाले शहरों में रिंग रोड का निर्माण केवल ट्रैफिक कम करने का उपाय नहीं है। यह शहरों के भीतर प्रदूषण, दुर्घटना जोखिम, जाम और यात्रा समय को कम करने के साथ नए व्यावसायिक क्षेत्रों के विकास की संभावनाएं भी खोलता है। आज के दौर में कोई भी निवेशक किसी प्रदेश में उद्योग लगाने से पहले बिजली, पानी और जमीन के साथ कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देता है। बेहतर सड़कें लॉजिस्टिक्स की लागत घटाती हैं, बाजार तक पहुंच आसान बनाती हैं और उद्योगों के लिए नए स्थानों को व्यवहार्य बनाती हैं। राजस्थान की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह और भी महत्वपूर्ण है।

जयपुर-जोधपुर, जालोर-झालावाड़, अजमेर-बांसवाड़ा जैसे एक्सप्रेसवे केवल शहरों को जोड़ने वाली रेखाएं नहीं होंगे; इनके आसपास औद्योगिक गतिविधियों, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और सेवा क्षेत्र के नए केंद्र विकसित होने की संभावनाएं हैं। कृषि उत्पादों के तेज परिवहन से किसानों को भी लाभ मिल सकता है। यानी सड़क पर खर्च होने वाला पैसा अंततः अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में गतिविधि पैदा कर सकता है।

सड़क विकास की यह रफ्तार उत्साहजनक है। इसकी अगली कसौटी गुणवत्ता, समयबद्धता और रखरखाव है। नई सड़कें बनाना जितना आवश्यक है, उन्हें लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। एक्सप्रेसवे और रिंग रोड की परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृतियां, वित्तीय प्रबंधन और निर्माण की गति जैसे मुद्दों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। राजस्थान की जरूरत बेहतर, सुरक्षित, टिकाऊ और रणनीतिक रूप से उपयोगी सड़क नेटवर्क की है। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रामीण सड़को को बड़े राजमार्गों से प्रभावी ढंग से जोड़ने, एक्सप्रेसवे समय पर पूरे करने और रिंग रोड शहरों के यातायात को व्यवस्थित करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

सड़कें अक्सर वह आधार तैयार करती हैं जिस पर उद्योग, व्यापार, पर्यटन और रोजगार की इमारत खड़ी होती है। राजस्थान में पिछले ढाई वर्षों में सड़क विकास के लिए अपनाया गया व्यापक दृष्टिकोण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सड़कों का विस्तार, एक्सप्रेसवे की नई कड़ियां और शहरों के चारों ओर रिंग रोड मिलकर राजस्थान को केवल बेहतर जुड़ा हुआ प्रदेश नहीं, बल्कि तेज आर्थिक गतिविधियों वाला प्रदेश बनाने की आधारभूमि तैयार कर सकते हैं। आने वाले वर्षों में इन परियोजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यही होगा कि राजस्थान के किसी गांव से निकलने वाला व्यक्ति, किसान, व्यापारी या उद्यमी कितनी आसानी से राज्य और देश के बड़े बाजारों तक पहुंच पाता है। यदि यह दूरी समय और लागत दोनों में घटती है, तो सड़क पर बिछता डामर वास्तव में विकास की नई राह बन जाएगा।

–चंद्रमोहन मीणा, आईएएस (सेनि)

कला, शिल्प और श्याम : राजस्थान में श्रीकृष्ण-अनुराग

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (4 सितम्बर, 2026) पर विशेष....

अब्दुल लतीफ़ उस्ता

सोइ नेह नदलाल में, प्रकटि न पावें जान।
जस असि सूराचित्र कों, एंच्यो होइ न म्यान॥

श्रीकृष्ण के चरित्र के बहुआयामों, सौंदर्य और लोक-तत्वों के साथ समागमी प्रवृति ने भारतीय कलाओं और साहित्य को अत्यंत गहराई से प्रभावित किया है। संभवतः यही कारण है कि इन माध्यमों में श्रीकृष्ण का जितना निरूपण हुआ है, किसी अन्य विषय का इतना प्रभावी अंकन नहीं हुआ है। उनकी कला तत्वों में उपस्थिति भारतीय संस्कृति को सौंदर्य, संवेदना और आध्यात्मिकता से जोड़ती है। भारतीय कला विधाओं में श्रीकृष्ण अनेक रूपों यथा मथुरा, गुप्त और मध्यकालीन शिल्प में, राजस्थानी और पहाड़ी चित्रकला में, मूर्तियों और भित्तिचित्रों में व्यापक रूप से दिखाई देते हैं। इसी प्रकार कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी सरीखी प्रदर्शनकारी कलाओं में कृष्ण-आधारित नृत्य-रचनाएँ महती रही हैं। रासलीला, कृष्ण-लीला और भजन-परंपरा में उनका अभिनयात्मक और संगीतात्मक रूप प्रकट होता है। लोकनाट्यय, पद-गायन और भक्तिगीतों के केंद्रीय नायक भी श्रीकृष्ण हैं, जहाँ वे प्रेम, भक्ति, नीति और दर्शन के पर्याय हैं।

राजस्थान की कला और शिल्प-संस्कृति में भी श्रीकृष्ण का स्थान धार्मिक चरित्र तक सीमित नहीं है बल्कि वे भक्ति, सौंदर्य और लोक-स्मृति के जीवंत प्रतीक हैं। राजस्थानी चित्रकला की विविध चित्रशैलियों यथा मेवाड़, बीकानेर, बूंदी, कोटा, किशनगढ़ और जयपुर की शैलियों में श्रीकृष्ण के विविध रूप चित्रित हुए हैं। किशनगढ़ शैली में राधा-कृष्ण की भावमयी और कोमल छवियाँ अत्यंत प्रसिद्ध रही हैं। इसी प्रकार पिछवाई चित्रों में श्रीनाथजी के रूप में श्रीकृष्ण का भव्य, भक्तिमय और रंग-समृद्ध रूप देखने को मिलता है। राजस्थानी लोकचित्र परंपराओं जैसे फड़ और कावड़ में भी कृष्ण-लीला के प्रसंग चित्रित किये जाते है जो कथाओं, प्रतीकों और रंगों के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन को लोकभाषा में व्यक्त करते हैं।

राजस्थानी संगीत और लोक गायन में भी श्रीकृष्ण की उपस्थिति बहुत प्रभावी रही हैं। मारवाड़ी, मेवाड़ी, मेवाती, ब्रज और ढूँढाड़ी जैसी क्षेत्रीय बोलियों में रचे गए भजनों और लोक-गीतों में गोपियों का कृष्ण प्रेम और राधा की व्याकुलता सजीव हो उठती है। विशेष रूप से रसिया गायन, जो ब्रज के सांस्कृतिक प्रभाव से जुड़ा है, और मण्डलों में गाए जाने वाले लोक-गीत श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हैं। हवेली संगीत-जो नाथद्वारा की पुष्टिमार्गीय परंपरा की अनमोल थाती है-में राग-रागिनियों के माध्यम से भगवान कृष्ण के दैनिक स्वरूपों और श्रृंगार का अत्यंत तन्मयता से गायन किया जाता है। इसके अतिरिक्त रम्मत और ख्याल जैसे लोकनाट्ययों के साथ-साथ रासलीला की जीवंत प्रस्तुतियाँ संगीत, अभिनय और भाव का अद्भुत संगम रचती हैं। इन सभी रूपों में श्रीकृष्ण राजस्थान की लोक-स्मृति में से जीवंत स्वर बनकर उभरते हैं, जो पीढ़ियों से संगीत, नृत्य और लोक-संस्कृति को आपस में बांधे हुए हैं।

राजस्थान की हस्तशिल्प परंपरा भी इस विषय से अछूती नहीं रही है। राजस्थानी हस्तशिल्प में श्रीकृष्ण पिछवाई के विशाल वस्त्र-चित्रों में श्रीनाथजी के रूप में तो कभी बंधेज और लहरिया की तरंगों में, कभी कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट की सज्जा में, कभी लकड़ी, लाख, धातु और मिट्टी की मूर्तियों/फलकों में, और कभी मंदिर संबंधी सजावटी वस्तुओं में अंकित किये जाते रहे हैं। श्रीकृष्ण यहाँ केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक चेतना के केंद्र के रूप में विद्यमान हैं।

राजस्थान में वैष्णव परंपरा और पुष्टिमार्गीय आस्था ने कृष्ण-प्रधान शिल्प को विशेष प्रोत्साहन दिया है। श्रीनाथद्वारा इस परंपरा का सबसे प्रमुख तीर्थ और शिल्प-केन्द्र है, यहाँ विकसित पिछवाई कला ने श्रीकृष्ण के बालरूप श्रीनाथजी को दृश्य रूप में व्यक्त करने की एक सशक्त भाषा रची। पिछवाई निर्माण केवल सौंदर्य निरूपण नहीं है, बल्कि विभिन्न अवसरों पर श्रीकृष्ण के स्वरूप, प्रसंगों और ऋतुओं के अनुरूप उसकी दृश्य-रचना बदली जाती है। राजस्थान की हवेलियों, विशेषकर शेखावाटी, बीकानेर और जोधपुर और प्राचीन मंदिरों के भित्तिचित्रों में श्रीकृष्ण की लीलाएँ, स्थानीय कलाकारों द्वारा चमकीले प्राकृतिक रंगों से उकेरी गयी हैं। इसी प्रकार राजस्थानी लोक-चित्रण परम्परा यथा फड़, पाने आदि में लोकदेवताओं के साथ-साथ श्रीकृष्ण की बाल-लीलाएँ, गोवर्धन-धारण और अन्य प्रसंग भी अंकित किए जाते रहे हैं। शाहपुरा, भीलवाड़ा का जोशी परिवार फड़ बनाने की कला में सिद्धहस्त रहा है। इसी भांत उदयपुर की जल सांझी, जल पर चित्रकारी की एक दुर्लभ और प्राचीन मंदिर कला शैली है, जो मुख्य रूप से श्रीकृष्ण के जीवन और बाल-लीलाओं पर केंद्रित होती है।

राजस्थान के लकड़ी, मिट्टी और लाख के शिल्प में भी श्रीकृष्ण एक विशिष्ट और लोकधर्मी विषय के रूप में दिखाई देते हैं। राजस्थान के काष्ठ-शिल्प में पारंपरिक तोरणों, चौखटों और धार्मिक झरोखों पर श्रीकृष्ण की आकृतियों को अत्यंत बारीकी से तराशा गया है। विवाह और अन्य मांगलिक अवसरों पर घरों के मुख्य द्वारों पर लगाए जाने वाले काष्ठ के नक्काशीदार तोरणों पर श्रीकृष्ण की बांसुरी, मोर-मुकुट और गायों के चित्र उकेरे

जाते हैं, जो यह इंगित करते है कि यहाँ हर नई शुरुआत और मांगलिक कार्य का आरंभ कृष्ण-स्मृति के बिना अपूर्ण है। बस्सी-चित्तौड़गढ़ की कावड़ कला परम्परा में लोकदेवताओं के साथ-साथ श्रीकृष्ण की बाल-लीलाएँ, गोवर्धन-धारण और अन्य प्रसंग भी अंकित किए जाते रहे हैं। इस परंपरा में रामकथा के साथ, विष्णु अवतार के रूप में श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंग चित्रित किये जाते रहे हैं। लकड़ी से बने कावड़ कपाटनुमा छोटे मंदिरनुमा संरचना होती है, जिन्हें सुथार या जांगिड ब्राह्मण कारीगरों द्वारा बनाया जाता है। मिट्टी की मूर्तियों, टेराकोटा वस्तुओं, विशेषकर मोलेला के मूर्ति-शिल्प में श्रीकृष्ण के विविध स्वरूप अधिक सरल और लोक भाव लिए हुए होते हैं, जिनमें स्थानीय पारंपरिक कला की सहजता दिखाई देती है। राजसमंद जिले के मोलेला गाँव की मोलेला कला और श्रीकृष्ण के बीच का संबंध बहुत अनूठा और गहरा है। लोक देवताओं के साथ-साथ श्रीकृष्ण की इन मूर्तियों की पूजा करने की परंपरा इस शिल्प को कृष्ण भक्ति और राजस्थान की सांस्कृतिक आस्था से जोड़ती है। इसी प्रकार लाख के शिल्प निर्माण परंपरा में चमकीले रंग और चिकनी सतह श्रीकृष्ण के सौंदर्य से स्वाभाविक रूप से मेल खाते हैं। लाख की चूड़ियों, खिलौनों, छोटे सजावटी पात्रों और धार्मिक प्रतीकों में कृष्ण-भाव की झलक अक्सर देखने को मिलती हैं।

''कार्यार्थं तस्य तु नृपः पुरोचनमचोदयत्।
तैलं वसां च क्षौमं च लाक्षां दारूणि चैव हि॥''

(महाभारत - आदि पर्व, जतुगृहदाह पर्व, 145, 2)

ऐसा माना जाता है कि ब्रज में अपनी लीलाओं के दौरान श्रीकृष्ण राधिका और गोपियों को प्राकृतिक गोंद और लाख से बने सुंदर आभूषण और चूड़ियाँ भेंट करते थे। राजस्थान में लाख का काम मुख्य रूप से जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में किया जाता है और इनके पारंपरिक कारीगरों को मनिहार कहा जाता है। चूंकि श्रीकृष्ण (विशेष रूप से श्रीनाथजी, श्रीगोविन्द देवजी, श्री द्वारकाधीश जी, सांवरिया सेठ और बाबा रामदेवजी के स्वरूप में) यहाँ की संस्कृति के केंद्र में हैं, इसलिए जन्माष्टमी के दौरान चमकीले रंगों की लाख की चूड़ियों और सजावटी वस्तुओं का प्रचलन स्वतः ही बढ़ जाता है। यहाँ कारीगर अपने माध्यमों की सीमाओं के भीतर श्रीकृष्ण की छवि को विविध सांकेतिक रूपों यथा मयूर पंख, बांसुरी, मोर-मुकुट आदि में ढालतें हैं।

राजस्थान की धातु शिल्प और मीनाकारी की परंपरा में भी श्रीकृष्ण का स्वरूप विशेष महत्व रखता है। धातु शिल्प में श्रीकृष्ण के श्रीनाथजी, श्रीनवनीत प्रियाजी स्वरूप की मूर्तियाँ, झाँकियाँ और सजावटी विठाह बड़े पैमाने पर बनाए जाते रहे हैं। कुंदन, पोल्की और जड़ाऊ शिल्प-परंपरा में भी मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के लिए प्रयुक्त वस्तुओं को विशेष रूप से सजाया जाता है। इन शिल्पों में जब धातु, रंग और प्रकाश एक साथ मिलते हैं, तब श्रीकृष्ण की छवि भक्ति और सौंदर्य के सम्मिलन का रूप ले लेती है। राजस्थान में बंधेज, लहरिया, अजरख, ब्लॉक प्रिंट, कशीदाकारी और रंगाई-छपाई की विविध वस्त्र-शिल्प विधाओं में भी श्रीकृष्ण की छाप प्रमुखता से देखी जा सकती है। श्रीकृष्ण से सम्बंधित रंग-विशेष रूप से पीला, नीला, हरा और सफेद-इन वस्त्रों में प्रचुरता से प्रयुक्त होते हैं। पीला पीताम्बर, नीला श्याम छवि, हरा कानन वन की प्रकृति, सफेद पवित्रता तथा शांति को इंगित करता है। मोरपंख, बंसी, कमल, गाय, लता-पत्र और झूला जैसे रूपांकन भी इन वस्त्रों में श्रीकृष्ण-भाव को गहरा करते हैं।

समसामयिक दौर में, श्रीकृष्ण से संबंधित रूपक अनेक घरेलू और अनुष्ठानिक शिल्पों यथा कढ़ाई, गोटा-पट्टी, कशीदाकारी, बातिक, मोजैक, अप्लिक और साज-सज्जा में सम्मिलित हो रहे हैं। वर्तमान समय में, जहाँ डिजिटल मीडिया, मशीनी उत्पादन और वैश्विक बाजार का विस्तार तेजी से हो रहा है, वहाँ राजस्थान के कृष्ण-केंद्रित हस्तशिल्प और कला-परंपराओं की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। यह शिल्प केवल धार्मिक आस्था या स्थानीय संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक पर्यटन, संग्रहालयों और आधुनिक कला-दीर्घाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। आधुनिक डिजाइनरों और शिल्पियों के बीच पारंपरिक पिछवाई, बंधेज, मीनाकारी और काष्ठ-शिल्प को समकालीन सौंदर्यबोध के साथ ढालने का एक नया युग शुरू हुआ है, जिससे युवा पीढ़ी भी इन कलाओं से जुड़ रही है। इस प्रकार, समकालीन संदर्भ में श्रीकृष्ण-विषयक लोक-शिल्प परंपरा आधुनिकता और सांस्कृतिक जड़ों के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रही है, जो आर्थिक संबल के साथ-साथ राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाए हुए है।

–अब्दुल लतीफ़ उस्ता,
विरासत विशेषज्ञ और कला इतिहासकार

राशिफल

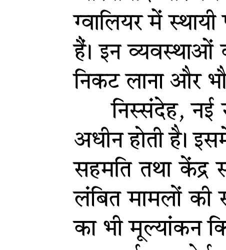

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 3 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 12:49 तक, व्याघात योग सायं 6:33 तक, विष्टि करण दिन 3:26 तक, चन्द्रमा आज 7:26 से वृष राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 12:29 तक है। रवियोग रात्रि 12:29 तक है। भद्रा दिन 3:26 तक है। आज थदड़ी पर्व (सिंधी) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:44 तक, चर 10:52 से 12:24 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:34 तक, शुभ 5:08 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:42

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव दूर होगा।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी और व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कुंभ
घर-परिवार में आवश्यक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

All That Is Freedom

Every breath you take and every move you make, Every bond you break, every step you take, I'll be watching you

A Desert Craft That Reflects Light and Beauty

Lippan art is more than decoration, it became a way of bringing light, energy, and joy into desert homes

मोदी के प्रति नरम, शाह के खिलाफ आक्रामक शैली अपनाना सोची समझी रणनीति है?

गृह मंत्रालय की सदा से सख्त निर्णय लेने की परम्परा रही है, सख्त निर्णय लेने की जिम्मेवारी प्रायः गृह राज्यमंत्री पर डाली जाती है, जिससे गृह मंत्री सीधी आलोचना से बच जाते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। ये है हमारे सपनों का भारत!

आज सुबह वरिष्ठ सेवानिवृत्त नौकरशाह आशीष जोशी को नेहरू पार्क से मॉर्निंग वॉक के दौरान उठा लिया गया।

यह दिल्ली पुलिस की कार्रवाई थी, लेकिन इसके पीछे गृह मंत्रालय का हाथ बताया जा रहा है।

पूरे दिन यह पता नहीं चला कि उन्हें कहां ले जाया गया है। उनके ठिकाने का पता नहीं चल पाया। परिवार को भी कोई जानकारी नहीं दी गई। लेकिन सोशल मीडिया पर दिनभर यह घटना काफी सुर्खियों में रही और भारी हंगामा होने के बाद, शाम को जोशी को रिहा कर दिया गया।

पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित ने आशीष जोशी की रिहाई की जानकारी सार्वजनिक तौर पर साझा की।

उन्हें क्यों उठाया गया, इसके तत्काल कारण स्पष्ट नहीं हैं।

- पर, अब गृह राज्यमंत्री का पद उतना प्रभावशाली नहीं रह गया है। लगभग सभी निर्णय गृह मंत्री के स्तर पर हो रहे हैं, इसलिए उन्हें ही सीधा टारगैट भी किया जा रहा है।
- कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों का कहना है कि एफआईआर दर्ज करने का निर्णय तक गृह मंत्री के आदेश पर लिया जाता है।
- कांग्रेस ने कहा, जंतर-मंतर प्रदर्शन में पैलैट गन से घायल छात्र की एफआईआर दर्ज करने में संसद मार्ग थाने को सात घंटे लग गए, जबकि खड़गे की उत्तराखंड यात्रा के दौरान हल्द्वानी के सभा स्थल के शुद्धिकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने पर राहुल गांधी के खिलाफ तुरंत ही एफआईआर दर्ज कर ली गई।
- कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि गृह मंत्री के खिलाफ ट्वीट करने या पॉडकास्ट करने पर भी लोगों को पकड़ा जा रहा है।

उन्होंने एक ट्वीट किया था, जिसमें गृह मंत्री और गृह सचिव के बीच जंतर-मंतर आंदोलन से निपटने के तरीके और वहां जुटे छात्रों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने को लेकर मतभेदों का जिक्र था।

ट्वीट के अनुसार, अमित शाह सख्त कार्रवाई चाहते थे, जबकि गृह सचिव ने इस तरीके के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि पुलिस बल इस तरह की दमनात्मक कार्रवाई के पक्ष में नहीं है।

लेकिन जब गृह मंत्री अमित शाह ने तीखे अंदाज में आदेश दिया कि कार्रवाई की जानी चाहिए, तो उसे अंजाम दे दिया गया।

निहत्थे छात्रों के खिलाफ हिंसा को लेकर संसद ठप रही। अमित शाह सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब देने नहीं आए कि पैलेटगन फायरिंग और हिंसा व बर्बरता की अन्य कार्रवाइयों का आदेश किसने दिया था।

क्या यही ट्वीट आशीष जोशी को पुलिस द्वारा उठाए जाने की वजह था? या इसके पीछे कुछ और कारण भी थे?

सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या अब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विचार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में ओवैसी के करीबी आसिम वकार कांग्रेस में शामिल

- सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद आसिम वकार बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। इसे उनके पूर्व पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जहाँ अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

- वकार, जो ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं, ने कहा, वास्तव में सिर्फ कांग्रेस व राहुल गांधी ही भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं। एआईएमआईएम तो कांग्रेस व सपा से लड़ रही है और भाजपा को ही मजबूत कर रही है।

दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय, 24 अकबर रोड, में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आसिम वकार ने कहा कि एआईएमआईएम भाजपा का विरोध करने की केवल "जुबानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में धन सम्पन्न लोगों को टिकट देने का सोच रही है कांग्रेस

गत चुनाव में पार्टी का अनुभव बेहद खराब रहा, जब पार्टी ने चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों को पैसे भी दिए, पर वे बाद में निष्क्रिय हो गए और पैसे बचा लिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। सन् 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ जारी खींचतान के बीच, कांग्रेस मुख्य रूप से ऐसे सक्षम उम्मीदवारों को टिकट देने की योजना बना रही है, जिनके पास मजबूत आर्थिक आधार हो, ताकि चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी की स्थिति मजबूत रह सके।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पार्टी इन महत्वपूर्ण चुनावों को गंभीरता से लड़ना चाहती है और इसलिए मजबूत जनाधार तथा पर्याप्त संसाधन रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

हालांकि, पदाधिकारी ने कहा कि जहां साधारण पृष्ठभूमि का कोई मजबूत उम्मीदवार वास्तव में जीतने की स्थिति में होगा, वहां अपवाद की स्थिति आने दी जाएगी। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए, उम्मीदवारों से पार्टी फंड में योगदान देने की भी उम्मीद की जा रही है।

- वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यूपी के कई प्रत्याशियों को 70 लाख रूपए दिए थे, पर बाद में पता चला कि अधिकांश ने प्रचार पर पैसा खर्च नहीं किया और फंड बचा लिया, तब पार्टी ने 399 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर दो पर ही जीत मिली थी।
- कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पार्टी इन महत्वपूर्ण चुनावों के लिए बेहद गंभीर है। इसलिए सक्षम व सम्पन्न उम्मीदवारों को टिकट दिया जाएगा और अगर साधारण पृष्ठभूमि का कोई प्रत्याशी चुनाव जीतने की स्थिति में होगा तो पार्टी उसे फंड देगी।
- कांग्रेस ने कहा, साधन सम्पन्न प्रत्याशियों से उम्मीद है कि वे पार्टी फंड में भी योगदान करेंगे।

पदाधिकारी ने कहा, "हमने पहले देखा है कि किस तरह गैर-गंभीर लोग टिकट ले लेते हैं और पार्टी से पैसे भी लेते हैं, लेकिन बाद में उस पैसे को अपने पास बचाने के लिए निष्क्रिय हो जाते हैं। अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

यह रणनीति 2022 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के अनुभव से प्रेरित लगती है। उस समय पार्टी ने कथित तौर पर कई उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए 70 लाख रुपये तक दिए थे।

चुनाव के बाद शिकायतें सामने आईं कि चुनाव प्रचार के लिए फंड पाने वाले कई उम्मीदवारों ने अपने प्रचार पर पर्याप्त खर्च नहीं किया और इसके बजाय पैसा खुद बचा लिया। उस समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल की बाढ़ से बिहार में महामारी फैलने का खतरा बढ़ा

नेपाल की बाढ़ का पानी गंडक और कोसी नदी के जरिए बिहार में पहुँच रहा है, जिसमें इंसानों व जानवरों के मृत शरीर और मरी हुई मछलियाँ बहकर आ रही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। पिछले सप्ताह से सामने आ रही तस्वीरों को नजरअंदाज करना मुश्किल है। नेपाल से तेज बहाव के साथ बाढ़ का पानी नीचे की ओर आ रहा है और अपने साथ कीचड़, मलबा, तबाह हुए घर, मरे हुए जानवर और इंसानी शवों के अवशेष बिहार की नदियों में ला रहा है।

26 अगस्त को ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर के टूटने के बाद नेपाल में अचानक आई भयानक बाढ़ अब भारत में स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बन गई है। नेपाल में बचाव और राहत कार्य जारी हैं और 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 4,500 लोग अभी भी लापता हैं।

- बिहार सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, वे बाढ़ के पानी से मछलियाँ ना पकड़ें, ना ही उन्हें खरीदें या बेचें।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि बाढ़ का पानी सिर्फ पानी नहीं, इसमें सीवेज, कचरा आदि दूषित पदार्थ होते हैं, जब यह पानी ज़मीन के अंदर से कुओं, हैडपंपों या तालाबों तक पहुँच जाता है, तो स्वास्थ्य पर इसका दुष्प्रभाव लम्बे समय तक दिखाई देता है।

यह आपदा नेपाल की सीमा पर नहीं रुकी।

त्रिशूली नदी का बाढ़ का पानी गंडक और कोसी के रास्ते बिहार में आ रहा है। इसके साथ बड़ी मात्रा में कीचड़, मलबा, मरी हुई मछलियां, जानवर और इंसानी शवों के अवशेष भी बिहार पहुँच रहे हैं।

बिहार में अब लोगों को सलाह दी गई है कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तब तक वे बाढ़ के पानी से मछली न पकड़ें और न ही ऐसी मछलियां खरीदें, बेचें या खाएं। यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के एक परिवार में 200 साल बाद हुआ कन्या का जन्म

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। महाराष्ट्र के बीड में एक परिवार में चार पीढ़ियों के बाद बेटी का जन्म हुआ। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, एक शोभायात्रा में नवजात बच्ची को उसकी माँ के साथ रथ में बिठाकर ढोल, झांझ के साथ नृत्य करते हुए घर लाया गया।

- महाराष्ट्र के बीड जिले के दहीफाले परिवार में नवजात कन्या को माँ के साथ रथ में बिठाकर ढोल झांझ की ताल पर नाचते-गाते घर लाया गया।

नवजात बच्ची का नाम गार्गी रखा गया है। दहिफाले परिवार ने बताया कि करीब 200 वर्षों से उनके परिवार में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अपने बयानों से भाजपा को खुश करना बंद करें'

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेसी नेताओं, खासतौर से थरूर को चेतावनी दी और कहा, ऐसा करके आप लोग भाजपा को कांग्रेस के खिलाफ हथियार थमा रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कांग्रेस नेताओं को ऐसे सार्वजनिक बयान देने से सावधान किया है, जिनसे भाजपा को राजनीतिक फायदा मिल सकता है। उन्होंने यह बात शशि थरूर द्वारा राहुल गांधी के जेन जी तक पहुंच बनाने को लेकर की गई टिप्पणियों के जवाब में कही।

वे थरूर की उस कथित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम युवाओं के बीच उतना असर नहीं डाल सका, जितना कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शनों ने डाला।

- केसी वेणुगोपाल ने कहा, अगर कोई राहुल गांधी की गलती निकालता है या उनके खिलाफ एक दो नकारात्मक बातें बोलता है तो सबसे ज्यादा खुशी भाजपा को होती है।
- केसी वेणुगोपाल ने थरूर को निशाना बनाया, जिन्होंने कहा था कि राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को वह समर्थन नहीं मिला, जो सीजेपी को मिला है। वेणुगोपाल ने कहा, मैंने कुछ मीडिया चैनलों में थरूर का बयान सुना है। मुझे यकीन है, उन्होंने जानबूझ कर कुछ नहीं कहा होगा।

वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा, "मैंने उनका बयान केवल कुछ मीडिया चैनलों में प्रकाशित खबरों के जरिए देखा है। मैं यह ठीक-ठीक नहीं सुन पाया हूं कि उन्होंने क्या कहा था।"

उन्होंने कहा कि थरूर को अपने बयान पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, "भले ही कांग्रेस के सदस्य हमेशा पार्टी की व्यवस्था या अनुशासन का पूरी तरह पालन न करें, लेकिन हमें ऐसे बयान देने से बचना चाहिए, जिनका मकसद केवल भाजपा को खुश करना हो।"

वेणुगोपाल ने कहा, "अगर कोई राहुल गांधी में गलती निकालेगा है या उनके बारे में दो नकारात्मक बातें कहेगा है तो भाजपा बहुत खुश होगी। इससे उसे सबसे ज्यादा खुशी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि थरूर ने यह टिप्पणी जानबूझकर की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरक्षण में क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को राहत नहीं दी

नई दिल्ली, 02 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण में क्रीमी लेयर के मामले में केन्द्र सरकार को कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर अपने पुराने आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी पक्षों को 17 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

- केन्द्र सरकार ने 11 मार्च के फैसले को लागू करने के लिये दो साल का समय मांगा था।

केन्द्र सरकार ने क्रीमी लेयर मामले में उच्चतम न्यायालय से 11 मार्च के फैसले को पिछली तारीख से लागू न करने और इसे लागू करने के लिए दो साल का समय देने की मांग की है। केन्द्र सरकार का कहना है कि इस फैसले का असर सरकारी नौकरियों, सर्विस और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिटायर्ड एयर मार्शल जीतेन्द्र मिश्रा, राम मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ बने

सीईओ पद के लिए 5,585 आवेदन मिले थे, इनमें से मिश्रा सर्वाधिक योग्य उम्मीदवार पाए गए

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जीतेंद्र मिश्रा को 5,000 से अधिक आवेदकों की लंबी सूची में से राम मंदिर ट्रस्ट का पहला चीफ एगज़ीक्युटिव ऑफिसर (सीईओ) चुना गया है। मंदिर ट्रस्ट ने 2 सितंबर को उनकी नियुक्ति की घोषणा की।

पूर्व अधिकारी ने भारतीय वायुसेना में कई महत्वपूर्ण कमान संभाली हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख थे। अब उनके सामने मंदिर के प्रबंधन और वित्तीय जवाबदेही की व्यवस्था को मजबूत बनाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। मिश्रा देवरिया जिले के रहने वाले हैं और इंटीग्रेटेड डिफैंस स्टाफ (ऑपरेशन्स) के उप प्रमुख भी थे।

एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) मिश्रा दिसंबर 1986 में लड़ाकू पायलट के रूप में भारतीय वायुसेना में कमीशन हुए थे। मई 2026 में 38 वर्ष से अधिक की सेवा के बाद वे सेवानिवृत्त हुए। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे; एयर फोर्स टेस्ट पायलट्स स्कूल, बेंगलुरु; एयर कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, अमेरिका तथा रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, ब्रिटेन के पूर्व छात्र रहे हैं।

अयोध्या में दान चोरी के विवाद के बाद राम मंदिर ट्रस्ट में किए गए संरचनात्मक बदलावों का हिस्सा मिश्रा की नियुक्ति भी है। ट्रस्ट में तीन नए सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या के मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के महेश भगचंदा और शिकोहाबाद की निर्मला यादव शामिल हैं।

- ट्रस्ट की बैठक में मिश्रा को सीईओ बनाने का फैसला किया गया। साथ ही अब तक कोषाध्यक्ष रहे गोविंद गिरी को ट्रस्ट का महासचिव बनाया गया है और दिल्ली के महेश भागचंदा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- एयर मार्शल, दिसंबर 1986 में फाइटर पायलट के रूप में वायु सेना में शामिल हुए थे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वे भारतीय वायु सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख थे। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले मिश्रा इंटीग्रेटेड डिफैंस स्टाफ के उपप्रमुख भी रह चुके हैं।

सीईओ पद के लिए ट्रस्ट को कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए थे।

सर्च पैनल की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली ने की। इसमें सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी और पूर्व वैज्ञानिक सुरेश हवारे भी शामिल थे।

आवेदकों का मूल्यांकन 600 अंकों की प्रक्रिया के तहत किया गया। अंतिम 16 उम्मीदवारों के साक्षात्कार 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में लिए गए।

ट्रस्ट के एक अधिकारी ने बताया कि "तीन अत्यंत योग्य एवं प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स" की सिफारिश की गई थी। उम्मीदवारों का मूल्यांकन संस्थागत नेतृत्व, प्रबंधन विशेषज्ञता, ईमानदारी और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय महत्व की संस्था का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक दृष्टिकोण जैसे मानकों पर किया गया।

प्रोफेशनल्स की नियुक्ति उन उपायों में से एक है, जिनके जरिए मंदिर ट्रस्ट लोगों का विश्वास दोबारा हासिल करना चाहता है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा पहले ही इस बात पर जोर दे चुके थे कि दुनिया की सबसे चर्चित मंदिर परियोजना के लिए पूर्णकालिक सीईओ का होना प्रोफोशनल प्रशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

यह फैसला ट्रस्ट की बैठक में लिया गया, जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, स्वामी कमलनयन दास, अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन, ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास और कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। नए फैसले के तहत कोषाध्यक्ष गोविंदगिरी को ट्रस्ट का महासचिव बनाया गया है तथा महेश भागचंदा नए कोषाध्यक्ष हैं।

ट्रस्ट के अनुसार, सीईओ की जिम्मेदारी संस्था के स्वरूप और आकार के अनुरूप प्रणालियां, प्रक्रियाएं और संचालन व्यवस्था विकसित करना तथा संस्था के उद्देश्यों, प्रकृति और आकार के अनुरूप संगठनात्मक ढांचे का निर्माण और उसे मजबूत करने की होगी।

पूर्व वायुसेना अधिकारी मिश्रा इन सभी मानकों पर खरे उतरे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पीजी में दुबारा परीक्षा देने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली, 02 सितंबर। उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर नीट पीजी के 2,445 अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा कराने के फैसले को चुनौती दी गई है। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष याचिका को मेंशन करते हुए कहा गया कि इन अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने का फैसला उच्चतम न्यायालय के पहले के आदेश का उल्लंघन है।

- अदालत ने नीट के अन्य मामलों की सुनवाई कर रही बेंच के सामने मेंशन करने की सलाह दी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की। तब कोर्ट ने कहा कि इससे जुड़े मामले पर जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच सुनवाई कर रही है, इसलिए इस मामले को उसी बेंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

सार-समाचार

रूठों को मनाने में जुटे पार्टी नेता

अलवर। आज की रात सनम नींद नही आएगी हम तो जागेगे पर सनम यानि वार्डो में खडे निर्दलीय प्रत्याशियों का दरवाजा खटखटाएगे। नगर निगम फार्म स्कूरटनी के बाद सामने नाम आने के बाद भाजपा और कांठोस प्रत्याशियों ने निर्दलीय प्रत्याशियों को अपने पक्ष में बैठाने की कवायद तेज कर दी है दोनो ही पार्टिया जानती है कि इस बार चुनाव जीतना कोई सादाहण बात नही है पार्टी के बागी प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव लडकर उनका समीकरण बिगाडने में लगे है वही अनेको निर्दलीय प्रत्याशी है जो सर्व समाज के निर्णय के बाद चुनाव मैदान में ऐसे में इस बार दोनों ही पाटियों को लिए चुनाव की डगर बढी कठिन होने वाली है। मंगलवार को स्कूरटनी के बाद वार्डो में प्रत्याशियों की संख्या तय हो चुकी है 65 वार्डो में कांठोस और भाजपा के मिला कर कुल चौसठ प्रत्याशी मैदान में है। कुल 446 प्रत्याषी चुनाव की शोभा बढाने वाले है इनमें काफी संख्या में वो निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल है जिन्होंने पार्टियों से टिकट मांगा लेकिन उन्हें नही मिला अपनी जन सेवा और आम जनता की राय से वे चुनाव जीतने की उम्मीद में चुनाव मैदान में डटे है लेकिन कब तक ये डट पाएगे क्योंकि पार्टियों और राजनीति का मोह लग जता है वह आसानी से नही छूटता ये वो भी जानते है कि अगर बागी बनकर चुनाव लडा तो जीत गए तो पार्टी गले लगा लेगी और हार गए तो अब तक पार्टी में कमाई इज्जत मिट्टी में मिल जाएगी इसके लिए वे अब घर बैठ कर पार्टी के उन नेताओं का इन्तजार करने में लगे है जो रात तक उनके निवास पर पहुंचेगे या फिर कल तक पहुंच ही जाएगे और उन्हें नाम वापिस लेने के लिए साम,दाम,दण्ड भेद की नीति से मजबूर करेगे। जो मान गए वो पार्टी के लिए फिर से पांच साल दरी बिछाने और जिन्दाबाद का नारा लगाते हुए फिर टिकट का इंतजार करेगा। और जो पार्टी नेताओं को उनकी औकात दिखाते हुए अपने काम के बूते पर चुनाव लडेगा वह एक लीडर बन कर उभर सकता है। इधर इस बार दोनो ही पार्टियों के लिए निर्दलीय प्रत्याशी सिरदर्द बने है इसके पीछे है सामान्य वार्ड के वे प्रत्याषी जिनके वार्ड से पार्टियों ने अन्य जाति के प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है पार्टिया भी जानती है कि यूजीसी का मामला और जन्तर मंतर का धरना उन्हें इस चुनाव में बोर्ड बनाने से रोक सकता है इसके लिए पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों को टारगेट दे दिया है कि किसी भी कीमत पर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में उनके वार्ड से ना उतरे चाहे उसके लिए प्रत्याशियो को कुछ भी नीति अपनानी पडे यह भय भाजपा में ज्यादा देखा जा रहा है। भाजपा के लिए आज की रात कत्ल की रात साबित होने वाली है। यहां सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 65 वार्डो में अनेको ऐसे निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में है जिनका मुख्य मकसद है प्रत्याशी के पक्ष में बैठ कर मोटी रकम वसूल करना ।

दो लीटर अवैध हथकड शराब जब्त

निवाई। पुलिस ने अवैध शराब व मादक पदार्थ की रोकथाम को लेकर कार्रवाई करते हुए दो लीटर अवैध हथकड शराब जब्त करके एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के निर्देशन में अवैध शराब व मादक पदार्थ की रोकथाम को लेकर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन रोड़ महावीर वाटिका के सामने से आरोपी लक्ष्मण पुत्र मांगीलाल बावरिया निवासी तालाब के पास गोनेर थाना शिवदासपुरा जयपुर को गिरफ्तार करके उससे दो लीटर अवैध हथकड शराब जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध एक्साइज एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है।

नगर परिषद व पालिका में नामांकन वापसी के प्रथम दिन 69 नामांकन वापस

खैरथल । नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत नामांकन पत्रों की वापसी की प्रक्रिया के प्रथम दिन जिले की विभिन्न नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं में अभ्यर्थियों द्वारा कुल 69 नामांकन पत्र वापस लिए गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन वापस 3 सितंबर दोपहर 3:00 बजे तक लिए जाएंगे। इसके पश्चात 4 सितंबर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। नगर परिषद भिवाड़ी में सर्वाधिक 39 नामांकन वापस लिए गए। इसके अलावा नगर परिषद तिजारा में 12, नगर परिषद खैरथल में 4, नगरपालिका मुंडावर में 1, नगरपालिका कोटकासिम में 1, नगरपालिका किशनगढ़–बास में 6 तथा नगरपालिका टपूकड़ा में 6 नामांकन पत्र वापस लिए गए। इस प्रकार जिले की कुल 7 नगर परिषद/नगरपालिकाओं के 230 वार्डों के लिए नामांकन वापसी के प्रथम दिन कुल 69 नामांकन पत्र वापस हुए। 274 नामांकन की जांच में छंटे 110, अब 164 प्रत्याशी मैदान में; 3 सितंबर को तस्वीर होगी पूरी साफ

छौरिया बालाजी का लक्खी मेला आज

निवाई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आराध्य वीर हनुमान बालाजी धाम छौरियां पर वार्षिक लक्खी मेले का 3 सितंबर को आयोजन किया रहा है। श्रद्धालु संजय शर्मा ने बताया कि मेले को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा बाबा का अभिषेक करके बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। श्रद्धालु प्रेमप्रकाश शर्मा ने बताया कि मेले में कलाकारों द्वारा रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसको देखने के लिए दूरदराज के गांवों से हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है व सभी भक्तों व आने वाले श्रद्धालुओं से सभी व्यवस्थाओ मे सहयोग करने का आग्रह किया है।

कसाना प्रदेश मीडिया संयोजक बने

कोटपूतली । अखिल भारतीय गुर्जर महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद धाभाई ने संगठन का विस्तार करते हुये ग्राम सुन्दरपुरा, कोटपूतली निवासी सुबेसिंह कसाना को प्रदेश मीडिया संयोजक के पद पर नियुक्त किया है। उल्लेखनीय हैं कि कसाना द्वारा गुर्जर समाज के हित में किए गए निरंतर और सराहनीय कार्यों को देखते हुए महासभा ने उन पर यह भरोसा जताया है। इस नई और बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर समाज के प्रबुद्धजनों, शुभचिंतकों और महासभा के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुये उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने अवैध बजरी खनन मामले मे फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि वांछित आरोपियों के धरपकड अभियान को लेकर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अवैध बजरी खनन प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी रामेश्वर मीणा पुत्र ग्यारसीलाल मीणा निवासी प्रतापपुरा को गिरफ्तार किया है।

मेवात की बालिकाओं ने अफसरों से संवाद कर जाना मंत्र, लक्ष्य तय करो और आगे बढ़ो

25 गांवों की लीडर बालिकाओं ने किशनगढ़ बास के उपखंड अधिकारी सत्यवीर सिंह से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए।

■ एसडीएम सत्यवीर सिंह बोले- पढ़ी-लिखी महिला दो घरों को संभालती है, एसएचओ नेहा मीणा ने बताया पुलिस अफसर बनने का सफर

किशनगढ़ बास। अलवर मेवात शिक्षा एवं विकास संस्थान (एमिड) राजस्थान व ए जे डब्ल्यू एस फाउंडेशन द्वारा संचालित बेहतर कल के लिए पहल परियोजना के तहत बुधवार को किशोरी बालिकाओं का प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एमिड संस्थान के सचिव नूर मोहम्मद व मैनेजिंग डायरेक्टर शाहरुख नूर के निर्देशन में 25 गांवों की किशोरी लीडर बालिकाओं ने किशनगढ़ बास के उपखंड अधिकारी सत्यवीर सिंह व थाना अधिकारी नेहा मीणा से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में संस्था की डिप्टी डायरेक्टर आशा नारंग ने एमिड संस्था का विस्तार से परिचय दिया।

संवाद के दौरान लीडर बालिकाओं ने बताया कि एमिड के सहयोग से उनमें लीडरशिप के गुण विकसित हुए हैं। संस्था उन बालिकाओं को जो शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित हैं, उन्हें राजस्थान स्टेट ओपन बोर्ड के माध्यम से 10वीं-12वीं करवा रही है। गांव-गांव में बालिका शिक्षा केन्द्र खोले गए हैं, छात्रवृत्ति दिलाई जा रही है और जीवन कौशल सत्रों के माध्यम से शारीरिक व मानसिक बदलावों को समझने में मदद की जा रही है। इस दौरान उपखंड अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बालिकाओं के अनुभव सुनकर कहा कि एमिड मेवात में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही आगे बढ़ा जा सकता है। पढ़-लिखकर महिला स्वावलंबी बनती है तो दो घरों को संभालती है। अपना लक्ष्य तय करो और उसे प्राप्त करो। उन्होंने ने कहा आज डिजिटल युग है, शिक्षित होने पर दुनिया में कहीं भी आ-जा सकते हो।

इसके उपरांत थाना अधिकारी नेहा मीणा ने मिलने पर बालिकाओं को कहा कि मेवात इलाका अन्य कारणों से जाना जाता है, लेकिन एमिड यहां 5-8 साल से पढ़ाई से दूर रही बालिकाओं को दोबारा शिक्षा से जोड़कर उनमें पढ़ाई का जज्बा पैदा कर रही है, यह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि आज संघर्ष करोगे तो आने वाले समय में आपके बच्चों को संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। पढ़ोगे तो बाल विवाह जैसी कुरीतियों में सुधार होगा। एक बालिका के सवाल पर कि आप यहां तक कैसे पहुंची, इस पर एसएचओ नेहा मीणा ने आरपीएससी की तैयारी, प्री-मेन्स और साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। दोनों अधिकारियों ने बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। इस अवसर पर जुमर खान, हारून खान, पिंकी सहित संस्था के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

‘अलवर में जनता को पानी, बिजली व सड़क नहीं, सिर्फ सनातन धर्म देखना है’

अलवर । राजस्थानी में एक पुरानी कहावत है कि मन में आवें मूंड हिलावे,उनसे कहो मुझे लेने आवें वाली कहावत भाजपा से निष्काशित पूर्व रामगढ के विधायक ज्ञानदेव आहूजा के साथ चरितार्थ हो रही है उन्हें भाजपा ने झिडक कर बाहर का रास्ता दिखा दिया फिर भी वो भाजपा को अपनी मॉ कहते नही चूक रहे है जबकि अलवर के दोनो मंत्रियों की वो खिलाफत करते भी नही चूक रहे है अब भी भाजपा के प्रति वफादारी निभाते हुए उन्होंने वोटरो से अपील की है कि भाजपा को जिताए साथ ही उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में यह भी कहा कि अलवर वासियों को ना पानी चाहिए,ना बिजली चाहिए और ना ही सडक उन्हें सिर्फ सनातन चाहिए ज्ञानदेव आहूजा अपने निवास पर मीडिया को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। नगर निकाय चुनाव के बीच भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कांग्रेस का बोर्ड बनने की आशंका जताते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

आहूजा ने अपने निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अलवर की जनता को पानी, बिजली और सड़क के मुद्दे नहीं देखने हैं। केवल सनातन धर्म को देखकर भाजपा के कमल के फूल को खिलाना है। बाकी सब मुद्दे भौतिक सुख हैं, असली सुख सनातन धर्म है। आहूजा ने कहा कि राहुल गांधी दलितों का ठेकेदार बन रहा है। वह झूठ के ऊपर नकाब लगा रहे हैं।

‘शहर में सफाई ठेका 500 गुना बढ़ा, सफाई आधी भी नहीं’

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने नगर निकाय चुनाव में वार्ड 50 से रजनी सैनी और वार्ड 27 से पिंकी रानी कांठोस प्रत्याशियों की सभा को संबोधित करते हुए अलवर शहर की मौजूदा हालत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अलवर में किसी संसाधन की कमी नहीं है, लेकिन पिछले 3 साल में शहर की दशा खराब हुई है। जूली ने सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले तीन सालों में सफाई का ठेका 400-500 गुना बढ़ गया है, लेकिन सफाई आधी भी नहीं हो रही।

सती माताजी के मेले को लेकर बैठक

निवाई। गांव सीदड़ा में सती माता के विशाल मेले की तैयारियों को लेकर सती माताजी मंदिर समिति के तत्वावधान में समिति अध्यक्ष रतिराम मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें सती माता जी के भव्य मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

समिति सचिव रामलाल मीणा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 13 सितम्बर को भाद्रपद दोज को सती माता के विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारियां जोर शोर पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेले की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। मेले को लेकर 12 सितम्बर को मध्य रात्री को कनक दण्डवत यात्रा निकाली जाएगी। 13 सितम्बर को विशेष फूलों से माताजी की झांकी सजाई जाएगी। मेले में मटलाणा व नयागांव से विशाल पदयात्रा पहुंचेगी। जहां पदयात्री मंदिर शिखर पर ध्वजा चढाकर सती माता से मन्नते करेंगे।

हत्या के आरोप से बाप-बेटे सहित देवर दोष मुक्त

■ सभी गवाहों के बयानों का परीक्षण करते हुए फैसले में लिखा कि महत्वपूर्ण गवाहों ने घटना की पूर्णतया ताईद नहीं की

सांभरझील । यहां अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या दो इंदू उज्ज्वल ने 2017 के बहुचर्चित मोनू नायक की हत्या के आरोप से पति, पुत्र व देवर को दोषमुक्त कर दिया। इस मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी गवाहों के बयानों का सूक्ष्म परीक्षण करते हुए फैसले में लिखा कि महत्वपूर्ण गवाहों ने घटना की पूर्णतया ताईद नहीं की तथा आरोपियों की पहचान परेड, पुलिस अनुसंधान व जप्तियां, नक्शा मौका सहित महत्वपूर्ण परिस्थितियों के संबंध में अभियोजन पक्ष अपराध को संदेश से परे प्रमाणित करने में असफल रहा है। आरोपियों की तरफ से अधिवक्ता रतनलाल चौधरी व सतीश गुर्जर ने प्रभावी पैरवी करते हुए अभियोजन साक्ष्यों की प्रत्येक महत्वपूर्ण कमियों को न्यायालय को बताया तथा आरोपियों को दोष मुक्त किए जाने की दलीलें पेश की। न्यायालय ने अभियोजन के मामले को संदेह से परे प्रमाणित नहीं मानते आरोपी लालाराम पुत्र स्व. भींवाराम नायक, उम्र 45 साल, निवासी प्लॉट नंबर-152 ए, श्रीजी नगर, रामपुरा रोड, सांगानेर, पुलिस थाना मुहाना मण्डी, जिला जयपुर, जगदीश प्रसाद पुत्र स्व भींवाराम नायक, उम्र 26 साल, निवासी प्लॉट नंबर 130 ए, गोविन्द नंबर, रामपुरा रोड़, सांगानेर, पुलिस थाना मुहाना मण्डी, जिला जयपुर व लेखराज नायक उर्फ लक्की, उम्र 19 साल, निवासी प्लॉट नंबर-152 ए, श्रीजी नंबर रामपुरा रोड़, सांगानेर, पुलिस थाना मुहाना मण्डी, जिला जयपुर को संदेह का लाभ प्रदान करते हुए हत्या के आरोप से दोष मुक्त कर दिया।

उर्स वार्षिक कूल की रस्म के साथ सम्पन्न

मनोहरपुर । हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत अल मशरूफ मारूफ सैय्यद जुल्फिकार अली शाह साहब रह. (घाटी वाले बाबा) का 3 दिवसीय सालाना उर्स कूल कि रस्म के साथ में विधिवत सम्पन्न हो गया है। दरगाह के मुतवल्ली व सज्जादा नशीन मो. यूनुस खान चिश्ती और नायब मुतवल्ली मसनद नशीन मो. सरफराज चिश्ती साबरी ने बताया कि 31 अगस्त 2026 बरोज़ सोमवार की रात इशा बाद मीलाद शरीफ हुई जिसमे ख़ुदा के हुकम व मुहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही गई। इसी प्रकार 1 सितंबर 2026 बरोज़ मंगलवार की रात इशा बाद चादर पेश की गई व महफिले समां हुई जिसमे बाबा की मान मनुहार की गई। इसी प्रकार 2 सितंबर 2026 बरोज़ बुधवार फजर नमाज़ के बाद कुरान ख्वानी हुई इसके बाद में सुबह 10 बजे फातहा कुल की रस्म व लंगर हुआ उल्लेखनीय है कि इस दरगाह पर हर मजहब के लोग आकर अपनी मुरादें मांगते हैं।

लक्षित प्रकरणों के विरोध में 6 दिनों तक न्यायिक कार्य स्थगित

■ 01 से 06 सितम्बर तक न्यायिक कार्यो से पूर्णतः विरत रहने का निर्णय लिया

छह दिवसीय हड़ताल के दौरान क्षेत्र के सभी न्यायालयों में न्यायिक कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा।

कोटपूतली । लक्षित प्रकरणों (टार्गेटेड केसेज) की कार्ययोजना फेज छह के विरोध में जिला अभिभाषक संघ कोटपूतली के अधिवक्ताओं ने सचिव मुकेश कुमार यादव के नेतृत्व में 01 से 06 सितम्बर तक न्यायिक कार्यों से पूर्णत: विरत रहने का निर्णय लिया है। संघ के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अधीनस्थ न्यायालयों में न्याय की गुणवत्ता की अनदेखी और केवल संख्यात्मक निस्तारण की प्रतिस्पर्धात्मक कार्यशैली पर गहरी चिंता जताई है। इस छह दिवसीय हड़ताल के दौरान क्षेत्र के सभी न्यायालयों में न्यायिक कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा और वकीलों ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए अपने बस्ते ना लगाने का आव्हान किया है। मामले की विस्तृत पृष्ठभूमि साझा करते हुए जिला अभिभाषक संघ के सचिव मुकेश कुमार यादव ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा जारी पत्रांक 1809 दिनांक 11 अगस्त 2026 के जरिए अधीनस्थ न्यायालयों में टार्गेटेड केसेज (फेज-) के निस्तारण की एक नई कार्ययोजना लागू की गई है। शुरुआत में इस योजना का मुख्य उद्देश्य 20 वर्ष या उससे अधिक समय से लंबित बेहद पुराने प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करना था। हालांकि वर्तमान में इस कार्ययोजना के दायरे को बढ़ाकर इसमें 05 वर्ष से भी कम पुराने मुकदमों को जबरन शामिल किया जा रहा है। अधिवक्ताओं का तर्क है कि इस नीति के कारण अधीनस्थ न्यायालयों में न्याय की मूल भावना और गुणवत्ता को पूरी तरह भुला दिया गया है। वर्तमान में केवल मुकदमों की संख्या के आधार पर रिकॉर्ड संख्यात्मक निस्तारण करने की एक अंधी होड़ और प्रतिस्पर्धात्मक कार्यशैली चल रही है। इस दबावपूर्ण माहौल में न्याय प्रणाली के आवश्यक वैधानिक और आधारभूत मानदंडों की सरेआम अनदेखी की जा रही है, जो समठा न्याय व्यवस्था के बुनियादी ढ्रांचे के लिए कतई उचित नहीं है।

87 नामांकन खारिज

लालसोट । नगर परिषद चुनाव को लेकर मंगलवार, 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो गई। उपखंड कार्यालय में निर्वाचन अधिकारी विजेंद्र कुमार मीणा की मौजूदगी में प्रत्याशियों द्वारा दाखिल नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के बाद कुल 274 नामांकन पत्रों में से 164 स्वीकार किए गए, 87 खारिज हुए, जबकि 23 नामांकन पत्रों का मर्ज किया गया। जांच प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। नामांकन पत्रों की छंटनी के साथ ही अब चुनावी मैदान में मौजूद प्रत्याशियों की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। लालसोट नगर परिषद के 35 वार्डों में अब 164 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं।

हालांकि 3 सितंबर नाम वापसी की अंतिम तारीख है। ऐसे में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की नजरें अब नाम वापसी पर टिकी हैं। नाम वापसी के बाद ही यह पूरी तरह स्पष्ट होगा कि किस वार्ड में कौन-कौन आमने-सामने है और कहां मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय बन रहा है। नामांकन जांच के बाद अब राजनीतिक दलों में मान-मनुहार, समीकरण साधने और बागियों को मनाने का दौर तेज होने की संभावना है।

सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रोजेक्ट "Jagdish Homes-II", स्थित P.N. 5, Hanuman Vatika, A-7, Saligrampura, Jaipur,RERA REG. NO. RAJ/P/2019/1127 है। उक्त प्रोजेक्ट में CMJY योजना के अंतर्गत प्रस्तावित EWS / LIG फ्लैट्स अब मूल प्रोजेक्ट पर भी दिए / निर्मित किए जाने का प्रस्ताव है। इसी कारण उक्त प्रोजेक्ट के वर्तमान RERA पंजीयन को (रद्द / निरस्त) करवाने हेतु राजस्थान RERA प्राधिकरण के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि उक्त प्रोजेक्ट अथवा प्रस्तावित कार्यवाही के संबंध में किसी व्यक्ति, हितधारक को कोई आपत्ति, तो वे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु निम्न पते पर संपर्क कर सकते हैं। मोजिका ग्रुप 401, खंडेला हाउस, झोटवाड़ा रोड, चांदपोल, जयपुर, राजस्थान

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अशोक बिलाला पुत्र स्व. श्री नगेन्द्र कुमार बिलाला, निवासी- मकान नम्बर 1813, हल्दियो का रास्ता, बंजी ठोलियो की धर्मशाला के पास, जौहरी बाजार, जयपुर का है तथा उक्त सम्पत्ति मेरे अभिभाष्य के पूर्वजो के समय की है जिसका मेरा अभिभाष्य उपयोग उपभोग कर रहा है तथा मेरे अभिभाष्य के दो पुत्रियां श्वेता बिलाला व सुरभि बिलाला है जो मेरे अभिभाष्य के कहने व सुनने में नही है। भविष्य में कोई भी व्यक्ति, संस्था उक्त पुत्रियो से उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी का संव्यवहार करेगा या गिरवी, विक्रय, बेचान इकरारनामा, किराये पर लेती है तो उसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य इस हेतु जिम्मेदार नही होगा। सूचित रहे। जयपुर दिनांक:2.9.2026 (रामदेव सिंह गुर्जर) एडवोकेट मो.न.- 8432499466

नाम परिवर्तन मैं Pappu Lal Sharma S/o बद्री लाल शर्मा निवासी सुरजपुरा तहःनिवाई जिला टोंक शपथ पूर्वक बयान हू कि मेरी पुत्री Harshita Sharma की 8वी की अंक तालिका व प्रमाण पत्र में भूलवश मेरा नाम Pappu Lal Sahrma दर्ज हो गया जबकि मेरे व मेरी पुत्री के इसके अलावा सभी दस्तावेजों मे मेरा नाम Pappu Lal Sharma दर्ज है। जो सही है अतः मेरी पुत्री के सभी दस्तावेजों में मुझे इसी नाम को सही करके इसी नाम से जाना जाए।

उत्तर पश्चिम रेलवे
सं. ईएल/118/रेवेन्यू–01आर/2026–27/ डब्ल्यू 6/टीएफ दिनांकः 01.09.2026
खुली ई–निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। क्र सं. 1, एनआईटी संख्याः ईल/जेपी/रेवेन्यू 01आर/2026–27, कार्य का नामः Comprehensive maintenance contract for 04 Nos. Escalators at PF-1 & 3 at Durgapura Railway Station Jaipur for a period of Three years- (M/s Johnson Make Escalator, Single tender for OEM only), अनुमानित लागतः 27,62,074.08, बयाना राशिः 55,300/–, निविदा खोलने की तिथिः 23.09.2026, नोटः ई–निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समयः निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद, सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता http://www.ireps.gov.in 1279-PH/26
हमें /NWRailways @NWRailways_ पर फॉलो करें

संशोधित सार्वजनिक सूचना
न्यायालय : सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, उत्तर, जयपुर महानगर, द्वितीय, जयपुर
लक्ष्मण सिंह व अन्य
बनाम
सत्यनारायण मिश्रा व अन्य
वाद : प्रतिनिधित्व वाद अंतर्गत आदेश-1 नियम-8 CPC, सम्पत्तिः म्युनिसिपल नं. 3746, नाहरगढ़ रोड, चौकड़ी पुरानी बस्ती, जयपुर।
उक्त वाद में पूर्व सूचना दिनांक 02.09.2026 को प्रकाशित हुई थी जिसमें भूलवश पेशी दिनांक 02.07.2026 अंकित हो गया।
अब संशोधित पेशी दिनांक 07.09.2026 प्रातः 10:30 बजे है। यदि कोई व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो उक्त तिथि को इस न्यायालय में उपस्थित होवे। पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। शेष यथावत।
(मोहर) आदेशानुसार
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, उत्तर जयपुर महानगर द्वितीय।

नाम परिवर्तन

मैं, वरुनीरज मौदगिल, पुत्र श्री नीरज मौदगिल, निवासी 88, लोटस रेसीडेंसी, वैभव विला, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान) - 302029, अपना नाम वरुनीरज मौदगिल से बदलकर वरु एन मौदगिल कर रहा हूँ। भविष्य में सभी कार्यों के लिए मुझे वरु एन मौदगिल के नाम से ही जाना जाएगा।

मैंने अपना नाम अशोक कुमार रारा से बदलकर अशोक रारा पुत्र कन्हैयालाल रारा रख लिया! अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे A-402, त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास जयपुर

मैं, मनोज वाधवानी, निवासी 356, रायाजी का घेर, जयपुर, एतद्द्वारा सूचित करता हूँ कि मेरे नाम की वर्तनी Manoj Vadhwani से Manoj Wadhwani तथा मेरे पुत्र के नाम की वर्तनी Mukesh Vadhwani से Mukesh Wadhwani संशोधित की गई है। भविष्य में सभी कार्यों एवं प्रयोजनों हेतु उक्त संशोधित नाम ही मान्य होंगे।

मै अब्दुल हमीद निवासी-23तीर्थ नगर, जयसिंहपुरा खोर जयपुर ने अपने पुत्र मजीद खान के दस्तावेजों में अपना नाम कालू खान से बदलकर अब्दुल हमीद कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे

मैंने अपनी पुत्री का नाम किआरा (KIARA) से बदलकर किआरा सैनी (KIARA SAINI) रख लिया है। भविष्य में उसे किआरा सैनी (KIARA SAINI) पुत्री हर्ष सैनी (HARSH SAINI) के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासीः 2-A-67, शिव शक्ति कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर 302016 (राजस्थान)

I have changed my name from Abala Bai Meena to Abla Bai Meena for all purpose in future. R/o Leeloti Vajeda, Karauli, Rajasthan- 322234

I, Pradeep Pulickal Ravindran, also known as Pradeep Ravindran Pulickal, Pradeep Polickal Ravindran, P. R. Pradeep, And Pradeep Pulickal Ravindran, hereby declare that all these names refer to one and the same person. Henceforth, I shall be known as Pradeep P. R. for all legal and future purposes.

I have changed my name from Deepak Lokram Goyal to Deepak Goyal for all future purposes. Address- 6/94, Sector-6, SFS, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

I have changed my name from Puja Shanker Chandra to Puja Shanker W/o Saurabh Chandra for all purpose. Resi.:- Plot No. 14, S-23, Unique Shardool, Second Floor, near J.K. Lon Hospital, Chetak Marg, Gangwal Park, Jaipur.

I have changed my son's name from Shreshtha to Shreshth S/o Rajesh Koolwal he is to be known by this name henceforth. Address: RC-79, Narayan Vihar, Mansarovar, Jaipur.

I army no 2868792X Ex Hav mool Singh resident of 189-C Amar nagar-C khirni phatak khatipura jaipur that i want to change name of my spouse LAD KUNWAR to LAD KANWAR vide affidavit dated 1 sep 2026 before add. collector & addl. majistrate jaipur city north

भामाशाह सम्मान समारोह स्थगित

कोटपूतली। यादव महासभा समिति द्वारा आगामी 04 सितंबर को आयोजित होने वाला भव्य प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। समिति ने यह निर्णय क्षेत्र में लागू चुनावी आचार संहिता के मद्देनजर लिया है। यादव महासभा समिति के अध्यक्ष रामावतार यादव (गुरुजी) ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर 04 सितंबर को पूर्व प्रस्तावित प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना था।

नम्बर मिलाइए 8890333139

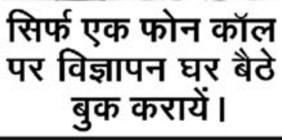

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका निकाय चुनाव में सियासी संग्राम तेज

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव को लेकर क्षेत्र में सियासी सरगर्मी अब चरम पर पहुंचने लगी है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और प्रत्याशियों की तस्वीर साफ होने के साथ ही चुनावी मैदान में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। भाजपा और कांठोस ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों के साथ चुनावी मोर्चा संभाल लिया है, वहीं टिकट की दौड़ में पिछड़ने वाले दावेदारों और स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले निर्दलीयों व आरएलपी पार्टी ने दोनों प्रमुख दलों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

इस बार चुनावी तस्वीर केवल भाजपा बनाम कांठोस तक सीमित नजर नहीं आ रही। कई वार्डों में निर्दलीय व आरएलपी प्रत्याशियों की मजबूत मौजूदगी ने मुकाबले को त्रिकोणीय और कहीं-कहीं बहुकोणीय बना दिया है। ऐसे में पार्टी प्रत्याशियों के लिए अपने ही क्षेत्र में बागियों और असंतुष्ट दावेदारों को साधना बड़ी चुनौती बन गया है। टिकट वितरण के बाद कई वार्डों में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदले हैं। जिन दावेदारों को पार्टी का टिकट नहीं मिला, उनमें से कुछ ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। भाजपा के सामने चुनौती संगठन के पारंपरिक वोट बैंक को एकजुट रखने के साथ-साथ असंतुष्ट कार्यकर्ताओं और बागी प्रत्याशियों के प्रभाव को रोकने की है। वहीं कांठोस के सामने भी यही चुनौती है कि उसके परंपरागत मतदाताओं के बीच निर्दलीय प्रत्याशी सेंधमारी न कर पाएं। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के कई वार्डों में मुकाबला अब सीधे दो दलों के बीच नहीं रह गया है। भाजपा और कांठोस प्रत्याशियों के बीच निर्दलीय, आरएलपी प्रत्याशी भी पूरी ताकत से ताल ठोक रहे हैं। निर्दलीय प्रत्याशी पार्टी के बजाय व्यक्तिगत पहचान, स्थानीय संपर्क और वार्ड की समस्याओं को चुनावी हथियार बना रहे हैं। यही वजह है कि कुछ वार्डों में मुकाबला बेहद कांटे का दिखाई देने लगा है। चुनावी माहौल को देखते हुए मतदाताओं का रुझान भी इस बार दिलचस्प माना जा रहा है। स्थानीय स्तर के चुनाव में मतदाता पार्टी के साथ-साथ प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि, व्यवहार, जनसंपर्क और वार्ड में सक्रियता को भी तवज्जो दे सकते है। नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने प्रचार अभियान को पूरी रफ्तार दे दी है। सुबह से देर रात तक वार्डों में डोर-टू-डोर जनसंपर्क, नुक्कड़ बैठकें, चौपालें और छोटी-बड़ी सभाएं देखने को मिल रही हैं।

भाजपा प्रत्याशी संगठन की ताकत के साथ मतदाताओं तक पहुंच बना रहे हैं तो कांठोस उम्मीदवार अपने समर्थकों के साथ विकास और स्थानीय मुद्दों को लेकर मैदान में हैं। दूसरी ओर निर्दलीय व आरएलपी प्रत्याशी सीधे मतदाताओं के बीच पहुंचकर ‘पार्टी नहीं, व्यक्ति और काम’ को अपना आधार बना रहे हैं। इस चुनाव में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पार्टी का मजबूत संगठन निर्दलीयों की चुनौती को रोक पाएगा।

निष्पक्ष व भयमुक्त चुनाव के लिए पुलिस ने फ्लैगमार्च निकाला

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में मंगलवार को देर सायं नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए जिलेभर में जिला पुलिस की व्यापक तैयारियो के साथ सभी नगर निकायी क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैगमार्च निकाला गया। जिसका उद्देश्य आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए एवं क्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था संबंधी तैयारियां के लिए बताया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनाव के दौरान आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिलेभर में पुलिस बल को पूरी तरह मुस्तैद किया गया है। चुनाव के मद्देनजर पुलिस द्वारा मुख्य बाजारों, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों, मतदान केन्द्रों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च, पैदल गश्त एवं नियमित वाहन गश्त की जा रही है, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे तथा असामाजिक तत्वों में कानून का भय कायम रहे। इसके साथ ही पूर्व में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले, चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की संभावना वाले तथा संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। वही चुनाव के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली भ्रामक, अफवाहजनक अथवा आपत्तिजनक सामग्री पर भी जिला पुलिस द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है। नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए मतदान केन्द्रों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पुलिस की त्वरित व्यवस्था को भी सक्रिय रखा गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुरेश चंद यादव पुत्र** जगदीश प्रसाद यादव **निवासी** वीपीओ ठिकरिया, तहसील–जयपुर, जिला–जयपुर, राजस्थान, ने **FIR No. 935/2022, U/S 279/304A IPC, पुलिस स्टेशन नांगलोई, बाहरी ज़िला, दिल्ली**, के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेश चंद यादव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेश चंद यादव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 935/2022, U/S 279/304A IPC, पुलिस स्टेशन नांगलोई, बाहरी ज़िला, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त **सुरेश चंद यादव** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।
आदेशानुसार
सुश्री रेनू
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–10, (पश्चिम), कोर्ट नं0–345, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/12411/OD/2026
(Court Matter)

फर्जी निदेशक बनकर कंपनी से 6.80 करोड़ रुपए ठगने वाले चार साइबर ठग गिरफ्तार

साइबर पुलिस ने 3.50 करोड़ रुपए होल्ड कराए, सिंगापुर-हांगकांग तक जुड़े तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कंपनी के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाकर व्हाट्सऐप वेब पर फर्जी निदेशक बनकर 6.80 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का राजस्थान पुलिस की केंद्रीय साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन टीम ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों मयंक कसौटिया, बृजमोहन द्रोण उर्फ लक्की निवासी जयपुर, समानाराम निवासी कुचामन और मोहित यादव उर्फ मोती निवासी सीकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी की रकम में से करीब 3.50 करोड़ रुपए विभिन्न बैंक खातों में होल्ड करवाए गए हैं। राशि वापस दिलाने की कार्रवाई जारी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर अपराध विजय कुमार सिंह ने बताया कि जयपुर स्थित एक निजी कंपनी के अकाउंटेंट ने 25 अगस्त को केंद्रीय साइबर अपराध पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 24 अगस्त को साइबर ठगों ने कंपनी के कंप्यूटर में मौजूद तकनीकी खामी का फायदा उठाकर व्हाट्सऐप तक पहुंच बनाई। इसके बाद कंपनी के निदेशक के नाम और प्रोफाइल फोटो का इस्तेमाल कर अकाउंटेंट को संदेश भेजे और तत्काल आरटीजीएस से भुगतान करने के निर्देश दिए।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अकाउंटेंट के कंप्यूटर में व्हाट्सऐप की संपर्क सूची से वास्तविक निदेशक का नंबर हटाकर अपने नंबर को उसी नाम और प्रोफाइल फोटो के साथ जोड़ दिया। इसके बाद निदेशक और अकाउंटेंट के बीच पहले हुई बातचीत की नकल तैयार कर दी। इससे अकाउंटेंट को लगा कि वह वास्तविक निदेशक से ही बातचीत कर रहा है। ठगों के निर्देश पर कंपनी के खाते से 6.80 करोड़ रुपए तीन बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए गए।

मयंक कसौटिया, बृजमोहन द्रोण उर्फ लक्की, समानाराम, मोहित उर्फ मोती

ठगी की सूचना मिलते ही केंद्रीय साइबर अपराध पुलिस और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की टीम ने बैंकिंग लेन-देन पर तत्काल कार्रवाई शुरू की। संयुक्त प्रयासों से करीब 3.50 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में रुकवा लिए गए। पुलिस अब यह रकम पीड़ित कंपनी को वापस दिलाने की प्रक्रिया में जुटी है।

जांच में सामने आया कि गिरोह ठगी की रकम अपने खातों में रखने के बजाय दूसरे लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। खाते उपलब्ध कराने वालों को 10 से 15 हजार रुपए तक कमीशन दिया जाता था। रकम आने के बाद चेक, एटीएम, यूपीआई, नकद जमा मशीन, डिजिटल वॉलेट और अन्य बैंक खातों के जरिए कई स्तरों पर ट्रांसफर किया जाता था।

- **पुलिस अब इस जांच में जुटी है कि, ठगी की रकम किन-किन खातों में पहुंची, खातों के संचालक कौन हैं और विदेश में बैठे गिरोह के मुख्य संचालकों से आरोपियों के क्या संबंध हैं?**
- **पुलिस द्वारा व्हाट्सऐप चैट, कॉल डिटेल, मोबाइल से जुड़े तकनीकी रिकॉर्ड, इंटरनेट विवरण और बैंकिंग लेन-देन की पूरी धन-श्रृंखला का विश्लेषण किया जा रहा है। करीब 250 से अधिक बैंक खातों की जांच के साथ नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।**

प्रथम लाभार्थी तीन बैंक खातों से रकम करीब 250 अन्य बैंक खातों में पहुंचाई गई। इसके बाद रकम को अलग-अलग खातों, क्यूआर कोड और डिजिटल माध्यमों के जरिए घुमाकर उसके वास्तविक स्त्रोत को छिपाने का प्रयास किया गया। बाद में रकम को यूएसडीटी जैसी आभासी मुद्रा में बदलकर विदेश भेजे जाने के संकेत भी मिले है।

आरोपी टेलीग्राम के विभिन्न समूहों के माध्यम से बैंक खाते, एटीएम, सिम और पासबुक की व्यवस्था करते थे। जांच के अनुसार एक बैंक खाते की किट उपलब्ध कराने के लिए 10 से 15 हजार रुपए तक दिए जाते थे। ठगी की रकम खाते में आते ही उसे दूसरे खातों या डिजिटल माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था।

बैंक से मिले लेन-देन संबंधी आईपी पतों के विश्लेषण में ठगी के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार म्यूल बैंक खातों में रकम पहुंचने के बाद सिंगापुर और हांगकांग में बैठे गिरोह के मुख्य संचालकों ने इंटरनेट बैंकिंग के जरिए इसे विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया। इसके बाद रकम को कई स्तरों पर घुमाया गया। विदेश में बैठे मास्टरमाइंड से आरोपियों के संबंधों की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मयंक कसौटिया ने अपना बैंक खाता ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराया और रकम निकालकर अन्य आरोपियों तक पहुंचाई। बृजमोहन द्रोण ने बैंक खातों की व्यवस्था करने, रकम आगे पहुंचाने और उसे आभासी मुद्रा में बदलने के लिए समन्वय किया। समानाराम ने आभासी मुद्रा से जुडे लोगों से संपर्क कराने और रकम के हस्तांतरण में भूमिका निभाई। मोहित यादव भी बैंक खाते उपलब्ध कराने, रकम निकालने और आगे पहुंचाने में शामिल पाया गया।

पुलिस अब ठगी की रकम किन-किन खातों में पहुंची, खातों के संचालक कौन हैं और विदेश में बैठे गिरोह के मुख्य संचालकों से आरोपियों के क्या संबंध हैं, इसकी पडताल कर रही है। व्हाट्सऐप चैट, कॉल डिटेल, मोबाइल से जुडे तकनीकी रिकॉर्ड, इंटरनेट विवरण और बैंकिंग लेन-देन की पूरी धन-श्रृंखला का विश्लेषण किया जा रहा है। 250 से अधिक बैंक खातों की जांच के साथ नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया सभी 22 सीटों पर जीत का दावा

जयपुर कासं)। निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। उपमुख्यमंत्री एवं विद्याधर नगर विधायक दिया कुमारी ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों के प्रधान कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस दौरान विभिन्न वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का जोरदार स्वागत किया। निकाय चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वार्ड 9 की भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल, वार्ड 10 से युवा भाजपा प्रत्याशी पलक यादव, वार्ड 11 से प्रत्याशी शैलेंद्र शर्मा, वार्ड 1 से प्रत्याशी श्रवण बोहरा, वार्ड -13 से प्रत्याशी दीपक शर्मा, वार्ड -12 से प्रत्याशी राजेंद्र कारोडिया, वार्ड -4 से प्रत्याशी पिंकी विजय शर्मा, वार्ड -5 से प्रत्याशी नरेंद्र सिंह शेखावत, वार्ड -17 से प्रत्याशी सुमेर सिंह जोधा और वार्ड -21 से प्रत्याशी अजय सिंह चौहान के प्रधान कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे पूरी मेहनत और समर्पण के साथ चुनाव मैदान में जुट जाएं।

दिया कुमारी ने दावा किया कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र की सभी 22 सीटों पर भाजपा भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास के लक्ष्य को लेकर लगातार आगे बढ़ रही है। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान में विकास के कार्य निरंतर किए गए हैं और अब जनता भी विकास की इस दिशा को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता का विश्वास और समर्थन मिल रहा है। इसी विश्वास के आधार पर पार्टी निकाय चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि आगे भी जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास का सिलसिला इसी तरह जारी रहेगा। उपमुख्यमंत्री ने युवा प्रत्याशियों को चुनाव में मौका दिए जाने का जिक्र करते हुए युवा पीढ़ी से भी राजनीति और जनसेवा में आगे आने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र को और मजबूत करती है। साथ ही उन्होंने आमजन से अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। दिया कुमारी ने एक बार फिर विश्वास जताते हुए कहा कि विद्याधर नगर की 22 की 22 सीटों पर कमल का फूल खिलेगा और भाजपा के सभी प्रत्याशी भारी बहुमत के साथ जीत हासिल करेंगे।

विद्याधर नगर क्षेत्र के पार्षद प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंची उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दिया कुमारी का आमजन ने स्वागत किया।

पत्रकार कॉलोनी में बेकाबू कार ने कई वाहनों को टक्कर मारी

जयपुर। मानसरोवर के पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में बुधवार शाम तेज रफ्तार और बेकाबू कार ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। अचानक हुई घटना से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। कार की रफ्तार और चालक के बेकाबू तरीके से वाहन चलाने को देखकर मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। कई लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार घटना बुधवार शाम करीब 6:15 बजे गोल्यावास और वंदेमातरम रोड पर हुई। तेज रफ्तार कार ने रास्ते में आने वाले कई वाहनों को टक्कर मारी। इसके बाद नारायण विहार इलाके में भी कार द्वारा वाहनों को टक्कर मारने की सूचना सामने आई। एक ही कार के अलग-अलग इलाकों में वाहनों को टक्कर मारने से लोगों में भय का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चालक को तेज रफ्तार में वाहन चलाते देखकर कुछ लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि चालक ने लोगों को भी कार से टक्कर मारने की कोशिश की और वाहन लेकर तेजी से आगे निकल गया। घटनाक्रम के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पुलिस कार और उसके चालक के संबंध में जांच कर रही है। अलग-अलग स्थानों पर हुई टक्कर और कार के रूट की भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल हादसे में किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस चालक की पहचान और घटना की पूरी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

- **घटना के बाद से क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल, पुलिस कार चालक की तलाश में जुटी**

औषधि नियंत्रण टीम ने अगस्त में 478 दवा नमूनों की जांच की, 17 सैंपल अमानक मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण टीम द्वारा दवाओं की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है। अगस्त 2026 के दौरान बाजार में उपलब्ध दवाओं के 478 नमूने लेकर उनकी जांच की गई, इनमें से 17 नमूने अमानक पाए गए।

राठौड़ ने बताया कि जांच में बी-कॉम्प्लेक्स टेबलेट्स, कैल्शियम एवं विटामिन डी-3 टेबलेट्स, टेल्मिसार्टन एवं एम्लोडिपिन टेबलेट्स, बिलास्टाइन टेबलेट्स, अमॉक्सीसिलिन एवं पोटैशियम क्लावुलेनेट टेबलेट्स, ऑफ्लॉक्सासिन एवं ऑर्निडाजोल टेबलेट्स, ओंडानसेट्रॉन इंजेक्शन, डेक्सामेथासोन इंजेक्शन तथा बुपीवाकेन हाइड्रोक्लोराइड इन डेक्सट्रोज इंजेक्शन (बुपिकैन-हैवी) सहित 17 नमूने अमानक पाए गए। उन्होंने बताया कि एनएसक्यू पाए गए नमूनों में बुपिकैन-हैवी इंजेक्शन के बैच नंबर बीकेबीपी 02601 के 7 नमूने शामिल हैं। इन नमूनों के संबंध में अन्य राज्यों में मरीजों में एडवर्स ड्रग रिएक्शन की सूचना प्राप्त होने पर विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। बाजार में उपलब्ध उक्त दवा के स्टॉक पर रोक लगाते हुए स्टॉक वापस मंगाने (रिकॉल) की कार्रवाई शुरू की गई। बुपिकैन-हैवी इंजेक्शन के 7 नमूने जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झालावाड़ एवं कोटा से लिए गए थे। राजकीय विश्लेषक, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर द्वारा की गई जांच में सभी 7 नमूने बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन की पुष्टि होने के कारण अमानक घोषित किए गए। राठौड़ ने बताया कि अमानक घोषित किए गए नमूनों के संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। औषधि नियंत्रण अधिकारी, जयपुर , गंगानगर, हनुमानगढ़ द्वारा बुपिकैन-हैवी के 12228इंजेक्शन जब्त किए गए हैं। जब्त स्टॉक की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये है। औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि जैक्सन लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, अमृतसर द्वारा निर्मित बी-कॉम्प्लेक्स की 6280 स्ट्रिप्स भी जब्त की गई हैं। इनकी अनुमानित कीमत 92 हजार 316 रुपये है। जांच में इस दवा में विटामिन बी1 तथा कैल्शियम डी - पैंटोथेनेट की मात्रा शून्य पाई गई।

- **बुपिकैन-हैवी इंजेक्शन के 7 नमूने भी जांच में अमानक पाए गए**
- **औषधि नियंत्रण टीम ने 5 जिलों से लिए गए थे नमूने**
- **जयपुर, श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ से 12 हजार 228 इंजेक्शन जब्त किए गए**

सब्जियों से भरी पिकअप पलटने से किसान की मौत

जयपुर। आमेर थाना इलाके में बुधवार अलसुबह सब्जियों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पिकअप सवार किसान की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। हादसा जयपुर-दिल्ली हाईवे पर कुंडा स्थित आमेर चेक पोस्ट के पास सुबह करीब साढ़े चार बजे हुआ।

आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदार ने बताया कि हादसे में माथासूला की रावका की ढाणी निवासी रामनारायण मीणा (55) की मौत हो गई। पिकअप पलटने से वह उसके नीचे दब गए और सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे में लालचंद मीणा समेत पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां लालचंद मीणा की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के अनुसार पिकअप में सवार सभी लोग जमवारामगढ़ क्षेत्र के माथासूला से सब्जियां लेकर जयपुर मंडी में बेचने जा रहे थे। कुंडा स्थित आमेर चेक पोस्ट के पास पहुंचते ही पिकअप अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पिकअप के नीचे दबे और घायल लोगों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सार-समाचार

अभिमन्यु शर्मा दूसरी बार बने अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को संपन्न हुए चुनाव में अभिमन्यु शर्मा दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। चुनाव में 4 प्रत्याशियों ने भाग लिया, जिनमें द्वितीय स्थान पर जोगेन्द्र सिंह, तृतीय स्थान पर शिवजीराम जाट, चतुर्थ स्थान पर पवन शर्मा रहे। चुनाव अधिकारी कानाराम मीणा ने अभिमन्यु शर्मा को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर अध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई गई। अभिमन्यु शर्मा ने सचिवालय सेवा के अधिकारीगण के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की एवं सभी अधिकारियों का आभार जताया।

'स्टूडेंट्स ग्राउंड लेवल पर सीखेंगे समाज सेवा'

जयपुर। किताबी ज्ञान और थ्योरी से आगे बढ़कर युवाओं को सामाजिक सेवा एवं व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभिन्न महाविद्यालयों एवं मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान के बीच सामाजिक इंटर्नशिप हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न किया गया है। जिनमें जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथीक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, रीजनल कॉलेज फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, पूर्णिमा इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, राजकीय महाविद्यालय चाकसू, राजकीय महाविद्यालय कोटखावदा, आईआईएलएम अकादमी ऑफ़ हायर लर्निंग शामिल है। इसका सीधा फायदा कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को मिलेगा, जो अब क्लासरूम से बाहर निकलकर समाज की बुनियादी समस्याओं को समझने का व्यावहारिक एवं रियल-टाइम अनुभव हासिल करेंगे। यह जानकारी स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने दी है। इस मौके पर ट्रस्ट प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी, महासचिव दुर्गा वर्मा, जेएनयू वाईस चांसलर प्रो. आर.एल. रैना, सीडलिंग स्कूल ऑफ़ लॉ निदेशक प्रो. सतीश सी शास्त्री, स्वास्थ्य कल्याण कॉलेज प्राचार्या डॉ. योगेश्वरी गुप्ता, रीजनल कॉलेज निदेशक डॉ. अशोक सिंह शेखावत, पूर्णिमा कॉलेज निदेशक डॉ. दिनेश गोयल, डॉ. नुपुर जैन, प्रो. डॉ. रेनू जोशी, डॉ. सरिता जैन, डॉ. शिप्रा वर्मा, डॉ. अनीता गंगराडे, डॉ. प्रिंसी वर्मा सहित अन्य गणमान्य स्टाफ़ मौजूद रहे।

कांग्रेस ने बनाई चुनाव संचालन समिति

जयपुर। नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक एवं चुनावी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करने, समन्वय स्थापित करने, चुनाव प्रचार अभियान को गति देने तथा पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में समर्पित रूप से कार्य करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी, जयपुर ग्रामीण (पश्चिम) ने 12 सदस्यीय चुनाव संचालन एवं कैंपेन कमेटी का गठन किया है। समिति में अनिल चौपड़ा को जयपुर लोकसभा क्षेत्र, अभिषेक चौधरी को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र, पीसीसी सदस्य अशोक शर्मा, वैशाली नगर ब्लॉक अध्यक्ष उमराव सिंह यादव, झोटवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल चुनकर, जिला कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया प्रभारी रामकिशोर चौधरी, जोबनेर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनीष पाराशर, रामनिवास कटारिया, एडवोकेट घनश्याम सिंह, बाबूलाल चौधरी, मुकेश शर्मा और सी.पी. यादव को शामिल किया है।

''एमवे'' ने किया आयुर्वेद में विस्तार

जयपुर। हैल्थ एवं वेलनेस कंपनी एम्वे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद के तहत नौ नए उत्पाद लॉन्च किए हैं। कंपनी ने अगले दो वर्षों में इस श्रेणी से 100 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य रखा है। उत्पादों में इस्तेमाल जड़ी-बूटियां न्यूट्रीसर्ट प्रमाणित ऑर्गेनिक खेतों से जिम्मेदारी के साथ प्राप्त की जाएंगी और इनका उत्पादन तमिलनाडु स्थित एम्वे की अत्याधुनिक फैक्ट्री में होगा। कंपनी के अनुसार यह पहल मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय किसानों, विनिर्माण, वैज्ञानिक शोध, नवाचार और रोजगार को मजबूत करेगी। एम्वे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चौपड़ा ने इस बारे में जानकारी साझा की।

5 पैकेज्ड फूड असुरक्षित मिले, 2 माह तक बिक्री पर रोक

जयपुर (कासं)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अगस्त माह में प्रदेश के कई जिलों में औचक निरीक्षण कर पैकेज्ड फूड के नमूनों की जांच की थी, इनमें से पांच पैकेज्ड खाद्य उत्पाद असुरक्षित मिले है। इनके वितरण, बिक्री और प्रदर्शन पर प्रदेशभर में 2 माह की रोक लगा दी गई है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ व खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन और अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह की निगरानी में यह कार्रवाई हुई। राज्य जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला की जांच में नंदी ब्रांड गाय का घी, निर्माता दिशा एंटरप्राइजेज, बालोतरा, बैच/लॉट संख्या 005; रतवाड़ी टी (गोल्डन थार), निर्माता श्री सांवरिया इंडस्ट्रीज, रीको, बाड़मेर, बैच संख्या 150726; जी.एस. गोल्ड लाल मिर्च पाउडर, निर्माता हिमाया फूड्स प्रा. लिमिटेड, हाजिल्का पंजाब, बैच/लॉट संख्या जी.एस. 31; के.डी.पी. डेयरी-कृष्णा ब्रांड घी, निर्माता के.डी.पी. फूड इंडस्ट्री, सरनाथ इंडस्ट्रियल एरिया, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, बैच संख्या डी.के. 1225 और डी.के. 160326 तथा के.डी.पी. डेयरी-सारस ब्रांड घी, बैच संख्या डी.एस. 030426 असुरक्षित पाए गए। असुरक्षित खाद्य पदार्थों के नमूने मिलने पर 9 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए। इनमें बाड़मेर के बाखासर स्थित एम/एस हार्दिक ट्रेडर्स का मिर्च पाउडर, चूरू के चाय वाला प्रतिष्ठान की तैयार चाय, बीकानेर के रानी बाजार स्थित शर्मा सेल्स एजेंसीज का फ्राइड मटर, अजमेर के माकड़वाली स्थित श्री सवाई भोज मिल्क डेयरी और स्टीफन स्कूल चौराहा स्थित इंडिया मिल्क डेयरीका दूध, अजमेर के वैशाली नगर स्थित एम.एस.के. रेजिडेंटका माउथ फ्रेशनर/सौंफ, टोंक के टोडारायसिंह स्थित बजाली मिल्क डेयरी और देवली स्थित श्रीजी मिल्क डेयरी का घी तथा बाड़मेर स्थित श्री सांवरिया इंडस्ट्रीज की चाय शामिल हैं।

पूर्व में असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के कारण लाइसेंस निलंबित होने के बावजूद बिना वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के कारोबार जारी रखने पर जयपुर के 3 प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए गए। इनमें विद्याधर नगर स्थित एम/एस बालाजी जयका, कूकड़खेड़ा स्थित एम/एस गणपति ड्राईफ्रूट्स और निर्माण नगर स्थित द कंबू कैफे फूड एंड बेवरेजेज शामिल हैं।

- **खाद्य सुरक्षा विभाग ने नौ प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए, बिना लाइसेंस चल रहे कारोबार पर तीन लोगों के रजिस्ट्रेशन निरस्त**

परीक्षा देने आए अभ्यर्थी का ऑटो में बैग छूटा

जयपुर। एनटीपीसी की परीक्षा देने जयपुर आए एक अभ्यर्थी का जरूरी दस्तावेज और सामान से भरा बैग ऑटो में छूट गया। अभ्यर्थी ने सिंधी कैंप थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 20 मिनट में ऑटो का पता लगाकर बैग सुरक्षित बरामद कर अभ्यर्थी को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार राजस्थान के बाहर से जयपुर परीक्षा देने आया अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से लौटते समय ऑटो/ई-रिक्शा में अपना बैग भूल गया। काफी तलाश के बाद भी बैग नहीं मिला तो वह सिंधी कैंप थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी जानकारी दी। मामले की सूचना मिलते ही थाने में तैनात हेड कांस्टेबल गणेश लाल ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। उन्होंने संभावित रूट पर पुलिस वाहन से तलाश और चेकिंग की। पुलिस के प्रयासों से करीब 20 मिनट में ऑटो का पता लगा लिया गया और अभ्यर्थी का बैग सुरक्षित बरामद कर उसे सौंप दिया गया। बैग वापस मिलने पर अभ्यर्थी ने सिंधी कैंप थाना पुलिस और हेड कांस्टेबल गणेश लाल का आभार जताया। वीडियो संदेश में उसने दूर-दराज से परीक्षा देने आने वाले अभ्यर्थियों के प्रति राजस्थान पुलिस के सहयोगात्मक रवैये की सराहना की। हेड कांस्टेबल गणेश लाल ने आमजन से अपील की कि यात्रा के दौरान सामान का विशेष ध्यान रखें।

जन्माष्टमी पर गोविंददेवजी मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सुरक्षा में 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी व स्वयंसेवक तैनात होंगे, जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग से निकासी रहेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। छोटी काशी जयपुर सहित देशभर में इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई जाएगी। अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के विशेष संयोग के कारण वैष्णव, स्मार्त और औदायिक मतावलंबी एक ही दिन कान्हा का जन्मोत्सव मनाएंगे। शहर के मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में मुख्य आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा, दर्शन, यातायात और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की है।

गोविंददेवजी मंदिर में 4 सितंबर को तड़के 4.30 बजे मंगला झांकी के साथ दर्शन शुरू होंगे। जन्माष्टमी पर ठाकुरजी को पीली रेशमी पोशाक और विशेष अलंकरण धारण कराया जाएगा। पोशाक पर राजस्थानी गोटा-पत्ती का बारीक काम किया गया है। मंदिर परिसर को 'बधाई है' और सातिया की पताकाओं से सजाया गया है। मुख्य द्वार और निकास पर शहनाई की धुन श्रद्धालुओं का स्वागत करेगी।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा होगी। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की सलामी और आतिशबाजी के बीच जन्माभिषेक के दर्शन खुलेंगे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शालिग्रामजी पूजन और पंच द्रव्य पूजन के बाद ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक होगा। अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 लीटर दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग होगा। अभिषेक के बाद पंजीरी लड्डू, खीरसा और रबड़ी का भोग लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं को निशुल्क पंचामृत और पंजीरी का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसके लिए जय निवास उद्यान में प्रसादी मंच बनाया गया है।

गोविंददेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश केवल जलेब चौक स्थित बांदरवाल गेट से होगा। अन्य मार्गों से मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जलेब चौक पर दर्शन पासधारकों, बिना जूते-चप्पल आने वाले और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें रहेंगी।

जगमोहन के लिए भी अलग व्यवस्था की जाएगी। मंदिर और छावनी क्षेत्र में जूते-चप्पल रखने की व्यवस्था नहीं होगी। श्रद्धालुओं को इन्हें अपने वाहनों में छोड़कर आने अथवा पुरानी विधानसभा के पास बनाए गए स्टैण्ड का उपयोग करने की सलाह दी गई है। प्रवेश से दर्शन और निकासी तक श्रद्धालुओं को करीब 5 से 6 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ सकता है। दर्शन के बाद निकासी जय निवास बाग के पूर्वी और पश्चिमी गेट से होगी। प्रवेश मार्ग की ओर वापस जाने की अनुमति नहीं होगी। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए करीब 1000 कार्यकर्ता तथा 1000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। 10 मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम से निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड और एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई हैं।

परकोटे में बस-ऑटो बंद

जन्माष्टमी पर चारदीवारी क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बंद रहेगा। की सिटी बसों का परकोटे में प्रवेश नहीं होगा। ई-रिक्शा, ऑटो, ई-ऑटो और हल्के मालवाहकों का संचालन भी परकोटा क्षेत्र, एमआई रोड पर गवर्नमेंट हॉस्टल से मिनर्वा, अशोका मार्ग से यादगार और रामनिवास बाग के भीतर प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं से मेट्रो का अधिकतम उपयोग करने की अपील की गई है। यातायात पुलिस उपायुक्त योगेश गोयल के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोड आधारित डिजिटल सुविधा जारी की गई है। इसे स्कैन करने पर नजदीकी पार्किंग स्थल, पार्किंग की लाइव उपलब्धता, यातायात डायवर्जन, वैकल्पिक मार्ग और स्थानीय मानचित्र की जानकारी मिल सकेगी।

Reaching New Heights: National Skyscraper Day

Celebrated on September 3, National Skyscraper Day pays tribute to the towering marvels of modern architecture that define city skylines across the world. These vertical giants are not just feats of engineering but symbols of human ambition, innovation, and progress. From the Empire State Building in New York to the Burj Khalifa in Dubai, skyscrapers reflect a blend of design brilliance and urban functionality. In India, cities like Mumbai, Gurugram, and Bengaluru are embracing high-rises as solutions to urban space constraints. The day honours the visionaries, architects, and engineers who dare to build upward, transforming skylines and inspiring future possibilities.

Freedom is the most terrifying thing in the world. Everyone claims to want it, but when they get it, it frightens them into next week. They are at a loss. Castaways on an island without a clock. Or adrift on the sea in a small boat. That's what retirement does, casts you away from the comfort of schedules, managers, secretaries, time clocks of one kind or another. Watchers, noters of details, monitors of your comings and goings. All claimants on your freedom. But you and they have been in this elaborate game for so long, that to suddenly be cut loose one day in the name of retirement and be 'set free,' is unnerving, deeply unsettling, and you will say, unnecessary. But it happened. Now what?

All That Is Freedom

#FACE TO FACE

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

What if you didn't know your date of birth? Agreed, you wouldn't be able to celebrate your birthday. But you would also not know that you are 70 or 80 or 90. Then, how old would you feel?

Incidentally, not knowing your date of birth is nothing unusual or novel. There are millions of people all over the world who live in villages and in whose cultures birth of babies happens at home with or without the aid of a midwife. Dates of birth are neither recorded nor celebrated because that is not part of their tradition. Birthday parties are a very Western urban ritual, and I have lived and worked with people who had no idea what a birthday party was. Such people are as old as they feel. That is what I am referring to.

This article is for those who allow the 'old man syndrome,' into their lives, which 'kills' many before their time. Same advice for women, if they need it. Nobody can physically die before their time or live after their time comes. But what happens to us qualitatively or I should say, 'What we allow' to happen to us qualitatively, is really up to us. Age with good health, as a good friend puts it, is a 'genetic lottery.' Lottery or not, it is not defined by us. We don't get to choose how long we live on this planet. But we do get to choose how we want to live. Barring disease and accidents, the quality of life in our dotage depends on us. Geriatric care specialists say that most geriatric ailments are lifestyle related. Think about this.

The biggest problem, post-retirement, is a loss of purpose. I recall reading somewhere that most men die within two years of retirement. Some companies run courses for 'Post-retirement Life,' to help people to cope with retirement, advising people how to live when they don't need to go to work daily. I don't know how women who work in full time jobs or people today in hybrid jobs working partly from home handle this, but a loss of purpose is a big factor which impacts retired people negatively, who feel that their lives have no value any longer and so their being alive doesn't matter. They may not express this quite so directly but that is what results in them 'letting things go,' as it were and just going to seed. They get sloppy, lazy, drop their standards, stop going out, meeting people and get lonely and depressed.

The Law of Entropy applies to us also and as soon as we stop taking care of ourselves, we deteriorate physically, mentally and spiritually. Going to work forced us to take care of ourselves. A social life did the same. But since the two are linked for most people, as soon as one ends, so does the other in all meaningful ways and the decline is fast and can be final. I say, can be, because it is not inevitable. It depends on what we choose to do. So, to stay relevant, vibrant, and purposeful, is in our hands. But that requires us to change our source of motivation from the external environment to our own internal drive.

The most powerful sign of a loss of purpose is the lack of a compelling schedule. Or to put it more painfully, gaining freedom. The most dreaded answer to, 'What shall I do now?' is, 'Whatever you like.' That is because of how you and I were raised. From the time we opened our eyes, all through kindergarten, school, college, organizational life, marriage and all the way until yesterday, someone told us what to do and when. And if we didn't, there was a price to pay. A cost. A punishment. Be that physical, financial, career wise, a frown, the cold face, silence, or the doghouse. Freedom is for the birds. And they too must fear the Sparrow Hawk. It is this freedom which scares us. We have been conditioned to justify every breath we take, every move we make, to someone who has formal or informal authority over us. Remember the song, we Boomers who own this world, Gen Z go fly a kite, which also we own.....knew in school and college? Police....

Every breath you take and every move you make
Every bond you break, every step you take,
I'll be watching you

That, my friends, is literally how our lives were until we retired. We have become used to being watched so much that we take comfort in it. Slavery and subjugation are very comforting. When we accept subjugation, we deceive ourselves that we are not responsible for the consequences of our actions and feel justified to conveniently blame 'AUTHORITY,' if things go wrong. But does that blaming save us?

> The Law of Entropy applies to us also and as soon as we stop taking care of ourselves, we deteriorate physically, mentally and spiritually. Going to work forced us to take care of ourselves. A social life did the same. But since the two are linked for most people, as soon as one ends, so does the other in all meaningful ways and the decline is fast and can be final. I say, can be, because it is not inevitable. It depends on what we choose to do. So, to stay relevant, vibrant, and purposeful, is in our hands. But that requires us to change our source of motivation from the external environment to our own internal drive.

Stop for a second and ask, who pays the price when things go wrong? We? Or those who made the rules that we followed so slavishly without question? For example, who gets sacked if a business starts to lose money? The Board and Top Management or workers who had no share in the decision making? Who lose their home if banks collapse? If you forgot, go look up Subprime crisis 2007-2010 and see who got a bailout? Who can't get a job because the education system failed to keep up with the pace of changes in technology, environment or discovery, so, you graduate with a degree that has no relevance? In that case, will they refund your fees? Ironically, therefore, the panic of retirement is akin to what the bird which has lived in a cage all its life feels when the cage door is opened for it to fly free, it retreats into the innermost recesses of the cage because it knows the cage. It doesn't know the open sky and is terrified of it. Its fear is justified because cage birds can't survive in the wild. They are easy prey for every hawk. But you're not a bird.

Freedom is the most terrifying thing in the world. Everyone claims to want it, but when they get it, it frightens them into next week. They are at a loss. Castaways on an island without a clock. Or adrift on the sea in a small boat. That's what retirement does, casts you away from the comfort of schedules, managers, secretaries, time clocks of one kind or another. Watchers, noters of details, monitors of your comings and goings. All claimants on your freedom. But you and they have been in this elaborate game for so long, that to suddenly be cut loose one day in the name of retirement and be 'set free,' is unnerving, deeply unsettling, and you will say, unnecessary. But it happened. Now what?

The biggest challenge is what to do with time? Suddenly, you have a lot of it. Some people take refuge, albeit unconsciously in forwarding messages on WhatsApp, mostly without reading them, in which pursuit they spend 6-8 hours daily. Others sleep at all hours, dress sloppily, eat without thinking and suffer the consequences of that, become nags at home and nosey neighbours, quarrelsome, complainers and overall, not nice to be around. This is a vicious cycle which makes them lonely, depressed and depressing, and turns a part of life which should be very pleasant into something sad. The really sad part of this is that it is totally unnecessary and not inevitable at all. Let me try to share some thoughts about how you can reverse this, even if it has started in your life already. It is not difficult or painful. The results will be delightful, and you will thank me for putting you back on the rails.

First things first, Schedules. Schedule is the name of your parachute or life vest. You are used to schedules, which is what your work-life gave you. For better or worse, scheduling started in our school life. Bells, buzzers, periods for this or that, intervals and breaks which also had titles, we were not left alone to do whatever we wanted even in the break. All this is oppressive, but these were guardrails to force us to walk on the straight and narrow. Now, suddenly, there are no guardrails, and you must learn to walk without them. So, let me put you in a place that you are familiar with, schedule. Make a schedule for your day and STICK TO IT. I capitalized that because the key is not the schedule but sticking to it. Following it even when you don't want to. Be prepared. You will not want to follow it, almost from the word, 'Go.' But you must. Compel yourself because in that compulsion is quality of life.

It must start with movement. Movement is the lubrication for joints that would like to be still. To rest from decades of work, of bearing loads, of climbing and descending, where today even getting out of a chair is a conscious decision which you would rather not take. Much easier to call someone to do their good deed for the day and fetch you a glass of water. But no. You must get up. Decide. Stand up. Walk. And get your own water. Because that is the lubrication that your joints need, even if they don't agree. So, write WALK in your schedule at the very top. Don't just write. WALK. 5000 steps at least. Every day. Sunday is also a day. And 'holiday' is not a day in any week. Go look it up if you don't believe me. Only 7 days in the week and 'holiday' is not one of them. Remind yourself that rigidity is inevitable. Be rigid with yourself in walking or your joints will become rigid. When you do it regularly, walking will become a pleasure that you'll enjoy. The alternative is a wheelchair which is decidedly unpleasant. So, decide.

Second item on the list is to lift weights. Not randomly because that is a good way to land in hospital instantly. Lift weights under the supervision of a coach who knows what he is doing. Check to see if he works with older people. And pay him what he asks. That is cheaper than any hospital bill. Lift weights because muscles deteriorate and you lose strength much faster as you grow older. And once you lose muscle, it doesn't regenerate. Or at least not fast enough to make a difference. The trick is not to lose it and that will happen with regular weightlifting. While all muscle groups are important, the most important are your legs. Weak legs = wheelchair. Walking is the best exercise to strengthen your legs. Another one is to stand up from a chair without holding anything. Raise your arms to shoulder level and hold them before you straight out and stand up from the chair. Keep another chair or some other support within reach. You definitely DO NOT WANT TO FALL. As my doctor tells me, "Do whatever you want, but don't fall."

> I find serious reading to be most beneficial. I love reading biographies and history. Especially social history. I also like reading political analyses and then looking at that situation and doing my own analysis. I challenge myself by holding myself to the rule that every conclusion I arrive at must have a data-based reason for it. It must not simply be my opinion. I play a mental game by asking myself, What if? I take a historical incident and ask, 'What if such and such were different?' and see what conclusions I draw. Another game is to ask myself what I would do if I was in the place of one or the other of the protagonists in the story.

Do a set of stands from a chair, as many as you can do comfortably, a few times a day. A third way to test as well as a very good exercise is to see if you can climb stairs without pulling yourself up using the banister. Do keep a hand on it to steady yourself. Once again, don't fall. But if you can stand up from your chair and climb stairs without support, then you can pat yourself on your back, you are doing well. If not, you need to get into action before you get to the point of no return. I can't emphasize this enough. For older people, to recuperate lost muscle is very difficult indeed. I don't like to say impossible, but it can be. So, you don't want to reach that level.

Third item on the list is the mind. Incidentally, all items are equally important, and my list is not in order of importance or priority. The brain is also a muscle and subject to the same rule, don't use it, lose it. There are two things to do with using the brain. Reading and problem solving. Reading is reading. I find serious reading to be most beneficial. I love reading biographies and history. Especially social history. I also like reading political analyses and then looking at that situation and doing my own analysis. I challenge myself by holding myself to the rule that every conclusion I arrive at must have a data-based reason for it. It must not simply be my opinion. I play a mental game by asking myself, What if? I take a historical incident and ask, 'What if such and such were different?' and see what conclusions I draw. Another game is to ask myself what I would do if I was in the place of one or the other of the protagonists in the story. The idea is to exercise the brain. There are no right or wrong answers to these questions. But it is good to stretch the brain to solve problems. A very beneficial game is chess, which is all about strategizing, planning and anticipating situations and acting to extract benefit. Any brain-game like that is beneficial.

The biggest danger is to use things that make the brain lazy. ChatGPT, for example. It is much better to force yourself to think, analyze and write. If you need to research, do it the hard way. That will make your brain stronger. Please remember, the price of convenience is disability. Spending endless hours scrolling reels, or on TikTok, Instagram or forwarding WhatsApp doesn't qualify as brain exercise. It is highly detrimental and a total waste of our and other people's time.

The best thing to keep the brain not only healthy but generate new neurons is to give it difficult tasks. The more difficult the task, the better it is for the brain. The best is to learn a new language. Remember, it is not about learning, so, don't get frustrated if you find that you can't remember new words and the rules of grammar. It is about exercising your brain and the more it has to struggle, the stronger it gets. Learning anything new works. So, if language is not your thing, then do whatever it is, as long as it is new, unfamiliar and challenges you.

Finally, and most importantly, spiritual health is critical to living a healthy life. It begins with an attitude of gratitude. My favourite reminder is what the Prophet Muhammad is reported to have said. "If you wake up with a healthy body, a roof over your head, and enough food for the day, it is as if the entire world has been collected for you." Just think about that. Food for that one day only. We have refrigerators stocked with food for months and still complain. Complaining drains you. Gratitude fulfills you and fills your life with light. Feel grateful and express gratitude. It is important to express gratitude. Gratitude helps us to be conscious about the blessing that we are feeling grateful for, which enhances our enjoyment of it. It is as if it has been increased just because we are thankful for it.

Remember that the most important blessings have names. It is the people in our lives, often those we take for granted until one day we lose them, and then, we don't understand what happened and why we feel so desolated. Show appreciation and express gratitude while those people can still listen to you. The dead don't hear their eulogy. Don't wait that long to say what you should say today.

Even more finally, and importantly, laugh. A good sense of humor is a lifesaver and a source of great goodness for all around you. Be silly. Laugh at yourself. Laugh with others. Never laugh at anyone. That is not funny. Have fun. Not everyone gets to be old. It is a privilege. Enjoy it in good health.

rajeshsharma1049@gmail.com

#LIPPAN

A Desert Craft That Reflects Light and Beauty

Lippan art is more than decoration, it became a way of bringing light, energy, and joy into desert homes

In the hot desert regions of Rajasthan and Gujarat, people developed unique forms of architecture and decoration that were not only beautiful but also practical for survival in extreme heat. One of the most remarkable traditional art forms is Lippan Art, also known as Mud and Mirror Work.

Originating mainly in the Kutch region of Gujarat and later influencing nearby desert cultures, Lippan art reflects the creativity of communities who transformed simple mud walls into glowing works of art.

Art Born from the Desert

The desert climate of Rajasthan and Gujarat is harsh, with intense sunlight during the day and cooler temperatures at night. Traditional homes were made from mud because mud naturally keeps interiors cooler in summer and warmer in winter. The thick earthen walls acted as insulation against desert heat.

Women of local communities began decorating these mud walls using a mixture of clay, camel dung, and natural fibers. From this practical architecture emerged a stunning decorative tradition.

Patterns inspired by nature, peacocks, flowers, camels, trees, and geometric forms were carefully shaped onto walls by hand. Small mirrors were then embedded into the wet mud surface, creating sparkling reflections.

Mirrors and Light in Darkness

One of the most fascinating features of Lippan art is the use of mirrors. In desert homes, especially in earlier centuries when electricity did not exist, light was limited at night. Families lit small oil lamps called diyas inside their homes. When the flame of a diya reflected on dozens of tiny mirrors placed in the mud walls, the entire room shimmered softly with dancing light. A single lamp could brighten a dark room through multiple reflections. The mirrors transformed darkness into warmth and beauty.

This made Lippan art more than decoration, it became a way of bringing light, energy, and joy into desert homes.

Beauty Integrated with Architecture

Unlike paintings hung separately on walls, Lippan art is integrated directly into the architecture of the house. The walls themselves become living artworks. The raised mud patterns create texture, while mirrors add brilliance and movement.

The art also reflects the philosophy of desert communities: using natural materials available around them to create something elegant and functional. Mud, often considered ordinary, became a medium of artistic expression.

The white clay designs against earthy brown walls created strong visual contrast, especially under sunlight. During the day, mirrors reflected sunlight and added brightness inside homes. At night, they reflected the glow of lamps.

Cultural Identity of Rajasthan and Gujarat

Lippan art remains closely connected with the folk traditions of western India. It represents the artistic spirit of rural women who passed these skills from one generation to another. Every region developed its own style and motifs.

Today, Lippan art has moved beyond village homes and can be seen in hotels, cultural centers, modern interiors, and handicraft exhibitions. Designers use it on panels, furniture, and decorative installations while preserving its traditional essence.

Yet, its soul remains rooted in the desert, where mud, mirrors, and light together created beauty in the middle of harsh landscapes.

Symbol of Harmony Between Utility and Art

Lippan art is a perfect example of how traditional Indian communities combined utility with aesthetics. What began as a climate-friendly mud structure evolved into a luminous folk art tradition.

In the silent desert nights of Rajasthan and Gujarat, a small diya reflecting across mirrored mud walls created an atmosphere of warmth, spirituality, and wonder. Through simple materials, earth, light, and reflection, Lippan art turned homes into glowing spaces of comfort and cultural identity.

THE WALL

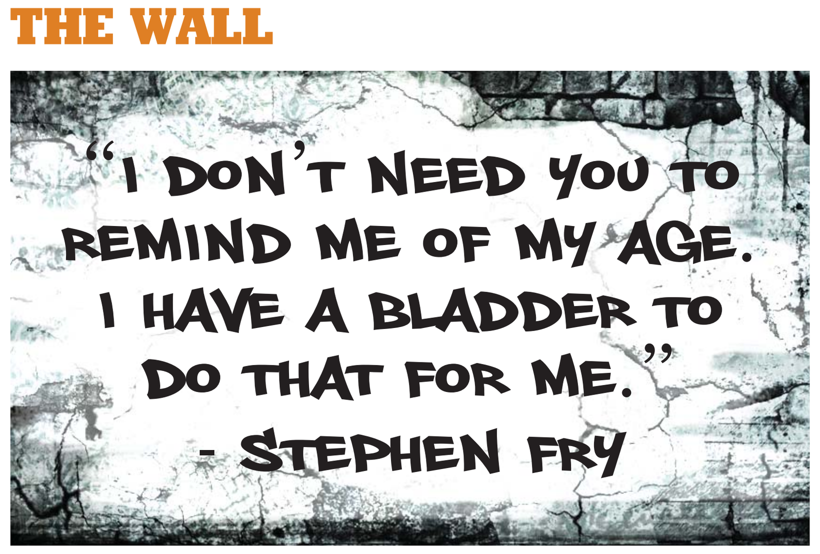

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

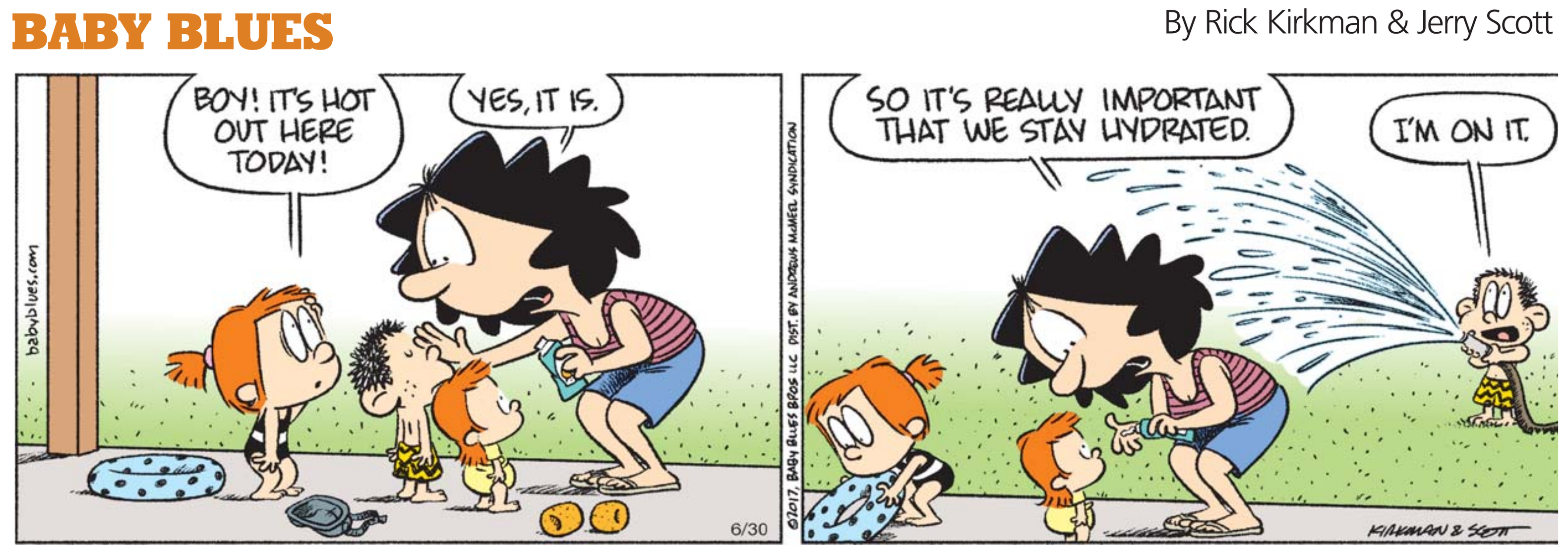

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

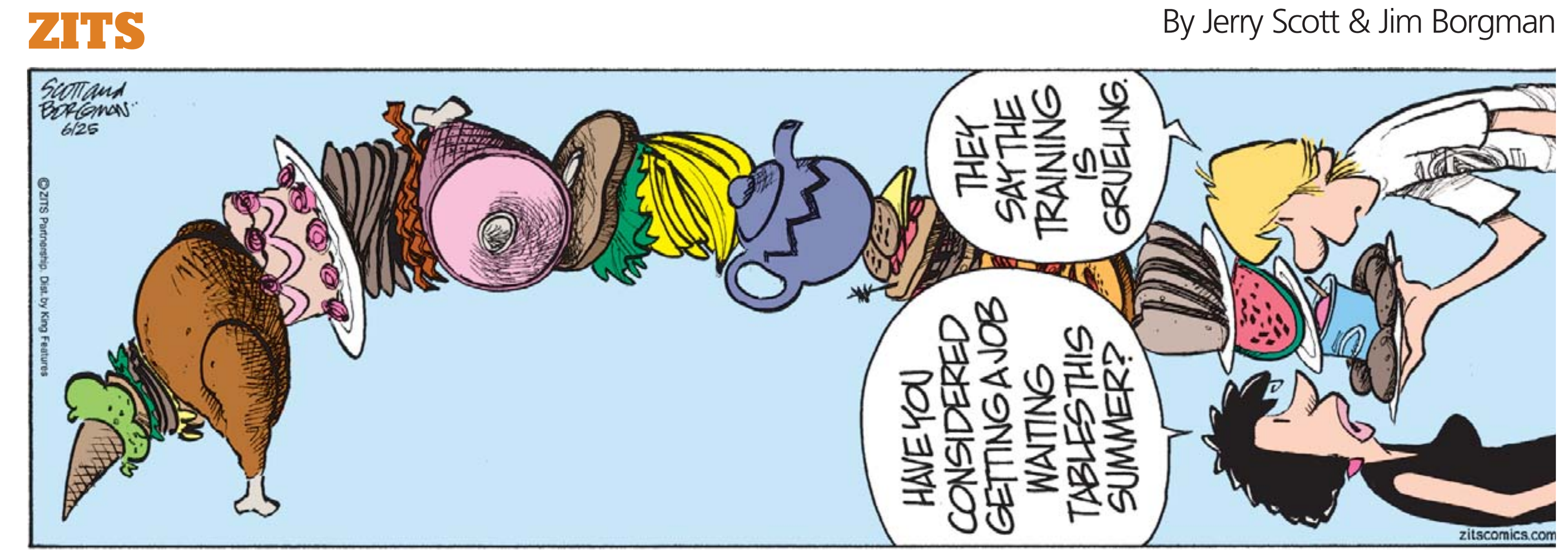

कोटा में 282 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

ट्रक में सफेद सीमेंट के बैगों के नीचे छिपाकर रखा गया था डोडा-चूरा

नारकोटिक्स टीम ने ट्रक से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया।

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् मुखबिर की सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक को रोका और सफेद सीमेंट के बैगों के नीचे छिपाकर रखा गया 282.740 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया। वहीं टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक ट्रक में चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा क्षेत्र से मारवाड़ की ओर अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा ले जाया जा रहा है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ डिवीजन-2 के अधिकारियों की टीम गठित करवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी, टीम द्वारा संदिग्ध ट्रक की पहचान कर उसे रोकने का प्रयास किया गया। ट्रक के आगे दो मोटरसाइकिलों पर सवार कुछ व्यक्ति पायलटिंग करते हुए चल रहे थे, गठित टीम द्वारा उन्हें भी रुकने का संकेत दिया गया, जिस पर वे मोटरसाईकिलें छोड़कर मौके से भागने लगे। कार्रवाई के दौरान टीम एक व्यक्ति को पकड़ने में सफल रही, पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वे ट्रक को पायलट कर रहे थे, जिसमें अवैध डोडा-चूरा परिवहन किया जा रहा है। टीम ने मौके पर लोगों को डिटेन किया और पूछताछ की तो सामने आया कि ट्रक में सफेद सीमेंट के बैगों के नीचे अवैध डोडा-चूरा छिपाकर रखा गया है। गठित टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए ट्रक, दोनों मोटरसाइकिलों तथा संबंधित व्यक्तियों को आगे की कार्रवाई हेतु सीबीएन चित्तौड़गढ़ कार्यालय लेकर गये। कार्यालय परिसर में ट्रक की तलाशी ली तो सफेद सीमेंट के बैगों के नीचे छिपाकर रखी गई 14 बोरियों में 282.740 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया गया एवं एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

मकान में पीछे की खिड़की से घुसे चोरों ने नगदी, जेवरात पार किये

जातरूओं की आड़ में चोरों के आने की आशंका बनी, फुटेज से तलाश शुरू

- चोरी गए जेवरात की अनुमानित कीमत पांच से सात लाख होना माना रहा है

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर स्थित मेघलासिया गांव में गत रात एक घर में चोरी हो गई। चोर घर के पीछे की खिड़की से दाखिल हुए और बक्सा उठाकर खेत में ले गए और सामान बिखेर कर नगदी और सोने चांदी के आभूषण चोरी कर गए। चोरी गए जेवरात की अनुमानित कीमत पांच से सात लाख होना माना रहा है। घटना के समय परिवार के लोग आंगन में सो रहे थे। चोरों के घर में घुसने का घर वालों को भनक तक नहीं पड़ी। घटना में जातरूओं की आड़ में चोरों की गैंग आने की भी आशंका बनी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। दो लोगों के इसमें शामिल होना प्रथम दृष्टया पता लगा है।

झंवर पुलिस ने बताया कि मेघलासिया गांव में कडेला मेघवालों का बास में कौशल्या देवी पत्नी सोमाराम का परिवार रहता है। गुजरी रात परिवार के लोग घर के आंगन में सो रहे थे। घर के पीछे लगी खिड़की को निकालकर मकान में चोर दाखिल हुए। फिर कमरें में रखा बक्सा उठाकर खेत में ले गए। सामान बिखरने के साथ उसमें रखे सोने के तीन चार तोला आइटम, चांदी के आभूषण और 14 हजार रूपए ले गए। परिवार के लोग सुबह उठे तब घटना का पता लगा। बक्सा खेत में पड़ा दिखा। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। थानाधिकारी प्रहलादसिंह के अनुसार मामले में जांच की जा रही है, फुटेज खंगाले जा रहे है।

वृद्धा के गले से सोने की चेन लूटी : जोधपुर शहर के नागौरी गेट के बाहर राम मोहल्ला में मंगलवार की शाम को पता पूछने के बहाने बाइक सवार दो बदमाश वृद्धा के गले से सोने की चेन झपट कर ले गए। चेन एक-डेढ़ तोला की बताई जाती है। बदमाश हेलमेट पहने हुए थे। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए है। फिलहाल बदमाशों का सुराग हाथ नहीं लगा है।

नागौरी गेट पुलिस के अनुसार नागौरी गेट के बाहर राम मोहल्ला निवासी सुधीर पुत्र विजयसिंह टाक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार की शाम तकरीबन पौने छह बजे उसकी माताजी घर के बाहर बैठी थी। तब एक बाइक पर हेलमेट पहने दो युवक आए। इसमें एक युवक बाइक से उतर कर आया और पता पूछने के बहाने उसकी माताजी के गले पर झपट्टा मारा और चेन तोड़ कर ले गया। इधर घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस वहां पहुंची और बदमाशों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। गाड़ी का भी पता लगाया जा रहा है। जांच एएसआई लालाराम की तरफ से की जा रही है।

तीन गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। देवली थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने थाना घाड में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपी बाबूलाल पुत्र सोजीराम मीणा निवासी दाता की ढाणी थाना देवली को गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार निवाई थाना पुलिस टीम ने अभियान में कार्यवाही करते हुए निवाई थाना में दर्ज धोखाधड़ी प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी सुरज गुर्जर पुत्र छीतर लाल गुर्जर निवासी छोरिया थाना निवाई तकनीकी सहायता व मिली सूचना के बाद टीम ने डिटेन कर गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में अन्य निवाई पुलिस टीम ने लंबित चल रहे प्रकरणों में फरार चल रहे आरोपी रामेश्वर मीना पुत्र ग्यारसी लाल निवासी प्रतापपुरा निवाई सदर को गिरफ्तार किया गया है।

श्रीगंगानगर में नौकरानी ने घर से 16 लाख के जेवर चुराए

- देवर के साथ मिलकर चोरी की, सामान संभाला तो पता चला

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर में स्थित एक घर से लाखों रुपए के सोने के जेवरात चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि घर में काम करने वाली नौकरानी ने जेवरात चुरा लिए, जिसके बाद से वह काम पर भी नहीं आ रही। मामला श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में अभिनव कालड़ा ने बताया कि उनके घर से 16 तोला सोने के जेवरात चोरी हो गए जिनकी कीमत 16 लाख रुपए से ज्यादा थी। आरोप है कि घर में बर्तन और सफाई का काम करने वाली नौकरानी रजनी ने अपने देवर कालीचरण के साथ मिलकर चोरी की। अभिनव कालड़ा ने बताया कि एक हफ्ते पहले घर की सफाई और अलमारी का सामान संभालते समय उन्होंने देखा कि सोने-चांदी के जेवरात गायब हैं। एक सोने का मंगलसूत्र, सोने का सेट मय टॉप्स जोड़ी, तीन सोने की अंगूठियां, एक सोने की जेंट्स चेन, एक सोने का लॉकेट, दो सोने की नोजपिन, एक जोड़ी सोने के टॉप्स, एक जोड़ी सोने के झुमके, लगभग 16 तोला वजन के दो सोने के कड़े और एक चांदी की अंगूठी गायब थे। कालड़ा का आरोप है कि इन आभूषणों को रजनी ने अपने देवर कालीचरण के साथ मिलकर चोरी किया। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उसके बाद से रजनी काम पर भी नहीं आई। फिलहाल शिकायत के आधार पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई देशराज कर रहे हैं।

कोटा में विवाह के चार माह बाद महिला की संदिग्ध मौत

मृतका के गले पर मिले निशान पर पुलिस ने मौत को संदिग्ध माना

- जयपुर में रहने वाले मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई, लेकिन पीहर पक्ष शादी से नाराज था, जिसके चलते पीहर पक्ष के लोगों ने आने से मना कर दिया

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में एक विवाहित महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतका के गले पर मिले निशान पर पुलिस ने मौत को संदिग्ध माना है।

जानकारी के अनुसार जयपुर निवासी धारणा शर्मा उर्फ नेहा का प्रेम विवाह कोटा के विज्ञान नगर निवासी मनोज तिवाड़ी के साथ हुआ था और दोनों विज्ञान नगर में रह रहे थे। मामले में सामने आया कि 31 अगस्त को नेहा घर पर कमरे में अचेतावस्था में मिली। महिला को अचेतावस्था में परिजन उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज दौरान महिला की मौत हो गई। विज्ञान नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि जयपुर निवासी मृतका नेहा के विवाह को 4 महिने हुए थे, महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हुई है, मेडिकल बोर्ड गठित कर मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है।

विज्ञान नगर थाने के एएसआई दशरथ सिंह ने बताया कि 31 अगस्त को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती महिला की मौत की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई और मृतका के शव को अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया गया। एएसआई ने बताया कि मामले में सामने आया कि जयपुर निवासी धारणा शर्मा उर्फ नेहा ने इस साल अप्रेल माह में मनोज से कोटा में शादी की थी और दोनों विज्ञान नगर में रह रहे थे। एएसआई ने बताया कि मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई, लेकिन पीहर पक्ष शादी से नाराज था, जिसके चलते पीहर पक्ष के लोगों ने आने से मना कर दिया। मृतका के गले पर निशान थे, जिससे मामले को संदिग्ध मानते हुए मेडिकल बोर्ड गठित कर मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पायेगा, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ऑनलाइन ठगी कर नगदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ऑनलाइन ठगी कर नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुखलाल पालीवाल पुत्र किशनलाल पालीवाल ने कुकराम भील पुत्र डूंगाजी भील के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि 31 अगस्त को मोबाईल पर आरटीओ चालान का पैसे जमा कराने के लिए लिंक भेजा था जिस पर क्लिक करने के कुछ समय बाद बैंक खाते से 1 लाख 11 हजार रूपये निकाले जाने का मैसेज मिलने पर ठगी होने का पता चला। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

वारंटी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। पुलिस थाना खेतड़ी ने फरार स्थाई वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, खेतड़ी द्वारा प्रकरण में जारी स्थाई वारंट में वांछित सतीश कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी जिलो, थाना डाबला, जिला सीकर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

हनुमानगढ़ के डाबड़ी गांव में सीआरपीएफ जवान का अंतिम संस्कार किया

हनुमानगढ़, (निसं)। भादरा क्षेत्र के डाबड़ी गांव निवासी सीआरपीएफ जवान इंद्र सिंह का ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया। बुधवार को जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव डाबड़ी लाया गया। यहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

इंद्र सिंह साल 2006 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। वे फिलहाल झारखंड में सीआरपीएफ की 193वीं बटालियन में तैनात थे। जानकारी के मुताबिक इंद्र सिंह हाल ही में छुट्टी पर अपने गांव आए थे। छुट्टी खत्म होने के बाद वे वापस झारखंड ड्यूटी पर लौट गए थे। ड्यूटी के दौरान अचानक हार्ट अटैक आने से उनका निधन हो गया। इंद्र सिंह के निधन की खबर मिलते ही डाबड़ी गांव में शोक छा गया। पार्थिव शरीर गांव पहुंचने पर परिजन और ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए जमा हो गए। अंतिम संस्कार के दौरान जवान को राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी गई। भारत माता के जयकारों और 'शहीद इंद्र सिंह अमर रहें' के नारों के बीच उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इंद्र सिंह के परिवार में उनकी माता रुकमा देवी, पिता महावीर सिंह और पत्नी कांता देवी हैं। उनकी बेटी दीपिका बीए की पढ़ाई कर रही है। इंद्र सिंह के निधन से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि इंद्र सिंह ने लंबे समय तक देश की सेवा की। उनका जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा।

फर्जी जमानत दी

उदयपुर, (निसं)। भूपालपुरा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज से जमानत देकर न्यायालय को धोखादेने का प्रकरण दर्ज किया। न्यायालय के अनुसार श्रवण स्वामी पुत्र नन्दलाल निवासी नावा कुचामन डिडवाना हॉल लिपिक एनआई एक्ट कैसेज क्रम संख्या 3 ने आरोपी वसीम खां पुत्र कमरूद्दीन निवासी सवीना मुर्शीदनगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास थाना क्षेत्र के एक सीएनजी फिलिंग स्टेशन पर आज सुबह चोरी की वारदात हो गई। आरोप है कि सीएनजी भरवाने आए ट्रक ड्राइवर और खलासी ने गल्ले में रखे 50 हजार रुपए चुरा लिए और वहां से फरार हो गए। घटना के बाद डांगियावास पुलिस ने घटना के 2 घंटे बाद ही आरोपियों को डिटेन कर रकम बरामद कर ली।

पुलिस के अनुसार, जालेली फौजदार स्थित सीएनजी पंप पर सुबह करीब 5 बजे एक ट्रक सीएनजी भरवाने पहुंचा। गैस भरवाने के बाद ड्राइवर ने ट्रक को फिलिंग स्टेशन परिसर में ही खड़ा कर दिया। इस जब मैनेजर शौच के लिए गया, तो आरोपी ने गल्ले में रखे 50 हजार रुपए पार कर लिए और मौके से फरार हो गए।

बीकानेर में तापमान 37 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। यहां इन दिनों तापमान में बढ़ोतरी का दौर जारी है। शहर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि बीकानेर में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से मामूली कम है, लेकिन संभाग के श्रीगंगानगर में तापमान में असामान्य बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

श्रीगंगानगर मंगलवार को प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। यहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.8 डिग्री ज्यादा है। इससे यहां दिन के साथ रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है। संभाग के चूरू में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा। चूरू में दिन का तापमान सामान्य से कम रहा, जबकि रात का पारा सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 8 सितंबर तक बीकानेर जिले में बारिश की संभावना नहीं जताई है।

बदमाशों ने पटवारी पर हमला किया, मामला दर्ज

महाजन, (निसं)। थाना क्षेत्र की रोही में राजकीय भूमि सीमांकन के दौरान तत्कालीन पटवारी पर हमला हुआ। उन पर सरकारी काम में बाधा डालने, जातिसूचक अपमान करने, मारपीट करने, मोबाइल छीनने, सरकारी दस्तावेज फाड़ने और वाहन में तोड़फोड़ करने के आरोप हैं।

न्यायालय के आदेश पर महाजन पुलिस ने तीन आरोपियों खानू खां, युसुफ खां और मरहम हुसैन के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, परिवादी आशाराम गोयल उस समय महाजन हल्का पटवारी थे। वे 19 जून को तहसीलदार लूणकरणसर के आदेश पर महाजन रोही में भूमि सीमांकन और मौका निरीक्षण के लिए पहुंचे थे।

आरोप है कि सीमांकन शुरू होते ही खानू खां, युसुफ खां और मरहम हुसैन ने सरकारी काम का विरोध किया और सीमांकन रुकवा दिया। समझाने के बावजूद तीनों आरोपियों ने कथित तौर पर जातिसूचक गालियां दीं, सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और मारपीट शुरू कर दी।

परिवादी ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने सीमांकन से जुड़े सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए और उन्हें खराब कर दिया। इसके अलावा, सरकारी काम में इस्तेमाल हो रही कार पर लाठियों और कुल्हाड़ी से हमला कर उसे तोड़ दिया। आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जबरन रोका, बंधक बनाया और जान से मारने की धमकियां दीं। किसी तरह मौके से जान बचाकर निकलने के बाद पटवारी को पूरी रात रोही क्षेत्र में छिपकर अपनी जान बचानी पड़ी। इस घटना के कारण सरकारी सीमांकन का काम बीच में ही रुक गया। महाजन पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा के तहत 60 श्रमिकों का 1.33 लाख का भुगतान अटका

- शिकायत पर जिला परिषद कोटा के लोकपाल ने कार्यस्थल का निरीक्षण किया
- विकास अधिकारी के खिलाफ लोकपाल ने 1,33,000 का अवार्ड जारी किया

कोटा, (निसं)। पंचायत समिति सुल्तानपुर की ग्राम पंचायत खेड़ली तंवरान के गांव मेहराना में मनरेगा के तहत तलाई खुदाई और गहरीकरण कार्य में 60 श्रमिकों का करीब 1.33 लाख रुपए का भुगतान अटकने का मामला सामने आया है। श्रमिकों की शिकायत पर जिला परिषद कोटा के लोकपाल जगदीश प्रसाद शर्मा ने कार्यस्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्रमिकों ने बताया कि मस्टररोल संख्या 19998 से 20003 तक का भुगतान उन्हें नहीं मिला है। इन मस्टररोल की कुल भुगतान योग्य राशि 1,33,320 रुपए बताई गई। लोकपाल की जांच में सामने आया कि काम पर लगे 60 श्रमिकों में से किसी को भी संबंधित अवधि का भुगतान नहीं हुआ। साथ ही तकनीकी और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा कार्यस्थल का नियमित निरीक्षण नहीं किए जाने की बात भी सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, इस कार्य की कुल स्वीकृत राशि 14.34 लाख रुपए है, जबकि अब तक 6.08 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। पूर्व में मस्टररोल के माध्यम से श्रमिकों को करीब 6.02 लाख रुपए का भुगतान किया गया था। संबंधित मस्टररोल को केवल कनिष्ठ अभियंता द्वारा पारित कर पेंडिंग कर दिया गया। लोकपाल ने मामले में संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली को गंभीर लापरवाही और उदासीनता माना। रिपोर्ट में कहा गया कि श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कर उनसे काम करवाने के बावजूद समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं करना गंभीर अनियमितता है।

लोकपाल ने पंचायत समिति सुल्तानपुर के खंड विकास अधिकारी एवं पदेन कार्यक्रम अधिकारी भानुमोली मौर्य के विरुद्ध जिम्मेदारी के अनुसार विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही 60 श्रमिकों को देय 1,33,320 रुपए की राशि ब्याज सहित दिलाने/वसूलने के निर्देश दिए गए हैं। भविष्य में ऐसी अनियमितता रोकने के लिए कार्यों की सख्त निगरानी और समय-समय पर उच्च स्तर से मार्गदर्शन लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। लोकपाल ने यह भी कहा है कि आदेशों की अवहेलना या कार्यालय को संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर मनरेगा अधिनियम के प्रावधानों के तहत शास्ति लगाई जा सकती है। इस निर्णय से असंतुष्ट व्यक्ति 30 दिन के भीतर अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है।

प्रागपुरा में डंपर की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

मृतक युवक

- दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, गर्भवती पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल

पावटा, (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-48 पर प्रागपुरा पुलिया के समीप मंगलवार रात हुए भीषण सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। डंपर की टक्कर से बाइक सवार 29 वर्षीय देशराज पुत्र रामकुंवार खटाणा की मौत हो गई। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार बनाड़ी की ढाणी कालाखाना, तन भूरीभड़ाज निवासी देशराज अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से प्रागपुरा की ओर आ रहा था। इसी दौरान प्रागपुरा थाने से करीब 180 मीटर दूर पुलिया के पास सर्विस लेन में उनकी बाइक को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में देशराज गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके दोनों साथी भी चोटिल हुए। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई धूड़ाराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए पावटा उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद देशराज को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके दोनों साथियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। देशराज की मौत ने उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया। मृतक के करीब चार वर्षीय पुत्र और दो वर्षीय पुत्री है। वहीं उसकी पत्नी गर्भवती है। पति की अचानक मौत की खबर सुनकर पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। देशराज के पिता रामकुंवार खटाणा किसान हैं और खेती के सहारे परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बेटे की असमय मौत ने परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। कम उम्र में बेटे को खोने के साथ ही परिवार के सामने अब भविष्य की चिंता भी खड़ी हो गई है। हादसे की सूचना के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही एनएच-48 की सर्विस लेन पर बढ़ते यातायात और दुर्घटनाओं को देखते हुए सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। पुलिस ने हादसे के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जोधपुर में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के उदयमंदिर पुलिस ने फर्जी खाते से रकम को खाते में प्राप्त करने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के म्यूल एकाउंट में आठ लाख की नगदी आना बताया जाता है। मामले में एक आरोपी को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि म्यूल एकाउंट के संबंध में पड़ताल की जा रही है। कुछ दिनों पहले बैंक के म्यूल एकाउंट में राशि प्राप्त करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में एक और आरोपी का नाम सामने आने पर अब उसे गिरफ्तार किया गया है। आरोपी फलोदी जिले के चाखू स्थित घंटियाली निवासी सुभाष को पकड़ा गया है। उसके खाते में लगभग आठ लाख की राशि आना पता लगा था। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलवर में कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कुमार का नामांकन रद्द होने पर भड़के कार्यकर्ता

अलवर नगर निगम चुनाव में 132 नामांकन पत्र निरस्त

अलवर, (निसं)। नगर निगम के वार्ड पार्षद के चुनाव के लिए 522 उम्मीदवारों की ओर से भरे गए 597 में से 132 नामांकन-पत्र विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए गए हैं। पूर्व सभापति शकुंतला सोनी का नामांकन भी निरस्त हो गया है। वार्ड नंबर 9, 10, 15, 43, 50, 56, 61 व 64 से किसी भी दावेदार का पर्चा निरस्त नहीं हुआ है। पूरे निगम क्षेत्र में 446 प्रत्याशी मैदान में हैं। सबसे अधिक 17 प्रत्याशी वार्ड नंबर 42 में हैं। तीन सितंबर को नाम वापसी के बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी कि कितने प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

वहीं, नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी में वार्ड 58 से कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कुमार का नामांकन रद्द कर दिया गया है। रिटर्निंग अधिकारी की ओर से इंगित किया गया है कि प्रत्याशी के खिलाफ आईपीसी सेक्शन 354 में आरोप तय कर न्यायालय में मामला विचारित किया गया है। इस धारा में कम से कम एक वर्ष एवं अधिकतम पांच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है, इसलिए नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया गया है। इससे नाराज कांग्रेस कार्यकर्ता मंगलवार रात को अलवर के मिनी सचिवालय पहुंचे। जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने कहा कि प्रत्याशी की ओर से इस संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत कर दिए गए थे, जिसमें मामला निरस्त होने का हवाला दिया गया था। इसके बाद भी पर्चा निरस्त करना गलत है। यहां से रीमा चौपड़ा ने भी कांग्रेस के नामांकन दाखिल किया था। हालांकि उन्हें पार्टी का सिंबल नहीं मिला, जिसकी वजह से नामांकन निरस्त हो गया। अब इस वार्ड में भाजपा प्रत्याशी मीनू बाघला के साथ निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र कौर, चंद्रभान सैनी और ममता शर्मा का मुकाबला होगा।

अलवर नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर 58 से कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत अग्रवाल का नामांकन खारिज होने के बाद पार्टी ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मंगलवार देर रात करीब 10 बजे बड़ी संख्या में कांग्रेसी मिनी सचिवालय पहुंच गए और अंदर धरने पर बैठकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस ने नामांकन खारिज करने को साजिश बताया है।

40 किलो डोडा-पोस्ट सहित तीन तस्कर पकड़े

बीकानेर, (निसं)। दंतौर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 40.150 किग्रा अवैध डोडा-पोस्त जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। साथ ही तस्करी व एस्कॉर्टिंग में इस्तेमाल दो कारों को भी कब्जे में लिया गया है।

एसएचओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान आरोपी दिनेश को ऑल्टो कार में अवैध रूप से डोडा-पोस्त का परिवहन करते पकड़ा गया। वहीं, उसके आगे स्विफ्ट कार से रास्ता साफ करते हुए एस्कॉर्ट कर रहे दो अन्य आरोपियों सुखराम और द्वारका प्रसाद को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने दोनों कारों सहित 40.150 किग्रा डोडा-पोस्त जब्त कर तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपती सहित तीन को कुचला, मौत

हादसे के बाद मांगों को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने पांच घंटे जाम लगाया

श्रीमहावीरजी, (निसं)। श्रीमहावीरजी क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। किरवाड़ा-दुब्बी मार्ग पर बालाजी भट्टे के पास घुमाव पर तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दंपती समेत तीन जनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और सड़क पर जाम लगा दिया। करीब पांच घंटे तक चले जाम के दौरान ग्रामीण पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने की मांग पर अड़े रहे। प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश और आश्वासन के बाद जाम खोला गया।

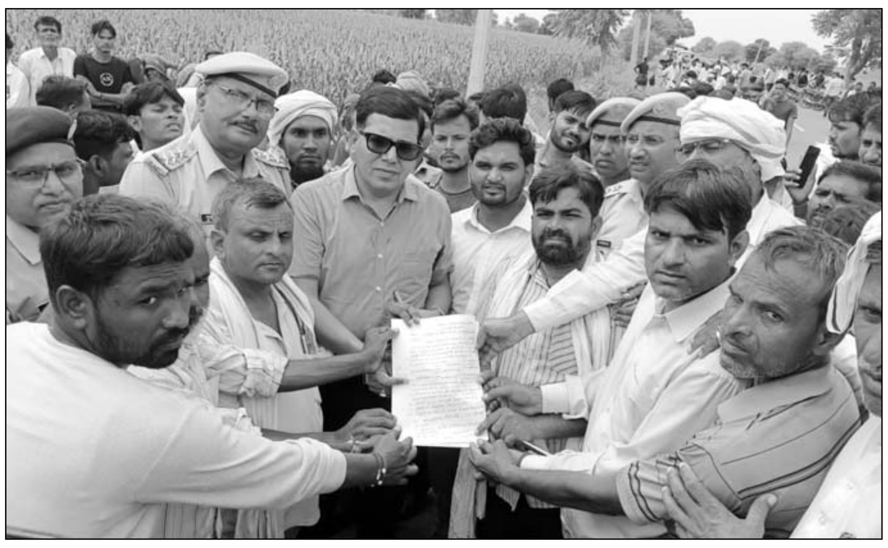

ग्रामीणों ने मांगों को लेकर प्रशासन के अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

■ **मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग पर अड़े रहे ग्रामीण, प्रशासन की ओर से उचित आश्वासन मिलने के बाद जाम समाप्त किया गया**

देवता पर इलाज कराने जा रहे थे तीनों :-पुलिस के अनुसार हादसे में पीलोदा थाने के किशोरपुर गांव निवासी भगवत राम महावर (52), उनकी पत्नी भगवानी देवी महावर (50) तथा खेड़ा जमालपुर, करौली निवासी उनके रिश्तेदार लक्ष्मीनारायण महावर (35) की मौत हुई है। तीनों बाइक से बालघाट क्षेत्र के पहाड़ी गांव में देवता पर इलाज कराने जा रहे थे। इसी दौरान किरवाड़ा की ओर से तेज गति से आ रही बस ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हुए और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने हादसे के विरोध में मार्ग पर जाम लगा दिया। सामाजिक कार्यकर्ता जवान सिंह मौहचा और पिंटू मीना बडौली सहित हजारों ग्रामीण जाम में शामिल रहे। ग्रामीणों ने मृतक परिवारों को उचित आर्थिक सहायता देने के साथ परिवार के एक सदस्य को संविदा पर रोजगार देने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। टोडाभीम उपखंड अधिकारी अमन चौधरी और पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और मृतकों के परिजनों से बातचीत कर उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। प्रशासन की ओर से उचित मुआवजा दिलाने तथा परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने का आश्वासन मिलने के बाद करीब पांच घंटे से चला जाम समाप्त किया गया। इस दौरान मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर एडिशनल एसपी कमल, टोडाभीम डिप्टी भंवरलाल बुनकर, बालघाट थाना प्रभारी मंजू फौजदार, नादौती थाना प्रभारी ओमेंद्र सिंह सहित पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस ने तीनों शवों को बालघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। हादसे के बाद किशोरपुर, खेड़ा जमालपुर, पहाड़ी सहित आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। एक ही हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

निकाय चुनाव के बीच भांकरी से भाजपा प्रत्याशी लापता

पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 32 से भाजपा प्रत्याशी है बुद्धाराम गढ़वाल

पावटा, (निसं)। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम भांकरी निवासी एवं वार्ड नंबर 32 से भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल के लापता होने का मामला सामने आया है। पिता के अचानक लापता होने और मोबाइल फोन बंद आने के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। मामले को लेकर उनके छोटे बेटे राहुल चौधरी ने प्रागपुरा थाना पुलिस को लिखित रिपोर्ट देकर पिता की तलाश करने की गुहार लगाई है।

प्रागपुरा थाना पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार राहुल चौधरी ने बताया कि 1 सितंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे वह अपने पिता बुद्धाराम गढ़वाल के साथ पावटा आया था। इसी दौरान उनके पिता के मोबाइल पर किसी व्यक्ति का फोन आया और उन्हें मिलने के लिए बुलाया गया। राहुल के अनुसार, पिता के कहने पर उसने उन्हें पावटा बड़ी पुलिया के नीचे करीब 4 बजे छोड़ दिया था। इसके करीब आधे घंटे बाद से उनके पिता का मोबाइल बंद आने लगा। काफी प्रयासों के बावजूद जब उनसे संपर्क नहीं हुआ तो राहुल ने अपने मामा, रिश्तेदारों एवं परिचितों से भी जानकारी ली, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। बुधवार 2 सितंबर तक पिता से संपर्क नहीं होने पर राहुल चौधरी ने प्रागपुरा थाना पुलिस को रिपोर्ट दी और

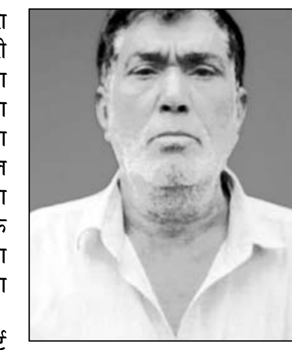

लापता भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल

गुमशुदगी दर्ज कर उनके पिता की तलाश करने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल के अचानक लापता होने की सूचना सामने आने के बाद भांकरी सहित पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में भी चिंता का माहौल है। चूंकि बुद्धराम गढ़वाल वर्तमान नगर निकाय चुनाव में पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 32 से भाजपा प्रत्याशी हैं, ऐसे में यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

डीवाईएसपी वृत्त विराटनगर उमेश निठारवाल ने बताया कि पुलिस रिपोर्ट

■ **पिता के अचानक लापता होने और मोबाइल फोन बंद आने के बाद परिजनों में चिंता का माहौल**

के आधार पर तकनीकी सहायता से मामले की जांच करते हुए लापता व्यक्ति की तलाश में जुटी है। परिजनों ने भी आमजन से अपील की है कि बुद्धराम गढ़वाल के संबंध में किसी को कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस या परिजनों को सूचित करें। पुलिस टीम संभावित स्थानों पर तलाश करने के साथ ही घटना से जुड़े पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। वहीं, गढ़वाल के परिजन और ग्रामीण उनकी सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर लगातार पुलिस से संपर्क में हैं।

घटना को लेकर परिजनों व ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बुद्धाराम गढ़वाल का पता लगाकर उन्हें सकुशल बरामद नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और गढ़वाल की तलाश जारी है।

अवैध नशीले कैप्सूल के मुख्य सप्लायर को दबोचा

खेतड़ी, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में वांछित मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किशनसिंह पुत्र हरिसिंह (40) निवासी दुधवा, थाना मेहाड़ा को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 17 जून को मेहाड़ा थानाधिकारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध मादक पदार्थों एवं आर्म्स एक्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इस दौरान हाइड्रोक्लोराइड, ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड एवं एसीटामिनोफेन युक्त कैप्सूल बड़ी मात्रा में जब्त किए गए थे। मामले में पुलिस ने नरेश पुत्र मक्खनलाल निवासी बसई तथा शीशराम पुत्र श्रीराम निवासी मेहाड़ा गुर्जरवास को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ और अनुसंधान किया तो अवैध कैप्सूल की सप्लाई से जुड़े मुख्य सप्लायर किशनसिंह का नाम सामने आया। पुलिस ने मामले में आगे अनुसंधान करते हुए वांछित आरोपी किशनसिंह की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने 1 सितंबर को किशनसिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, मुख्य सप्लायर की गिरफ्तारी से अवैध नशीले कैप्सूल की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खुलने की संभावना है। मामले में अनुसंधान जारी है।

रतनगढ़ में कार से 50 लाख के डायमंड और नकदी जब्त

डायमंड के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने कार्रवाई की

रतनगढ़, (निसं)। मेगा हाइवे पर मालासर टोल के पास नाकाबंदी के दौरान रतनगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 50 लाख रुपए से अधिक कीमत के डायमंड और 62 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं। डायमंड के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने कार सहित पूरा सामान जब्त कर लिया।

थानाधिकारी संदीप विश्नोई ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मालासर टोल के पास नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान सरदारशहर की

■ **सरदारशहर की ओर जा रही कार की तलाशी में अक्षय पांचोला तथा मनीष पटेल, निवासी जयपुर सवार मिले**

ओर जा रही एक कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। कार में अक्षय पांचोला (38), निवासी चांदपोल, जयपुर तथा मनीष पटेल (47), निवासी राजापार्क, जयपुर सवार थे। तलाशी में कार के अंदर रखे बैग से 62 हजार रुपए नकद और डायमंड जैसी कीमती वस्तुएं मिलीं। पूछताछ में दोनों ने डायमंड की कीमत 50 लाख रुपए से अधिक बताई, लेकिन पुलिस द्वारा दस्तावेज मांगने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने नकदी, डायमंड और कार को जब्त कर कार्रवाई की सूचना न्यायालय को भेज दी है। अब पुलिस डायमंड व नकदी के स्त्रोत, स्वामित्व और दस्तावेजों की जांच कर रही है।

बाइक सवार युवक को ट्रैक्टर ने कुचला

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ मेगा हाइवे पर मंगलवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सामने से आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर गया। इसके बाद पीछे से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया।

जानकारी के मुताबिक शेरगढ़ निवासी रमेश कुमार पुत्र गंगाराम मंगलवार रात अपनी बाइक से शेरगढ़ की ओर आ रहा था। वह शेरगढ़ सरहद में मेगा हाइवे पर पहुंचा ही था कि सामने से आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रमेश बाइक समेत सड़क पर गिर गया। तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। इस हादसे में रमेश की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शेरगढ़ मोर्चरी में रखवा दिया। बुधवार को कार्रवाई के बाद शव सौपा गया।

अज्ञात वाहन की चपेट से एक जने की मौत, दो घायल

जोधपुर, (कासं)। शहर के बिसलपुर फांटा पर देर रात सड़क हादसे में एक जातरू की मौत हो गई, जबकि दोअन्य चोटिल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए भीलवाड़ा ले जाया गया। सूचना पर डांगियावास पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई की।

डांगियावास पुलिस ने बताया कि देर रात साढ़े 11 बजे के आसपास सूचना मिली कि बिसलपुरा फांटा के पास में किसी वाहन चालक ने पैदल चल रहे जातरूओं को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक जातरू अजमेर के नसीराबाद स्थित लोहरवाडा निवासी 24 वर्षीय धनराज पुत्र अमरचंद रैगर की मौत हो गई। उसके साथ दो तीन अन्य जातरू भी थे जोकि अज्ञात वाहन के चपेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि घायल हुए जातरूओं मनीष और रणजीत को बाद में अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भीलवाड़ा भेज दिया गया। वे मामूली रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने आज सुबह मृतक का

■ **बिसलपुरा फांटा के पास में किसी वाहन चालक ने पैदल चल रहे जातरूओं को अपनी चपेट में ले लिया, हादसे में नसीराबाद स्थित लोहरवाडा निवासी धनराज रैगर की मौत हो गई**

पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया। हादसा बिसलपुर फांटा के पास में हुआ था। गौरतलब है कि बाबा रामदेव के मेले के जातरुओं की मारवाड़ में रैलमपल लगी हुई है। गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र सहित राजस्थान के कौन-कौन से जातरु पैदल आ रहे हैं। सड़कों पर इनकी भीड़ बनी हुई है। कई वाहन चालक लापरवाही कर दुर्घटना कर बैठते हैं।

बीकानेर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष को कार्यकर्ताओं ने पीटा

कार्यकर्ताओं ने स्वागत के बहाने बुलाकर थप्पड़ और मुक्के मारे

बीकानेर, (निसं)। शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अफसर मदन गोपाल मेघवाल को पार्टी कार्यकर्ताओं ने चांटे और मुक्के मारे। मेघवाल बुधवार को वार्ड 50 से कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे थे। कार्यकर्ता मोहित अरोड़ा और उनके तीन साथियों ने मेघवाल को माला पहनाने व स्वागत करने के बहाने बाहर बुलाया। इसके बाद पूछा- 'मुझे टिकट क्यों नहीं दिया।' फिर चारों ने मिलकर हमला कर दिया। मेघवाल का आरोप है कि हमलावर कांग्रेस कार्यकर्ता थे। इस घटना से पार्टी ने साबित कर दिया कि हम गुंडों को टिकट नहीं देते।

जानकारी के अनुसार सीढ़ियों से उतर रहे मदन गोपाल मेघवाल को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। कार्यकर्ताओं ने मदन गोपाल मेघवाल को चांटे मारे और पीठ पर मुक्के बरसाने लगे। मदन गोपाल मेघवाल ने बताया कि मैं वार्ड 50 के कार्यालय के उद्घाटन के लिए गया था। मोहित अरोड़ा पिछले 2 दिन से मेरे आगे-पीछे घूम रहा था। वह वार्ड नंबर 50 से टिकट मांग रहा था। मंगलवार को जब वह पार्टी कार्यालय में आया था तो मैंने दुपट्टा पहनाकर उसका स्वागत भी किया था। इसके बाद बुधवार को मोहित कुछ दोस्तों के साथ वार्ड कार्यालय के उद्घाटन में पहुंचा। वह पीछे खड़ा होकर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में नारे भी लगा रहा था। मेघवाल ने आरोप लगाया कि उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुझे बाहर बुलाया गया। पहले मेरा मुंह मीठा कराया। इसके बाद मोहित ने पूछा कि मुझे टिकट क्यों नहीं मिला। मैंने जवाब दिया कि पार्टी से सभी लोग टिकट मांगते हैं, लेकिन टिकट किसी एक को ही मिलता है। इतना कहते ही मारपीट शुरू कर दी गई।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। सरदारपुरा इलाके में दो दिन पहले एक युवक को संदिग्ध हालात में बीमार होने पर उसे एंबुलेंस की मदद से एमजीएच में भर्ती कराया गया था। उसकी मौत हो गई। मृतक हनुमानगढ़ के पीलीबंगा का रहने वाला था। सूचना पर मृतक का परिवार आज जोधपुर पहुंचा मगर दाह संस्कार में समर्थ नहीं होने पर शव को हिन्दू सेवा मंडल को सौंपा गया। हिंदू सेवा मंडल ने उसका अंतिम संस्कार कराया।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि दो तीन दिन पहले हनुमानगढ़ के पीलीबंगा निवासी मनोज नाम के शख्स को एंबुलेंस 108 ने बीमारी की हालत में एमजीएच में भर्ती कराया था। मगर उसकी मौत हो गई। पहचान के साथ उसके परिजन को सूचना दी गई। परिवार के लोग आज जोधपुर पहुंचे मगर वे दाहसंस्कार में समर्थ नहीं होने से शव को हिन्दू सेवा मंडल को सौंपे जाने का आग्रह किया।

विवाहिता कमरे में फंदे पर लटकी मिली

पिता का आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए हत्या की, पति समेत चार पर केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहा जस्सा सिंह मार्ग स्थित ड्रीम वाटिका में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। विवाहिता कमरे में फंदे पर लटकी मिली। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या के आरोप लगाए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

शिकायतकर्ता राजकुमार (55) निवासी दुल्लापुर केरी, हिन्दुमलकोट ने बताया कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे उसने बेटी पूजा को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद दामाद नवीन को भी फोन किया, लेकिन उसने भी कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद मृतका के देवर रवि कुमार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उससे भी बात नहीं हुई। कुछ देर बाद सूचना मिली कि पूजा ने फांसी लगा ली है। तब वह (राजकुमार) अपनी पत्नी सुनीता रानी, बहू रेनू और भाभी उषा रानी के साथ ससुराल पहुंचे। वहां पहुंचकर देखा कि पूजा की लाश बेड पर पड़ी हुई है। ससुराल वालों का कहना था कि उसने खुद फांसी लगा ली, लेकिन पिता का आरोप है कि बेटी को फांसी लगाकर मार दिया गया। इसके बाद पिता ने महिला थाना में मामला दर्ज कराया। शिकायत के आधार पर पति नवीन, सास कलावती, ननद चांदनी और देवर रवि कुमार के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, घटना के विरोध में और आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर परिजनों ने श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल में धरना दिया। शाम को पुलिस की परिजनों के साथ सहमति बनी। पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने धरना उठा लिया और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। पुलिस अब घटनास्थल की परिस्थितियों, मौत के असल कारण और ससुराल पक्ष की भूमिका की गहन जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि मृतका ने सुसाइड किया है या उसका मर्डर हुआ है। फिलहाल जांच जारी है।

पाटन में 700 मीटर की सड़क सैकड़ों गड्ढों में तब्दील, हादसों का खतरा बढ़ा

ग्रामीणों का आरोप है कि दो वर्ष से अधिक समय से सड़क की स्थिति खराब है

पाटन, (निसं)। कस्बे के नीमकाथाना रोड पर जवाहर नवोदय विद्यालय से बाईपास तक करीब 700 मीटर मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बने सैकड़ों गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दो वर्ष से अधिक समय से सड़क की स्थिति खराब है, लेकिन शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बारिश के दौरान सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों के अनुसार गड्ढों से बचने के प्रयास में कई बाइक चालक फिसलकर गिर चुके हैं। वहीं छोटे चार पहिया वाहनों को भी इस बदहाल सड़क से गुजरने में परेशानी होती है।ग्रामीणों का

नीमकाथाना रोड पर जवाहर नवोदय विद्यालय से बाईपास तक मुख्य सड़क बदहाली का शिकार है।

कहना है कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। सड़क पर लगातार बढ़ते गड्ढों के कारण लोगों में रोष है। स्थानीय लोगों

■ **ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से सड़क का निरीक्षण करवा गड्ढों को भरने तथा सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है**

ने बताया कि यह मार्ग विद्यालय, तहसील कार्यालय और बाईपास की ओर जाने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है, ऐसे में सड़क की बदहाली से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन चालक प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से सड़क का तत्काल निरीक्षण करवाकर गड्ढों को भरने तथा सड़क की आवश्यक मरम्मत करवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते सड़क की सुध नहीं ली गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

पिस्टल सहित बदमाश को पकड़ा

उदयपुर, (निसं)। घंटाघर थानाधिकारी कमलेन्द्रसिंह मय टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर मोहम्मद कामरान पुत्र मोहम्मद रफीक निवासी गरीब नवाज कॉलोनी अम्बामाता को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद की।

वहीं कोटडा थानाधिकारी प्रभूलाल मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने 18 जुलाई रात में 1008 संम्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का ताला तोड़ कर चांदी की पारसनाथ भगवान, पदमावती माताजी की मूर्ति, चांदी के दो छत्र, दो मंगलसूत्र, सिंहासन, चंवर दानपात्र व अलमारी से 10 हजार यपये नकदी व सामान चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं भुपालपुरा थानाधिकारी रतनसिंह चौहान मय टीम एवं स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए इनामी आरोपी सोहेल खान उर्फ शोएब पुत्र शब्बीर खान व अन्य आरोपी मोहममद फैजल कुरैशी, सीमा पत्नी मनोज निवासी कालबेलिया बस्ती मठ मादड़ी प्रतापनगर को गिरफ्तार किया।

महिला का अपहरण करने के पांच आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना पुलिस ने घर में घुस कर फायरिंग कर विवाहिता का अपहरण करने वाले पांच आरोपियों को छह घंटे में गिरफ्तार किया।

डबोक थानाधिकारी गोपालनाथ मय टीम ने मंगलवार को सुरेश पुत्र उदयलाल निवासी बडलिया व साथी ने घर में घुसकर फायरिंग कर विवाहिता का अपहरण करने वाले आरोपी मनीष पुत्र दूधाराम निवासी गदौली घासा, पुष्कर उर्फ पूर्णा पुत्र सुरेशचन्द्र निवासी अमरपुरा खेरोदा, मुकेशपुरी पुत्र नानापुरी निवासी आसना खेमली डबोक, सुरेश पुत्र उदयलाल निवासी बडलिया वल्लभनगर, अजय पुत्र हेमराज निवासी रणछोड़ थाना वल्लभनगर को गिरफ्तार किया।

वहीं शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में युवक पर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को सात घंटे में गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस उप अधीखक राजेश यादव के नेतृत्व में डीएसटी टीम प्रभारी भरत योगी मय टीम ने मंगलवार को यूआईटी पुलिया के समीप खड़े इरफान पर फायरिग करने वाले आरोपी शादाब खान उर्फ अली गाईड निवासी लालमगरी अम्बामाता, मोहममद अरशाद उर्फ बाटी निवासी अहमद हुसैन कॉलोनी अंबामाता को घटना के सात घंटे में गिरफ्तार किया।

वहीं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सुखेर थानाधिकारी अमरसिंह ने बाइक चोरी गिरोह का खुलासा करते हुए आरोपी मोवाराम पुत्र सवाराम निवासी वासिया पुली कोयलवाव थाना नाना पाली को डिटेन कर पूछताछ की तो उसने 21 अगस्त रात में अम्बेरी निवासी खेमराज पटेल की बाइक चोरी करना कबूल किया। इस पर आरोपी को गिरफ्तार कर इसकी निशानदेही से चोरी की गई बाहर बाइक बरामद की।

गांवों में अटल ज्ञान केन्द्र और प्रगति पथ बनाएगी भजनलाल सरकार

5000 से अधिक आबादी वाले गांवों में सीमेंट-कंक्रीट सड़कें बनेंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदेश के गांवों में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ सड़कों पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, पर्यावरण, आजीविका और सामुदायिक सुविधाओं का मजबूत एवं टिकाऊ आधारभूत ढांचा तैयार करना है। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय आवश्यकता और जनोपयोगिता के आधार पर कार्य चयन के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने निवास पर उच्चस्तरीय बैठक लेकर ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों और विकास कार्यों की समीक्षा की।

■ ग्राम पंचायतों में खेल मैदान; वीबी-जी राम जी योजना में 7.22 लाख श्रमिकों को रोजगार मिलेगा

3219 कि.मी. सड़क निर्माण होगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएमजीएसवाई के चौथे चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 3,219 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी। वर्ष 2026-27 में 1500 किलोमीटर सड़क निर्माण पूरा होगा और शेष कार्य आगामी वर्ष में किए जाएंगे। अटल प्रगति पथ योजना के तहत 5000 से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में सीमेंट-कंक्रीट सड़कें बन रही हैं। अब तक 1681 करोड़ रुपये के 764 कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 309 पूरे हो चुके हैं। उन्होंने शेष कार्य शीघ्र पूरा करने तथा बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और राजकीय भवनों की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए।

वीबी-जीरामजी में 7.22 लाख श्रमिक नियोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत राज्य में पिछले वर्ष की तुलना में 2.30 लाख अधिक श्रमिकों को रोजगार मिला है और वर्तमान में 7.22 लाख श्रमिक नियोजित हैं। केवल दो माह में 215 लाख मानव दिवस सृजित किए गए, जिसमें महिलाओं की भागीदारी 72 प्रतिशत से अधिक रही। उन्होंने योजना के तहत राजस्थान का ऐसा मॉडल विकसित करने को कहा, जिसमें रोजगार के साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण हो और स्कूलों, अस्पतालों सहित सार्वजनिक संस्थानों तक बेहतर कनेक्टिविटी को प्राथमिकता मिले।

हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान, 457 अमृत संजीवनी पार्क

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि ग्रामीण युवाओं को खेलों के अवसर देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदान बनाए जाएंगे। अब तक 9134 खेल मैदान बन चुके हैं और 2221 का काम शीघ्र पूरा होगा। करीब 228 करोड़ रुपये की लागत से 457 अमृत संजीवनी पार्क, 28342 मॉडल तालाब एवं अमृत सरोवर तथा ब्लॉक स्तर पर 457 नमो नर्सरियां विकसित की जा रही हैं। प्रत्येक नमो नर्सरी से प्रतिवर्ष एक लाख पौधे तैयार होंगे।

11 हजार अमृत पोषण वाटिकाएं

ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर पौष्टिक फल-सब्जियां उपलब्ध कराने के लिए 550 करोड़ रुपये की लागत से 11 हजार से अधिक अमृत पोषण वाटिकाएं विकसित की जाएंगी। इनमें से 8,501 कार्यों के लिए 237 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी और राजीविका के कन्वर्जेन्स से इनका विकास होगा। स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए 457 अमृत ग्रामीण हाट भी विकसित किए जाएंगे।

2 हजार स्कूलों में नए क्लास रूम

ग्रामीण क्षेत्र के 2000 स्कूलों में 300 करोड़ रुपये की लागत से नए क्लास रूम बनाए जा रहे हैं। विद्यालयों में सामुदायिक शौचालय निर्माण पर करीब 81 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ग्रामीण युवाओं को डिजिटल संसाधन और बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चरणबद्ध रूप से अटल ज्ञान केन्द्र बनाए जाएंगे।

यहां आधुनिक लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर मार्गदर्शन, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और सरकारी सेवाओं की जानकारी मिलेगी। अब तक 535 अटल ज्ञान केन्द्रों का निर्माण पूरा हो चुका है।

सोलर पंप, फार्म पौण्ड और तारबंदी

कृषक कल्याण के लिए पीएम-कुसुम योजना के तहत अब तक 1,67,863 सौर ऊर्जा पंप संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 4.50 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में सूक्ष्म सिंचाई का लाभ मिल रहा है। वर्ष 2025-26 तक करीब 24.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र स्थापित हुए और 13.27 लाख किसानों को 4249 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया। राज्य सरकार ने 1.43 लाख कृषि यंत्रों के लिए 373 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है और 640 कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए हैं। इस वर्ष 50 हजार कृषि यंत्रों के लिए अनुदान दिया जाएगा। खेतों में जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए 18 हजार फार्म पौण्ड और 8 हजार डिग्गियां बनाई जाएंगी। फसलों को पशुओं से बचाने के लिए 200 लाख मीटर तारबंदी पर भी किसानों को अनुदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 35,893 फार्म पौण्ड, 13,522 डिग्गियों का निर्माण और 80 लाख 57 हजार बीज मिनीकिट का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने कृषि विभाग को योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन की निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं सहकारिता मंजू राजपाल, शासन सचिव ग्रामीण विकास कृष्ण कुणाल, शासन सचिव पंचायतीराज जोगाराम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा के नगरीय विकास संकल्प-पत्र में शहरों को आधुनिक बनाने का खाका

आवासीय भूखंड से लेकर ई-बस, सीवरेज, पार्किंग और कचरा प्रबंधन की कई घोषणाएं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने 'नगरीय विकास संकल्प-पत्र' जारी कर शहरों के विकास का रोडमैप सामने रखा है। संकल्प-पत्र में शहरी आमजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवास, पेयजल, सीवरेज, सफाई, सड़क, यातायात, बिजली, पर्यावरण और रोजगार से जुड़े कई वादे किए गए हैं। पार्टी ने अगले 5 वर्षों में शहरों को आधुनिक, सुविधायुक्त और व्यवस्थित बनाने का लक्ष्य रखा है।

संकल्प-पत्र के अनुसार, अलग-अलग आय वर्ग के लोगों के लिए 1 लाख आवासीय भूखंड आवंटित करने की कार्यवाही की जाएगी। वहीं 7 लाख से अधिक घरों में घरेलू पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।

महिलाओं की सुविधा के लिए राज्य के शहरी क्षेत्रों में 2 हजार पिंक टॉयलेट बनाने तथा नए और बाहरी आवासीय क्षेत्रों में 15 लाख स्ट्रीट लाइट लगाने का भी संकल्प लिया गया है। प्रत्येक निकाय में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे। जरूरत के अनुसार पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे और नगर निगम व नगर परिषद क्षेत्रों में फूड कोर्ट स्थापित करने की कार्यवाही होगी। पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के साथ घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम लगाने का भी प्रस्ताव है।

■ अगले पांच साल में शहरी सुविधाओं के विस्तार का दावा किया भाजपा ने

भाजपा ने दावा किया है कि, सीवरेज व्यवस्था को लेकर अगले 5 वर्षों में 3000 किलोमीटर पुरानी सीवर लाइन की मरम्मत की बात कही है। साथ ही निराश्रित पशुओं के लिए विभिन्न संस्थाओं की जनभागीदारी से शेल्टर होम स्थापित करने और प्रत्येक वार्ड तक एलईडी लाइट की व्यवस्था करने का लक्ष्य रखा गया है।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रत्येक निकाय में सीसीटीवी कैमरे, प्रमुख मार्गों का विकास और चौराहों का सौंदर्यीकरण करने का संकल्प है। भवन निर्माण नक्शों की फाइलों का ऑनलाइन प्रक्रिया से 1 सप्ताह में निस्तारण करने, पार्कों में ओपन जिम व योग शिक्षक की व्यवस्था और नगर निगम-नगर परिषद मुख्यालयों पर इनडोर स्टेडियम बनाने की भी योजना रखी गई है।पर्यावरण संरक्षण के तहत नगर वन, 'लवकुश' वाटिकाएं और जनसहयोग से स्मृति वन विकसित करने का प्रस्ताव है। वहीं ट्रैफिक जाम कम करने के लिए रिंग रोड, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हाईटेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने तथा जलभराव वाले स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की योजना बताई गई है। संकल्प-पत्र में बिना सड़क खोदे आधुनिक तकनीक से सड़क और सीवर लाइन की मरम्मत, सीवरेज सफाई के लिए रोबोटिक 3-इन-1 मशीन, युवाओं के लिए रोजगार मेले व ई-लाइब्रेरी, नगर निगमों में इंटर्नशिप, ईवी चार्जिंग प्वाइंट और अभय कमांड सेंटरों को एआई तकनीक से जोड़ने की बात भी कही गई है।

एलआईसी ने 70वीं वर्षगांठ पर लॉन्च किए दो नए प्लान

"बीमा प्लैटिनम" प्लान में बचत व नियमित आय होगी, जबकि "जीवन रक्षा" प्लान से परिवार को वित्तीय सुरक्षा मिलेगी

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 70वीं वर्षगांठ पर दो नई योजनाएं बीमा प्लैटिनम (प्लान 770) और जीवन रक्षा (प्लान 894) लॉन्च कीं। एलआईसी के सीईओ एवं एमडी आर. दोराईस्वामी ने इन योजनाओं का शुभारंभ किया।

बीमा प्लैटिनम में प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान प्रत्येक 1000 रुपए वार्षिक प्रीमियम पर 70 रुपए का गारंटीड एडीशन राशि मिलेगी। प्रीमियम अवधि पूरी होने के पांच वर्ष बाद जीवित रहने पर बेसिक सम एश्योर्ड का 70 प्रतिशत बूस्टर इनकम बेनिफिट और भुगतान अवधि में हर वर्ष 10 प्रतिशत रेगुलर इनकम बेनिफिट मिलेगा। न्यूनतम बीमा राशि 3 लाख है। प्रीमियम भुगतान अवधि 7, 10, 12, 15 और 18 वर्ष है। वहीं दूसरा प्लान "जीवन रक्षा" प्योर रिस्क प्लान है, जिसमें पॉलिसी अवधि में मृत्यु होने पर परिवार को गारंटीड एवं निश्चित लाभ मिलेगा।

प्रवेश आयु 18 से 45 वर्ष, न्यूनतम बीमा राशि 5 लाख रुपए और अधिकतम 24 लाख है। सिंगल, रेगुलर और लिमिटेड प्रीमियम विकल्प उपलब्ध हैं। महिलाओं के लिए विशेष दर और हाई सम एश्योर्ड रिबेट का प्रावधान है। दोनों योजनाओं में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए राइडर विकल्प भी उपलब्ध हैं।

खुद के नाम 3 पट्टे जारी करने के मामले में देशनोक के पूर्व पालिका अध्यक्ष पर एसीबी केस

पद के दुरुपयोग और अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप, एसीबी ने जांच के बाद दर्ज किया प्रकरण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर पालिका देशनोक, जिला बीकानेर के तत्कालीन अध्यक्ष ओमप्रकाश मून्धड़ा के खिलाफ पद का दुरुपयोग कर खुद के नाम पट्टे जारी करने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने प्रकरण दर्ज किया है। मामले में मून्धड़ा के अलावा अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। एसीबी ने जांच के बाद प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है।

एसीबी के अनुसा.र उसके पास प्राप्त परिवाद में आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश मून्धड़ा ने राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69क के तहत अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने ही हस्ताक्षरों से अपने नाम पर पट्टे जारी किए।

परिवाद में सामने आए तथ्यों के अनुसार 31 दिसंबर 2021 को मून्धड़ा के नाम से 71.88 वर्गमीटर, 267.14 वर्गमीटर और 42.53 वर्गमीटर क्षेत्रफल के तीन पट्टे जारी किए गए। इनका पंजीयन 11 जनवरी 2022 को कराया गया था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले की जांच की। जांच शुरू करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्वानुमोदन भी प्राप्त किया गया।

एसीबी के मुताबिक जांच में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ओमप्रकाश मून्धड़ा, तत्कालीन अध्यक्ष नगर पालिका देशनोक, जिला बीकानेर और अन्य के खिलाफ प्रथम दृष्टया अपराध पाया गया। इसके बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(क), 13(2) तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। एसीबी अब मामले में पट्टे जारी करने की प्रक्रिया, संबंधित दस्तावेजों, पद के दुरुपयोग और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल से अजमेर पहुंचे दो बांग्लादेशी पकड़े

जयपुर। अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों एवं अन्य घुसपैठियों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने 25वीं कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को दस्तयाब किया। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। अभियान के तहत अब तक अजमेर जिले में कुल 59 बांग्लादेशी नागरिकों को दस्तयाब किया जा चुका है।

■ अब तक अजमेर जिले में 59 बांग्लादेशी नागरिकों को दस्तयाब किया जा चुका है

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि जिला पुलिस एवं सीआईडी जोन अजमेर की संयुक्त टीम कार्रवाई की है। जहां टीम ने मुखबिर तंत्र, तकनीकी साधनों और उपलब्ध जानकारी के आधार पर अजमेर के विभिन्न इलाकों में तलाश की।इसी दौरान दरगाह क्षेत्र से दो संदिग्धों को दस्तयाब किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हलीमा खातून और रबीउल इस्लाम बताए। दोनों पति-पत्नी हैं और उन्होंने स्वयं को बांग्लादेशी नागरिक बताया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों पश्चिम बंगाल सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। इसके बाद असम और कोलकाता में कुछ समय रहने के बाद ट्रेन से अजमेर पहुंचे। दोनों अजमेर में खानाबदोश के रूप में जीवन यापन कर रहे थे। पुलिस दोनों से पूछताछ कर उनके भारत आने और यहां रहने से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

रेंट कंट्रोल एक्ट की संवैधानिक वैधता को चुनौती

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मकान मालिक व किराएदार के बीच आकस्मिक झगड़ों की सुनवाई के लिए एसडीएम को अधिकृत करने और रेंट कंट्रोल एक्ट 2001 की धारा 22-ए व 23(3) की संवैधानिक वैधता को देने से जुडे मामले में राज्य सरकार व जेवीवीएनएल से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश विपिन सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सत्येन्द्र सिंह राघव ने बताया कि रेंट कंट्रोल एक्ट-2001 के अनुसार मकान मालिक और किरायेदार के बीच विवादों के लिए सभी उपखंड मजिस्ट्रेटों को अधिकृत किया गया है। एसडीएम पहले से ही अन्य कई जिम्मेदारियों से जुड़े हुए रहते हैं। याचिकाकर्ता ने आगरा रोड पर तीन मंजिला भवन किराए पर लिया था, लेकिन एक साल पहले मकान मालिक ने दुकानों का बिजली का कनेक्शन काट दिया।

उसने बिजली कनेक्शन बहाली के लिए एसडीएम के यहां पर अक्टूबर 2025 में प्रार्थना पत्र दायर किया था, लेकिन अभी तक उसके प्रार्थना पत्र पर एक भी बार सुनवाई नहीं हुई है है। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को किराया मामलों की सुनवाई एवं निस्तारण की न्यायिक प्रकृति की शक्तियां देना सही नहीं है। याचिका में कहा गया कि ये अधिकारी पहले से ही विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहते हैं। ऐसे में किराया संबंधी मामलों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण नहीं हो रहा और पक्षकारों को परेशानी हो रही है। याचिकाकर्ता के प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई नहीं होने से वह बीते अक्टूबर माह से ही बिजली कनेक्शन से वंचित है। याचिका में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत किसी व्यक्ति को जरूरी विद्युत सुविधा से गलत तौर पर वंचित नहीं किया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

30 सितंबर तक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर "सुरक्षा ऑडिट" होगी : डीजीपी राजीव शर्मा

आमेर में हुई सुरक्षा ऑडिट की तर्ज पर शेष जगहों पर भी कमियां चिन्हित करके दूर किया जायेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए राजस्थान पुलिस ने व्यापक कार्ययोजना तैयार करने की कवायद शुरू की है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस और पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें पर्यटन स्थलों की सुरक्षा, यातायात, पर्यटक सहायता बल (टीएएफ), पर्यटन थाने, सीसीटीवी, सहायता बूथ और आकस्मिक चिकित्सा सुविधा सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

डीजीपी ने 30 सितंबर तक प्रदेश के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों का सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए। आमेर में हुए सुरक्षा ऑडिट की तर्ज पर कमियां चिन्हित कर उन्हें दूर करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल मेलों या विशेष आयोजनों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि पूरे वर्ष पर्यटकों की आवाजाही को देखते हुए स्थायी व्यवस्था विकसित हो।

वहीं खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी सहित ऐसे धार्मिक स्थलों पर जहां हर सप्ताह बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, वहां वीकेंड और सामान्य दिनों में भीड़ के अनुरूप पुलिस व टीएएफ तैनात करने के निर्देश दिए गए। लॉन्ग वीकेंड और प्रमुख मेलों में अतिरिक्त पुलिस बल लगाने को कहा गया। खाटूश्यामजी, मेहंदीपुर बालाजी, सालासर बालाजी, रामदेवरा, गोगामेड़ी, पुष्कर, श्रीनाथद्वारा और सांवरियाजी में पुलिस, प्रशासन और देवस्थान विभाग को समन्वय से भीड़ प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को पुलिस और पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई।

डीजीपी ने टीएएफ को मजबूत करने और उसकी प्रभावी मौजूदगी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रमुख स्थानों पर पुलिस नियंत्रण कक्ष के नंबर, 112 हेल्पलाइन, राजकॉप सिटीजन एप सहित उपयोगी जानकारी प्रदर्शित करने वाली स्टेंडी लगाने और प्रशिक्षित कार्मिकों के साथ सहायता बूथ स्थापित करने को कहा गया।

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की तर्ज पर एयरपोर्ट पर भी पोस्टर, बैनर, स्टेंडी और एलईडी के माध्यम से पर्यटकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी से समन्वय करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा पर्यटक सहायता बूथों पर विभिन्न भाषाओं में पर्यटन स्थलों की जानकारी उपलब्ध कराने और पर्यटन स्थलों पर बहुभाषी साइन बोर्ड लगाने को कहा गया। विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण ले चुके युवाओं को लैंग्वेज एक्सपर्ट के रूप में सेवाएं देने का सुझाव दिया गया। अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्थानीय कैमरों को निगरानी तंत्र से जोड़ने, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा, महिला पर्यटकों के लिए महिला पुलिसकर्मियों और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित गाइड उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

सवाईमाधोपुर और जैसलमेर में पर्यटन थाने स्थापित करने के प्रस्तावों का फॉलोअप करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने पर्यटन थानों की संख्या बढ़ाने, पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने और पर्यटन क्षेत्र की जरूरत के अनुरूप पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया।

आमेर के सुरक्षा ऑडिट और केस स्टडी में सामने आई व्यवस्थाओं को अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी लागू करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा के साथ स्वच्छता, बेहतर सड़क, पार्किंग, व्यवस्थित आवागमन और यातायात व्यवस्था भी पर्यटक अनुभव का हिस्सा हैं।

जयपुर में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए हेरिटेज वॉक विकसित करने पर भी चर्चा हुई। इससे पर्यटकों को शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से परिचित कराया जाएगा।

डीजी ट्रैफिक मालिनी अग्रवाल ने पर्यटन स्थलों पर पुलिस की ओर से उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड ने विभाग की अनुपालना रिपोर्ट और सुविधाओं की जानकारी देते हुए डीओआईटी के माध्यम से तैयार विशेष एप जल्द लॉन्च किए जाने की बात कही। डीजीपी ने इसे राजकॉप सिटीजन एप और पैनिक बटन से इंटीग्रेट कराने के निर्देश दिए।

पूर्व निर्देशों की पालना में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट को नियमित पेट्रोलिंग के दौरान टूरिस्ट साइट्स भी कवर करने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी विजिलेंस वंदिता राणा ने गोवा, तिरुमला सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों के भ्रमण से मिली बेस्ट प्रैक्टिसेज पर प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वीके सिंह, नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा सहित पर्यटन विभाग, आरटीडीसी, आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण, नगर निगम और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

जिला प्रमुख के पदों पर ओबीसी प्रतिनिधित्व कम देने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जिला प्रमुख के पदों पर अन्य पिछडा वर्ग के कम आरक्षण के निर्धारण को लेकर राज्य सरकार और पंचायती राज विभाग सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ठंड की एकलपीठ ने यह आदेश राधेराम गोदारा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन पक्षकारों से पूछा है कि जब जिला प्रमुखों के कुल पद बढाए गए हैं तो ओबीसी के लिए आरक्षित पदों की संख्या में बढोतरी क्यों नहीं की गई है।

याचिका में कहा गया कि साल 2020 में जिला प्रमुखों के 33 पदों में से ओबीसी के लिए पांच सीटे आरक्षित रखी गई थी। वहीं अब जिला प्रमुखों के पद बढकर 41 हो गए हैं। इसके बावजूद ओबीसी वर्ग के लिए पूर्व की तरह पांच सीटे ही आरक्षित रखी गई हैं। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय 50 फीसदी आरक्षण की संवैधानिक सीमा के भीतर रहते हुए ही जिला प्रमुख पदों पर ओबीसी आरक्षण की नए सिरे से पुनर्गणना की जाए और इस वर्ग को पंचायती राज व्यवस्था में उनका उचित व न्यायसंगत प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाए।

सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदी के पास मिला मोबाइल

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदी के पास मोबाइल मिलने का मामला सामने आया है। जेल प्रहरी राजेश सिंह तंवर ने इस संबंध में लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया है।

एसआई श्याम सुंदर ने बताया मंगलवार देर शाम को सेंट्रल जेल के वार्ड नंबर-07 की बैरक नंबर-07 में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वहां बंद विचाराधीन बंदी दिनेश राठी उर्फ अनमोल उर्फ राहुल पुत्र देवेंद्र राठी के पास से गुलाबी रंग का कैचोडा मोबाइल फोन ए-27 बरामद हुआ। एसआई ने बताया कि मोबाइल फोन के साथ उसकी बैटरी और सिम भी बरामद की गई है। मोबाइल मिलने के बाद जेल प्रशासन ने लाल कोठी थाना पुलिस को सूचना दी और कार्रवाई के लिए रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर मोबाइल फोन जेल के अंदर पहुंचने और उसके इस्तेमाल से जुड़ी परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

निश्चित रूप से मेरे ऊपर काफी दबाव था। आपको कभी पता नहीं होता कि ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का मौका फिर मिलेगा या नहीं। इसलिए पहली ट्रॉफी जीतकर मैं बहुत खुश था लेकिन एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं तो आप और ज्यादा चाहते हैं। **अलेक्जेंडर ज्वेरेव**

जर्मनी टेनिस खिलाड़ी, यूएस ओपन खिताब को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

पुष्कर

क्रिकेटर पुष्कर केन्या टीम के स्टार ओपनर बल्लेबाज़ है। पिता की कैंसर से मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक हालात बिगड़े तो क्रिकेट छोड़कर नौकरी करने का फैसला भी करना पड़ा। उन्होंने फर्स्ट इंडिया इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी की, लेकिन क्रिकेट के प्रति जुनून कम नहीं हुआ। 18 साल की उम्र में पुष्कर क्रिकेट किट लेकर केन्या चले गए। वहां नौकरी के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया और शानदार प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ते गए। नेरोबी लीग में उन्होंने 14 मैचों में 841 रन और चार शतक लगाए।

क्या आप जानते हैं ?... चैंपियंस ट्रॉफी: भारत ने 3 बार (2002, 2013 और 2025) इस टूर्नामेंट पर कब्जा जमाया है।

आयरलैंड, इंग्लैंड की हार के बाद बीसीसीआई का मंथन, टीम इंडिया के प्रदर्शन पर अहम समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी गुरुवार को मुंबई में भारत के हेड कोच, चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण के साथ एक अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में टीम के हालिया नतीजों का आकलन किया जाएगा और इंटरनेशनल कैलेंडर के अगले चरण के लिए योजना बनाई जाएगी। इस चर्चा में आयरलैंड और इंग्लैंड में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के साथ-साथ खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट के मैनेजमेंट से जुड़ी चिंताओं पर भी बात होगी। बोर्ड के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने पहले ही संकेत दिया था कि भारत के विदेशी दौरों पर किए गए प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी, हालांकि कुछ कारणों से बैठक टाल दी गई थी, जिनका खुलासा नहीं किया गया है। हाल ही में, भारत के नतीजों ने उनके अवे फ़ॉर्म (घर से बाहर खेलने के प्रदर्शन) पर सवाल खड़े कर दिए हैं। टीम जून में आयरलैंड में 20

सीरीज़ के दोनों मैच हार गई, जिससे उनकी लगभग तीन साल से चली आ रही 16 सीरीज़ की अजेय रहने की लय टूट गई। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर भी टीम को और झटके लगे। भारत पांच मैचों की 20 सीरीज़ 4-0 से हार गया, जिसमें नॉटिंघम में 125 रनों की हार भी शामिल थी। इसके बाद उन्होंने बर्मिंघम में पहला वनडे जीता, लेकिन तीन मैचों की सीरीज़ 2-1 से हार गए। तब से, श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को ज़िम्बाब्वे में सफलता मिली, और भारत ने श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ भी जीती, लेकिन वे कोलंबो में दूसरा मैच नहीं जीत पाए, जिसका असर डब्ल्यूटीसी की स्थिति में टीम पर पड़ सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के आखिर में भारत के न्यूज़ीलैंड दौरे को देखते हुए बीसीसीआई चाहता है कि कोचिंग स्टाफ़, सेलेक्टर और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस एक ही प्लान पर काम करें, खासकर 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए। खिलाड़ियों की फिटनेस इस मामले में अहम विषयों में से एक होगी। अहम दौरों से पहले कई खिलाड़ियों के फ़िटनेस से जुड़ी दिक्कतों का सामना करने के बाद बीसीसीआई और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की आलोचना हुई है। खिलाड़ियों, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस और सिलेक्शन कमिटी के बीच बातचीत को लेकर भी चिंताएं जताई गई हैं। एक मामले में, सिलेक्शन कमिटी को कथित तौर पर यह जानकारी नहीं दी गई थी कि जसप्रीत बुमराह फ़िटनेस से जुड़ी दिक्कतों के कारण दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वॉशिंगटन सुंदर भी बाहर हो गए थे, जबकि साई सुदर्शन को ठीक होने में उम्मीद से ज़्यादा समय लगा।

भारत में होगा आईसीसी महिला चैम्पियंस ट्रॉफी 2027 का पहला एडिशन, महिला क्रिकेट को मिलेगा बूस्ट!

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी का पहला एडिशन अगले साल भारत में 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट के सभी मैच मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ़ इंडिया और वडोदरा के वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह इवेंट पहले श्रीलंका में होने वाला था, लेकिन अब इसे भारत में शिफ्ट कर दिया गया है, क्योंकि श्रीलंका क्रिकेट जुलाई में आईसीसी की सालाना कॉन्फ्रेंस में तय किए गए जरूरी सुधार कर रहा है। आईसीसी ने टूर्नामेंट की मेज़बानी के लिए तीन दावेदारों- बांग्लादेश, भारत और दक्षिण अफ्रीका - का उनके तय मेजबान मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर आकलन किया और फिर भारत को वैकल्पिक मेज़बान के तौर पर मंज़ूरी दी; इस फ़ैसले पर आईसीसी बोर्ड ने 1 सितंबर को मुहर लगाई। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि आईसीसी

विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 महिला क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत है। शाह ने कहा कि टूर्नामेंट के पहले एडिशन के तौर पर, यह दुनिया की बेहतरीन टीमों को एक कड़े और हाई-क्वालिटी मुकाबले में एक साथ लाएगा। साथ ही, यह टीमों को रैंकिंग में ऊपर चढ़ने और ग्लोबल स्टेज पर जगह बनाने के लिए और भी ज़्यादा प्रेरित करेगा। अब हर साल आईसीसी का एक बड़ा महिला टूर्नामेंट होने से, हमारे पास महिला क्रिकेट, इसकी खिलाड़ियों और दुनिया भर में इसके फैंस के लिए बेहतर मोमेंटम बनाने, ज़्यादा कंसिस्टेंसी लाने और एक मज़बूत लय तैयार करने का एक शानदार मौका है।

जयपुर में आज पहली बार खेले जाएंगे पोलो के नाईट मैच

जयपुर, 2 सितम्बर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर कल, गुरुवार को आरपीसी कप टूर्नामेंट के दो सेमिफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम 7 बजे रामबाग/मेफेयर पोलो और टीम गोहिलवाड़ के बीच खेला जाएगा। इसी प्रकार, दूसरा मैच रात 8 बजे टीम आरपीसी और टीम जयपुर के बीच आयोजित होगा।

रामबाग/मेफेयर पोलो : अनय शाह, सिद्धांत सिंह, प्रताप सिंह कानोता, हुर्र अली।

गोहिलवाड : शुभम गुप्ता, तरूण बिलवाल, एलन शॉन माइकल, जयवीर सिंह गोहिल।

जयपुर : विश्वराज सिंह राठौड़, अक्षय मलिक कुलदीप सिंह राठौड़, पद्मनाभ सिंह।

आरपीसी : दिव्यमान सिंह दूजोद, मयूरध्वज सिंह, रणशय पुरोहित, डिनो धनखड़।

टीम गोहिलवाड़ ने आरपीसी को 6-5.5 स्कोर से हराकर जीता मैच

जयपुर, 2 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर बुधवार को आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का दूसरा मुकाबला खेला गया। टीम आरपीसी और टीम गोहिलवाड़ के बीच आयोजित इस मुकाबले में टीम गोहिलवाड़ विजेता रही। टीम गोहिलवाड़ ने आरपीसी को 6-5.5 स्कोर से हराकर मुकाबला जीत लिया। विजेता टीम गोहिलवाड़ से तरुण बिलवाल ने 4

गोल हासिल किए। एलन शॉन माइकल और शुभम गुप्ता ने 1-1 गोल अर्जित किया। टीम की ओर से जयवीर सिंह गोहिल भी खेले। वहीं, टीम आरपीसी के लिए मयूरध्वज सिंह तलाबगांव और डीनो धनखड़ ने 2-2 गोल किए। वहीं, रणशय पुरोहित ने 1 गोल हासिल किया। टीम में दिव्यमान सिंह दुजोद भी शामिल रहे। मुकाबले के दौरान टीम आरपीसी को आधे गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ।

45वीं नोर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन ओएसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर

जयपुर, 2 सितम्बर। ओएसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर पर आज दिनांक 02.09.2026 से 45 वीं नोर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशीप 2026 का आयोजन प्रारम्भ हुआ। जिसमें उत्तरी भारत के 10 राज्य राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एंव कश्मीर, लेह लदाख व चण्डीगढ के खिलाडी बढचढ कर भाग लेंगे।

दिशा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 2 सितंबर। 12 चैंपियंस कप में क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32.5 ओवर में 115 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से राघव यादव, ध्रुव, नंदीश और रवींद्र वर्मा ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिशा क्रिकेट अकादमी ने 24 ओवर में 119 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। अनभव सिंह ने सर्वाधिक 74 रनों का योगदान दिया। क्रिकेट अकादमी की ओर से रचित शर्मा ने 6 विकेट लिए! ऑफ़ द मैच अनभव सिंह को चुना गया।

दलीप ट्रॉफी : तिलक की शानदार बल्लेबाजी के साउथ जोन फाइनल में, नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 2 सितंबर। कप्तान तिलक वर्मा की लगातार दूसरी शानदार पारी और एमडी नितीश की घातक गेंदबाजी के दम पर बुधवार को साउथ जोन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। साउथ जोन ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 में खेले गए सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन को सात विकेट से हराया।

पहली पारी में शतक जड़ने वाले तिलक ने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं, एमडी नितीश ने पांच विकेट लेकर नॉर्थ जोन की दूसरी पारी को 297 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्थ जोन ने बुधवार को सात विकेट पर 256 रन से आगे खेलना शुरू किया था। उसके पास 139 रनों की बढ़त थी। अंशुल कंबोज और निशांत सिंधु ने आठवें विकेट के लिए साझेदारी को 60 रन तक पहुंचाया लेकिन नितीश ने कंबोज को 36 रन पर बोल्ड कर दिया।

इसके बाद गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह ने एक-एक छक्का लगाया लेकिन नितीश ने दोनों को पवेलियन भेज दिया और पांच विकेट पूरे किए। नॉर्थ जोन की पूरी टीम 297 रन पर सिमट गई और निशांत सिंधु 35 रन बनाकर नाबाद रहे।

साउथ जोन को जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य मिला। रिकी भुई और नारायण जगदीशन ने 64 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। भुई ने 53 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 42 रन बनाए लेकिन गुरनूर बराड़ ने उन्हें आउट कर दिया। शेख रशीद केवल एक रन बनाकर आबिद मुश्ताक का शिकार बने। इसके बाद जगदीशन और तिलक वर्मा ने पारी संभाली और लंच तक साउथ जोन का स्कोर दो विकेट पर 72 रन पहुंचा दिया।

दूसरे सत्र में दोनों ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। हालांकि जगदीशन 43 रन बनाकर आबिद मुश्ताक की गेंद पर स्टंप हो गए। इसके बाद तिलक ने आर. स्मरण के साथ मिलकर नाबाद 79 रन की साझेदारी की और साउथ जोन को जीत दिला दी। तिलक ने कंबोज की गेंद पर दो चौके और मुश्ताक की गेंद पर एक चौका लगाया। दूसरी ओर स्मरण ने आयुष बडोनी की ऑफ स्पिन के खिलाफ दो चौके जड़े। आखिर में तिलक ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और टीम को सात विकेट से जीत दिला दी।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : गिल और बुमराह को नुकसान, देवदत्त पडिक्कल की बड़ी छलांग

दुबई, 2 सितंबर। भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर नौवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के मैट हेनरी गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक लगाने वाले देवदत्त पडिक्कल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। वह पांच स्थान की छलांग लगाकर 54वें स्थान पर पहुंच गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भारतीय बल्लेबाजों में अब भी सबसे ऊंची रैंकिंग पर कायम हैं। पंत सातवें स्थान पर हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 11वें स्थान पर बरकरार हैं।

हाल ही में समाप्त हुई भारत-श्रीलंका टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले श्रीलंका के सोनल दिनुषा दो शतकों की बदौलत करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। अपने पहले पांच टेस्ट में उनका बल्लेबाजी औसत 86.57 रहा है।

भारतीय टीम के ध्रुव जुरेल ने नाबाद 115 रन की पारी के दम पर 83वें से 65वें स्थान पर छलांग लगाई। श्रीलंका के पसिंदु सोरियाबंडारा ने अपने दूसरे ही टेस्ट में 80 और 92 रन बनाए, जिससे वह 170 स्थान ऊपर उठकर 74वें स्थान पर पहुंच गए। कामिंदु मेंडिस भी दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के बाद फिर से शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं।

गेंदबाजों में श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो चार स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्पिनर मानव सुथार ने भी चार स्थान की छलांग लगाकर 44वां स्थान हासिल किया, जबकि मोहम्मद सिराज एक स्थान ऊपर उठकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रॉबिन्सन और टंग की भी शानदार उछाल

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। टंग ने मैच में पांच विकेट लेकर चार स्थान की छलांग लगाई और करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग हासिल की। श्रृंखला के दौरान उनकी रैंकिंग में 20 स्थान का सुधार हुआ है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने भी लगातार अच्छे प्रदर्शन का फायदा उठाया है। एक मैच में नौ विकेट लेने के बाद वह 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आकिब नबी का सरे के लिए काउंटी चैम्पियनशिप में पदार्पण

लंदन, 2 सितंबर। भारतीय तेज गेंदबाज आकिब नबी ने बुधवार को सरे की ओर से यॉर्कशायर के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में पदार्पण किया। 29 वर्षीय नबी तीन मैचों के लिए सरे से जुड़े हैं और उनका लक्ष्य टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देना है।

नबी को द ओवल में डिवीजन-1 के मुकाबले के लिए सरे की अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। वह इसके बाद होव में ससेक्स और फिर घरेलू मैदान पर ग्लेमॉर्गन के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रहेंगे।

नबी ने जम्मू-कश्मीर की ओर से शानदार घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने 60 विकेट हासिल किए और उनका गेंदबाजी औसत 12.56 रहा। फाइनल में भी उन्होंने पांच विकेट लेकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनके शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया था। इससे पहले वह गर्मियों में भारत ए का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। हालांकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका नहीं मिला लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन ने लाल गेंद क्रिकेट में उनके तेजी से बढ़ते कद को दर्शाया।

राजस्थान टीमों का दबदबा, नॉर्थ जोन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंची मेजबान टीमें

भीलवाड़ा, 2 सितम्बर। बुधवार से शुरू हुई योनेक्स सनराइज नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता के पहले दिन राजस्थान की टीमों का दबदबा रहा। मेजबान टीमों ने एकतरफा जीत दर्ज कर अंतिम चार में अपना स्थान पक्का कर लिया। पुरूषों के पहले मैच में राजस्थान ने पंजाब को 3-0 से हराया। प्रणय कट्टा ने दिव्यम सचदेवा को 15-8, 15-13 से, संस्कार सारस्वत ने इषान शर्मा को 15-7, 15-8 से और शुभम पटेल व डेनिष श्रीवास्वत की जोड़ी ने श्याम प्रसाद व उदय कुमार को 15-11, 15-5 से हराकर राजस्थान की एकतरफा जीत पर मोहर लगा दी। महिला वर्ग के क्वार्टरफाइनल में राजस्थान ने जम्मू-कश्मीर को 3-0 से ही षिकस्त दी। पारूल चौधरी ने स्काइदीप कौर को 15-5, 15-9 से, स्नेहा लाम्बा ने कृष्णा महाजन को 15-13, 15-13 से तथा पारूल चौधरी व काव्या स्वामी की जोड़ी ने स्काइदीप कौर व कृष्णा महाजन को 15-10,

15-13 से पराजित कर राजस्थान को एकतरफा जीत दिलाई। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि अंडर-19 लड़को के वर्ग में राजस्थान ने जम्मू-कष्मीर को 2-0 से षिकस्त दी। यष सोनी ने गोपोष सिंह को 15-5, 15-11 से, जंगजीत काजला और यष सोनी ने उदयान शर्मा व भवदीप सिंह को 15-10, 15-8 से पराजित किया। लड़कियों के मुकाबलों में राजस्थान ने चंडीगढ़ पर 2-0 से एकतरफा जीत दर्ज कर की। पारूल चौधरी ने रिद्धिमा सैनी को 15-11, 15-7 से, पारूल चौधरी और काव्य स्वामी ने प्रकृति कंवर व रिद्धिमा सैनी को 15-8, 15-4 से पराजित किया। महिलाओं के अन्य मैचों में दिल्ली ने हिमाचल प्रदेष को 3-0 से, पंजाब ने चंडीगढ़ को 3-2 से, दिल्ली ने हिमाचल प्रदेष को 3-0 से हराकर अंतिम चार में स्थान बनाया। पुरूषों के अन्य मैचों में दिल्ली ने जम्मू-कष्मीर को 3-0 से, चंडीगढ़ ने हिमाचल प्रदेष को 3-2 से हराया। गत विजेता हरियाणा को दोनो वर्गो में बाई मिलने से अंतिम चार में प्रवेष किया।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी : करौली, चूरू, अलवर, पाली, जालोर व अजमेर जीती

जयपुर, 2 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- अक्षय चौधरी का शतक, ललित शर्मा शतक से चुके, अभय राज सिंह, अल्तमश शेख के पांच विकेट, भय शर्मा व अभय राज सिंह भी चमके।

बारां - जालोर मैच (जालोर जीती), सिरोही - पाली मैच (पाली जीती), चित्तौड - अजमेर मैच (अजमेर जीती), चूरू - बांसवाड़ा मैच (चूरू जीती), अलवर - डूंगरपुर मैच (अलवर जीती), करौली - दौसा मैच (करौली जीती)।

ब्राजील और उरुग्वे के खिलाफ मुकाबले भारतीय फुटबॉल के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होंगे : खालिद जमील

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। भारत की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच खालिद जमील का मानना है कि पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील और दो बार के विजेता उरुग्वे के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना सपना सच होने जैसा है और यह भारतीय

फुटबॉल के लिए 'टर्निंग प्वाइंट' साबित होगा। जमील का मानना है कि इन मैच से भारत को अगले साल होने वाले एशिया कप क्वालीफायर की तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होंने पीटीआई से कहा, " यह भारतीय फुटबॉल के लिए 'टर्निंग प्वाइंट' होगा।

हम पहली बार ब्राजील के खिलाफ खेलेंगे। हमें सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। हमें सिर्फ एक ही बात पर ध्यान देना चाहिए कि भारत को आगे बढ़ना ही होगा।" जमील ने कहा, "हमारा मुख्य लक्ष्य 2027 में एशिया कप के लिए क्वालीफाई करना है। उससे पहले हमारा सामना मजबूत टीमों से होगा। यह भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी बात है।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत इन मैचों से नया इतिहास रचेगा। अगर कोई नकारात्मक बातें करता है, तो उसे चुप रहना चाहिए। हमें प्रशंसकों के समर्थन की जरूरत है। मुझे लगता है कि अगर दर्शक भारत का शत प्रतिशत समर्थन करेंगे तो खिलाड़ी प्रेरित होंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।" जमील ने ब्राजील और उरुग्वे जैसी शीर्ष टीमों के साथ खेलने का महत्व के बारे में भी बात की।।

इंग्लैंड दौरे के लिए श्रीलंका की वनडे टीम में दासुन शनाका की वापसी

कोलंबो, 2 सितंबर। श्रीलंका ने इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी वनडे टीम में पूर्व कप्तान दासुन शनाका को वापस बुलाया है। शनाका जनवरी 2024 के बाद पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट में खेलते नजर आ सकते हैं। उनके अलावा लेग स्पिनर सचिंदु कोलंबगे को भी टीम में शामिल किया गया है।

शनाका और कोलंबगे की वापसी के साथ मिलान रत्नायके और प्रमोद मदुशन को टीम से बाहर कर दिया गया है। श्रीलंका ने जून में वेस्टइंडीज के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-0 से जीती थी।

डोपिंग में फंसे ईरानी पैरा एथलीट जावनमर्दी

बॉन (जर्मनी), 2 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) ने ईरान के पैरा एथलीट सैयद अलीअसगर जावनमर्दी पर डोपिंग मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही नई दिल्ली में आयोजित 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष शॉट पुट एफ35 स्पर्धा में जीता उनका स्वर्ण पदक भी रद्द कर दिया गया है।

चाइना मास्टर्स : तन्वी शर्मा ने अमाली शुल्ज को हराया, अंतिम-16 में पहुंची

शेनझेन, 2 सितंबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बुधवार को डेनमार्क की अमाली शुल्ज को सीधे गेम में हराकर चाइना मास्टर्स के महिला एकल के अंतिम-16 में जगह बना ली। तन्वी ने 21-16, 21-17 से जीत दर्ज की। तन्वी ने पहले गेम में शानदार शुरुआत करते हुए पहले ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना दबदबा कायम रखा और पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया।

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। तन्वी ने शुरुआत में बढ़त बनाई लेकिन अमाली ने वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच एक-एक अंक के लिए कड़ा संघर्ष हुआ और स्कोर 16-16 तथा फिर 17-17 से बराबर हो गया। निर्णायक क्षणों में तन्वी ने धैर्य बनाए रखा और लगातार चार अंक जीतकर दूसरा गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। उन्होंने आधे घंटे से कुछ अधिक समय में मुकाबला जीत लिया।

लक्ष्य सेन बाहर, श्रीकांत अंतिम-16 में

इससे पहले दिन में भारत के लक्ष्य सेन को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ सीधे गेम में 14-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान समाप्त हो गया। वहीं, किदांबी श्रीकांत ने ची यू-रेन को 21-16, 21-15 से हराकर पुरुष एकल के अंतिम-16 में प्रवेश किया। देविका सिहाग को बुल्गारिया की कालोयाना नालबांतोवा के खिलाफ 18-21, 15-21 से हार मिली।

अनाहत ने मरियम को हराकर लंदन स्क्वाश क्लासिक के दूसरे दौर में बनाई जगह

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने मिस्त्र की मरियम मेटवाली को सीधे गेम में हराकर 144,000 अमेरिकी डॉलर इनामी लंदन स्क्वाश क्लासिक के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के अपने पहले मैच में 11-3, 11-2 से जीत हासिल की। इस साल जुलाई में जूनियर विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं 18 वर्षीय अनाहत पिछले दो सत्र से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 2025 में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। पुरुष वर्ग के पहले दौर में विश्व के 42वें नंबर के खिलाड़ी रामित टंडन ने कतर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज वीर चोटरानी को हालांकि स्विट्जरलैंड के यानिक विल्हेल्मी से 9-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

संकल्प पत्र से नगरीय निकायों का सुनियोजित व सर्वांगीण विकास होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा घोषणा पत्र नहीं संकल्प पत्र जारी करती है, क्योंकि हम वादे पूरे करते हैं

जयपुर, 2 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर प्रदेश के शहरों के सुनियोजित, आधुनिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए 'नगरीय विकास संकल्प-पत्र 2026' जारी किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा,

- "नगरीय विकास संकल्प पत्र-2026" का विमोचन करते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, श्रवण बागड़ी, घनश्याम तिवाड़ी, मंजू शर्मा, संतोष अहलावत व सौम्या गुर्जर भी साथ थे।

राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, संकल्प पत्र संयोजक व सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सांसद मंजू शर्मा, संकल्प पत्र सह- संयोजक संतोष अहलावत, सौम्या गुर्जर ने संकल्प पत्र का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को 'नगरीय विकास संकल्प-पत्र 2026' जारी किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सांसद मंजू शर्मा, संतोष अहलावत, सौम्या गुर्जर मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संकल्प पत्र विमोचन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र नगरीय क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी घोषणा पत्र नहीं, संकल्प पत्र जारी करती है। घोषणा पत्र सिर्फ घोषणाओं का होता है, जबकि संकल्प पत्र काम करने का संकल्प होता है। उन्होंने कहा, भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2023 में जारी किए संकल्प पत्र में से 78 फीसदी वादों को महज 32 माह में पूरा कर दिया। अब नगरीय निकायों का संकल्प पत्र जारी कर नगरीय निकायों का कायाकल्प करना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संकल्प-पत्र में अगले पांच वर्षों में शहरों के अलग-अलग आय वर्गों के लिए एक लाख आवासीय भूखंड उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया गया है। वहीं 7 लाख से अधिक घरों में कनेक्शन, महिलाओं की सुविधा के लिए 2,000 पिंक टॉयलेट्स तथा नए एवं बाहरी आवासीय क्षेत्रों में 15 लाख स्ट्रीट लाइट्स लगाने का लक्ष्य रखा गया है। डंपिंग साइट्स पर वर्षों से जमा पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा।

नीट पीजी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के समक्ष मेंशन करें। नीट पीजी 2026 की मुख्य परीक्षा 30 अगस्त 2026 को देशभर में आयोजित की गई थी। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित 2,445 अभ्यर्थियों के लिए नीट पीजी 2026 की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला किया है। इस परीक्षा में 2,65,980 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इनमें से 2,63,535 अभ्यर्थियों की परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी हो गई थी। तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित 2,445 अभ्यर्थियों की परीक्षा सामान्य तरीके से पूरी नहीं हो सकी। इन्हीं अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया गया है।

आरक्षण में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैंसर आवंटन, सीनियरिटी, उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला और 18 राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों पर पड़ सकता है। केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि 11 मार्च के फैसले में स्पष्टीकरण दिया जाए, क्योंकि इस फैसले को लागू करने से बड़े स्तर पर असर पड़ सकता है। इसके तहत उन उम्मीदवारों को भी गैर क्रीमी लेयर माना जा सकता है, जिनके माता-पिता की आय अधिक है। केन्द्र सरकार ने मांग की है कि इसके लिए दो साल का समय दिया जाए, ताकि इस दौरान उन पदों की समानता तय करने की जरुरी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

महाराष्ट्र के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई बेटी पैदा नहीं हुई थी। बच्ची के दादा लिम्बाजी दहिफाले गार्गी के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, "परिवार में बेटी का होना बहुत बड़ा सौभाग्य है। इतने वर्षों से हमें बेटी न होने का दुख था, वह इच्छा पूरी हो गई है।" लिम्बाजी ने कहा कि उन्होंने अपनी दोनों बहुओं को अपनी बेटियों की तरह माना है और अपनी पोती को संगीत और नृत्य के साथ रथ में घर लाकर वे बेहद खुश हैं।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ के हमले से महिला श्रमिक की मौत

सात महिला श्रमिक एन्क्लोज़र न. 16 के पास घास काट रही थीं, जब अचानक बाघ बाहर आ गया

- वन विभाग ने बाघ एन्क्लोज़र के प्रभारी को, प्रथम दृष्टया कर्तव्य में लापरवाही मानते हुए निलंबित कर दिया।
- उत्तेजित ग्रामीणों के साथ हुई सहमति के अनुसार, मृतका के परिवार को 10 लाख रूपए की मुआवजा राशि, दो आश्रितों को संविदा पद पर नौकरी तथा डेयरी बूथ आवंटित करना तय हुआ।

जयपुर, 2 सितम्बर। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बुधवार सुबह बाघ के हमले से एक महिला श्रमिक की मौत हो गई। हादसा एन्क्लोज़र नंबर 16 के पास हुआ। घटना के समय सात महिला श्रमिक घास काटने और सफाई का काम कर रही थीं। जब वे बाघ के एन्क्लोज़र में दाखिल हुईं, तब बाघ अंदर बने पिंजरे में बंद था।

लेकिन अचानक किसी ने पिंजरे का गेट खोल दिया और अचानक ही बाघ पिंजरे से बाहर निकलकर महिलाओं के नजदीक पहुंच गया। महिलाओं ने पेड़ और सुरक्षा जाल पर चढ़कर जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन नांगल सुसावतान निवासी सुगना देवी बाघ की चपेट में आ गई। बाघ ने उसे झपटकर नीचे गिराया और हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाघ को तत्काल काबू कर वापस पिंजरे में बंद किया गया।

मृतका की बहन और मौके पर मौजूद अन्य महिलाओं ने आरोप लगाया कि वे करीब आठ वर्ष से यहां काम कर रही हैं। सामान्य तौर पर उन्हें सुबह 9 बजे काम के लिए बुलाया जाता था, लेकिन बुधवार को सुबह 8 बजे ही बुला लिया गया था। करीब 9 बजे अचानक बाघ दिखाई दिया। सुगना देवी घास पटककर जान बचाने के लिए अन्य महिलाओं की ओर दौड़ी। छह महिलाएं रेलिंग के जाल और तारों के ऊपर चढ़कर किसी तरह सुरक्षित निकल गईं। सुगना भी जाल पार करने का प्रयास कर रही थी, तभी पीछे से बाघ ने उसे झपट लिया।

महिलाओं का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात वनकर्मी हंसा देवी ने बिना स्थिति देखे एन्क्लोज़र के अंदर बने बाघ के पिंजरे का गेट खोल दिया, जिसके कारण बाघ खुले एन्क्लोज़र तक पहुंच गया। हालांकि, घटना की वास्तविक वजह और सुरक्षा व्यवस्था में चूक की स्थिति, जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ के हमले से महिला श्रमिक की मौत के मामले में वन विभाग ने बाघ एन्क्लोज़र के प्रभारी को प्रथम दृष्टया कर्तव्य में लापरवाही और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन में चूक के चलते निलंबित कर दिया है। मामले की विस्तृत जांच के लिए सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) स्तर के अधिकारी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर आशीष कुमार ने कहा कि एसीएफ के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित कर दी गई है। प्रारंभिक जांच के तहत गार्ड हंसा को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। आमेर थाना पुलिस भी पहुंची। बड़ी संख्या में ग्रामीण और मृतका के परिजन पार्क परिसर में जमा हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, आर्थिक मुआवजा और दोषी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आमेर विधायक प्रशांत शर्मा सहित, अन्य जनप्रतिनिधि भी धरने में पहुंचे।

काफी देर तक प्रशासन, वन विभाग और ग्रामीणों के बीच बातचीत चली।

सहमति के अनुसार, मृतका के परिवार को 10 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी जाएगी। परिवार के दो आश्रितों को संविदा पर नौकरी देने तथा एक डेयरी बूथ आवंटित करने पर भी सहमति बनी है। वहीं, एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव पत्र भेजा जाएगा। दोषी वन विभाग कर्मचारी के खिलाफ कानूनी और विभागीय कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया है।

नेपाल की बाढ़ से बिहार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेतावनी इस चिंता के बीच दी गई है कि सीवेज, मरे हुए जानवर और अन्य दूषित पदार्थ नदी तंत्र में पहुंच गए हैं।

लेकिन क्या इंसानी शवों के अवशेषों की मौजूदगी का मतलब यह है कि बिहार में किसी बीमारी का प्रकोप हो सकता है?

यहां समझने वाली सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाढ़ का पानी आमतौर पर सिर्फ पानी नहीं होता। इसमें सीवेज, मल, जानवरों का कचरा, सड़ने वाली चीजें, कूड़ा, खेती से जुड़े दूषित पदार्थ और बीमारी फैलाने वाले दूसरे रोगाणु हो सकते हैं। जब ऐसा पानी कुओं, हैंडपम्प, तालाबों, खाने-पीने की चीजों या घरों में पानी रखने की जगहों में पहुंच जाता है, तो स्वास्थ्य पर इसका असर बाढ़ के काफी समय बाद तक रह सकता है।

बड़े नदी तंत्र के आसपास फल-फूलने वाली भारतीय सभ्यता सदियों से इस खतरे से परिचित रही है, लेकिन नेपाल की बाढ़ की इस आपदा के बाद इसके प्रभाव चिंताजनक हो गए हैं।

नेपाल की बाढ़ की आपदा अब नीचे की ओर भारत को प्रभावित करने लगी है। एनडीटीवी लाइफलाइन से बात करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार को सतर्क रहना चाहिए, लेकिन घबराने की कोई वजह नहीं है।

एनिरा कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ, रोपन हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र की सलाहकार डॉ. सबीन कपासी ने कहा, "आमतौर पर इंसानी शव अपने आप में बड़े पैमाने पर बीमारी नहीं फैलाते। बाढ़ में सबसे बड़ा खतरा पूरे पानी के दूषित होने का होता है।"

नई दिल्ली के फोर्टिस मैमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट में संक्रामक रोगों की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नेहा रस्तोगी का कहना है कि नेपाल से बिहार में बाढ़ का पानी आने से लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

इसी प्रकार विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी कहना है कि प्राकृतिक आपदाओं में मरने वाले लोगों के शव आमतौर पर महामारी नहीं फैलाते। हालांकि, ऐसी स्थिति में अपवाद हो सकता है, जब लोगों की मौत किसी बहुत संक्रामक बीमारी से हुई हो या ऐसे इलाके में हुई हो जहाँ ऐसी बीमारियां पहले से फैली हों। शव, पानी को मल के जरिए दूषित कर सकते हैं और अगर ऐसा पानी बाद में पी लिया जाए तो दस्त जैसी बीमारियां फैल सकती हैं।

यह अंतर महत्वपूर्ण है। शवों से संबंधित डर के कारण तत्काल खतरे से हमारा ध्यान हटना नहीं चाहिये। असली खतरा, दूषित पानी का लोगों के घरों, कुओं, हैंडपंपों, खाने-पीने की चीजों और संभवत: पीने के पानी के स्रोतों तक पहुँचना है।

मोदी के प्रति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और एक्शन की आजादी का निर्धारण भारत सरकार और खास तौर पर गृह मंत्रालय करेगा?

सरकार की आलोचना करने पर लोगों को उनके ट्वीट, सोशल मीडिया पॉडकास्ट और लिखे गए लेखों के लिए उठाया जा रहा है।

पैलेट गन से घायल एक प्रदर्शनकारी की एफआईआर दर्ज करने में संसद मार्ग पुलिस थाने को सात घंटे लग गए, क्योंकि इसकी अनुमति गृह मंत्री से लेनी थी। लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड दौरे के बाद हुए शुद्धिकरण के खिलाफ प्रदर्शन करने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर तुरंत दर्ज कर दी गई। जिस "नए भारत" का इतना प्रचार किया जा रहा है, वह मोदी और शाह द्वारा बनाया गया ऐसा भारत है, जहां स्वतंत्रता का प्रयोग केवल उन्हीं के बनाए नियमों के अनुसार किया जा सकता है।

यूपी में धन सम्पन्न लोगों को टिकट देने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने 399 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद केवल दो सीटें जीती थीं।

2024 के लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन और उत्तर भारत में राहुल गांधी की बढ़ती स्वीकार्यता (जैसा कि पार्टी नेताओं का कहना है) से उत्साहित कांग्रेस, समाजवादी पार्टी को अधिक बराबरी वाला सीट बंटवारा करने के लिए मजबूत संकेत दे रही है।

सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने हाल ही में सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि "कांग्रेस केवल समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को आगामी चुनाव में सरकार बनाने में मदद करने के लिए सीटों पर समझौता करके खुद को बर्बाद नहीं करेगी।"

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम भी 403 विधानसभा सीटों में से 50 प्रतिशत सीटों की मांग पर जोर दे रहे हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के कांग्रेस के कम से कम दो प्रमुख नेताओं ने इंडिया टुडे को बताया कि पार्टी सीटों के "बराबर बंटवारे" पर जोर दे रही है और किसी भी स्थिति में 115-120 सीटों से कम पर समझौता नहीं करेगी।

इस बीच, अखिलेश यादव ने कहा है कि भविष्य के चुनावों में भी सहयोगी दलों के साथ गठबंधन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इसका फार्मूला "सीटें नहीं, जीत" होगा।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने सपा के साथ गठबंधन में 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उस समय अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे।

पार्टी अब इस तर्क को और मजबूती से आगे बढ़ा रही है कि दलित, अल्पसंख्यक और गैर-यादव ओबीसी मतदाता तेजी से राहुल गांधी के समर्थन में आ रहे हैं, खासकर संविधान और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "हमारे पास आगे की कई योजनाएं पाइपलाइन में हैं। बलिया से मेरठ तक की यात्रा (जिसमें अवध शामिल होंगे) से लेकर सामाजिक न्याय और संविधान पर केन्द्रित अभियान तक, कांग्रेस का सबसे अच्छा प्रदर्शन अभी आना बाकी है।"

पार्टी को उम्मीद है कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव में किए गए अपने प्रदर्शन को आगे बढ़ाएगी, जब उसने उत्तर प्रदेश में छह सीटें जीती थीं।

"संगठन सृजन" पहल के जरिए की जा रही संगठनात्मक तैयारियों और सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में चल रही तैयारियों को देखते हुए, कांग्रेस का मानना है कि गठबंधन में अधिक हिस्सेदारी के लिए उसका दावा मजबूत है।

पार्टी के अंदरूनी लोगों का यह भी कहना है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार लगातार दो कार्यकाल और करीब एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद अब सत्ता विरोधी माहौल का सामना करने लगी है। इससे कांग्रेस के चुनावी आकलन को और बल मिल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मनन कुमार मिश्रा की शक्तियां सीमित कीं

नई दिल्ली, 02 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार, 2 सितंबर को बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा से जुड़े मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा तब तक ही प्रो-टेम चेयरमैन हैं, जब तक कि नई बनी बीसीआई अपने पदाधिकारी नहीं चुन लेती।

- अदालत ने इन्हें बार काउन्सिल का लोकतांत्रिक तरीके से चुना हुआ पदाधिकारी नहीं माना।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि बड़े नीतिगत फैसले भारत के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल की सलाह से लिए जाएं, जो बीसीआई के स्थायी पदेन सदस्य होते हैं।

रघुराम राजन व पूर्व वित्त सचिव गर्ग की सोच नकारात्मक - पीयूष गोयल

- गोयल ने कहा कि ये लोग पुरानी और नई जीडीपी सीरीज़ की भ्रामक तुलना कर रहे हैं

नईदिल्ली, 02 सितंबर। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के हालिया जीडीपी ग्रोथ आंकड़ों पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने ऐसे आलोचकों को नकारात्मक सोच वाले लोग बताया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग और आरबीआई के गर्वनर रहे रघुराम राजन पर भी इशारों में निशाना साधा।

पहली तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रही है। इसका बचाव करते हुए गोयल ने कहा कि यह आंकड़ा हकीकत है। उन्होंने तर्क दिया कि आलोचक पुरानी और नई जीडीपी सीरीज के बीच भ्रामक तुलना कर रहे हैं।

गोयल ने कहा, नकारात्मक सोच वाले लोग जो चाहें कह सकते हैं, लेकिन 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ एक हकीकत है।

गर्ग और राजन का नाम लिए बिना गोयल ने सरकार में उनके कामकाज पर सवाल उठाते हुए एक पूर्व वित्त सचिव और एक पूर्व रिजर्व बैंक गवर्नर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों ही अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे। 2012-14 के दौरान भारत को जिन आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, उन्होंने उनकी ओर इशारा किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा, उन्हें यह भी नहीं पता कि समान चीजों की तुलना कैसे की जाती है। उन्होंने तर्क दिया कि आलोचक पुरानी सीरीज के तहत कैलकुलेट की गई ग्रोथ रेट की तुलना नई सीरीज के तहत कैलकुलेट की गई ग्रोथ रेट से कर रहे हैं, जबकि नई सीरीज में बेस ईयर ही बदल गया है।

सरकार आंकड़ों की बाजीगरी चाहती है- जयराम रमेश

- उन्होंने कहा, मोदी सरकार जितना जीडीपी का ढोल पीटेगी, उतनी ही असलीयत सामने आयेगी।

नई दिल्ली, 02 सितंबर। कांग्रेस ने सरकार के 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग के आकलन के अनुसार, वास्तविक जीडीपी वृद्धि करीब 2.6 प्रतिशत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आंकड़ों की बाजीगरी के जरिए अर्थव्यवस्था की तस्वीर चमकाने की कोशिश कर रही है, जबकि यह जमीनी हकीकत से अलग है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि मोदी सरकार अपनी टीम और मीडिया के जरिए जितना फर्जी जीडीपी बढ़ोतरी का ढोल पीटेगी, उतना ही उसकी असलियत सामने आएगी। पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने इस दावे पर गंभीर सवाल उठाए हैं और उनका आकलन है कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत के बजाय करीब 2.6 प्रतिशत है।

'अपने बयानों से भाजपा को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, "हम सभी को जानबूझकर या अनजाने में सावधान रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने यह बात जानबूझकर कही थी और न मुझे लगता है कि उन्होंने इसे इरादतन कहा होगा।"

वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के छात्रों के बीच पहुंच बनाने के अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद में हुए कार्यक्रम में कांग्रेस के पारंपरिक संगठनात्मक आधार से बाहर के युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हुए थे।

उन्होंने कहा, कल इलाहाबाद में वहां का दृश्य क्या था? वे लोग आम कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस या एनएसयूआई के सदस्य नहीं थे। वहां भारत की वास्तविक जेन ज़ी मौजूद थी।

उन्होंने दावा किया कि कोटा और देहरादून में हुए कार्यक्रमों में भी इसी तरह की भागीदारी देखने को मिली थी।

वेणुगोपाल ने उत्तर प्रदेश सरकार पर इलाहाबाद के कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले कार्यक्रम के लिए जगह देने से इनकार करने का दबाव बनाया गया और बाद में यात्रा के रास्ते में अस्वच्छ स्थिति पैदा कर दी गई।

उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले छात्रों के मुद्दे लगातार उठाए हैं। इनमें वे छात्र भी शामिल हैं, जो पैलैट गन से घायल हुए थे और वे महिला प्रदर्शनकारी भी शामिल हैं, जिनके साथ कथित तौर पर पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया था।

वेणुगोपाल ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री आवास की ओर कांग्रेस के मार्च का भी उल्लेख किया और इसे जेन ज़ी के समर्थन में हाल के सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक बताया।

थरूर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम में कहा था कि राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' अभियान कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शनों में उठाए गए कई मुद्दों को ही उठा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस का कार्यक्रम जंतर-मंतर के आंदोलन जितना प्रभावी क्यों नहीं रहा, तो थरूर ने जवाब दिया, "सही बात है। और इसी वजह से हमें खुद से पूछना चाहिए कि हमसे क्या चूक हुई।"

उन्होंने कहा, "क्या हम छात्रों की बात सुनने में नाकाम रहे? क्या हम लोगों की नब्ज़ पर हाथ रखने की पुरानी कहावत पर खरे नहीं उतरे? क्या जेन ज़ी की नब्ज पर हमारी पकड़ नहीं रही? यह ऐसी बात है, जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

बाद में थरूर ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी को उनकी पार्टी या उसके नेतृत्व पर हमले के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका कहना केवल इतना था कि राजनीतिक दलों को युवा पीढ़ी के लिए खुद को और अधिक खोलना चाहिए और युवाओं को, राजनीति को दिशा देने में भूमिका निभाने के अवसर देने चाहिए।

रिटायर्ड एयर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य जिम्मेदारियों के अलावा सीईओ संस्था के अधिकारियों, पदाधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ के लिए सर्वोच्च कार्यकारी प्राधिकारी के रूप में काम करेंगे। सीईओ ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों के कुशल प्रबंधन और भविष्य के विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी वैधानिक, नियामकीय और ट्रस्ट डीड से जुड़ी आवश्यकताओं के अनुपालन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

यूपी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कवायद" करती है, जबकि वास्तव में वह उन लोगों के खिलाफ लड़ रही है, जो भगवा पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ओवैसी के करीबी माने जाने वाले वकार ने नई दिल्ली के अकबर रोड स्थित पार्टी कार्यालय में एआईसीसी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम, यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

एक प्रेस वार्ता में वकार ने कहा, "जमीनी स्तर पर हम भाजपा से नहीं लड़ते; हम कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) से लड़ते हैं; हम हर उस व्यक्ति के खिलाफ लड़ रहे हैं, जो भाजपा को हटाना चाहता है।" उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे लगा कि अगर हम विपक्ष से ही लड़ते रहेंगे और उसे बढ़ने नहीं देंगे, तो हम भाजपा की मदद कर रहे हैं। मैंने फैसला किया कि अगर हम सच्चे राष्ट्रवादी हैं और ईमानदारी से भाजपा को हटाना चाहते हैं, तो हमारा उद्देश्य भाजपा से लड़ना होना चाहिए। अगर हम भाजपा के दुश्मनों से लड़ रहे हैं, तो हम भाजपा के दोस्त हैं।" वकार ने कहा, "हकीकत में, अगर पूरे देश में कोई भाजपा से लड़ रहा है, तो वह कांग्रेस, राहुल गांधी और उनके लोग हैं।"

एसआईआर के जरिये भाजपा को चुनाव जिताने की कोशिश -कपिल सिब्बल

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से मतदाताओं के नाम थोक में हटाने पर रोक लगाने की मांग की

- कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर मतदाता सूची से ऐसे लोगों के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है, जो वर्षों से उसी जगह रह रहे हैं, तो यह बहुत गंभीर मामला है।

नई दिल्ली, 02 सितंबर। राज्यसभा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग की ओर से कई राज्यों में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूची में हेरफेर की कोशिश हो रही है और इसका मकसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनाव जिताने में मदद करना है। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से इस प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम थोक में हटाए जाने पर रोक लगाने की मांग की है। सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह 'बहिष्कार की राजनीति' है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के एजेंट मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाकर उनके नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में फॉर्म जमा कर रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की 'बल्क डिलीशन' यानी बड़ी संख्या में नाम हटाने की प्रक्रिया रोकने की अपील की।

कपिल सिब्बल ने अपने आरोपों के समर्थन में "द इंडियन एक्सप्रेस" की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड के गोड्डा जिले में भाजपा से जुड़े लोगों की ओर से कुछ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन दिए जाने का दावा किया गया है। इनमें बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग शामिल होने की बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) ने भी कुछ मामलों को लेकर आपत्ति जताई। बीएलओ आम तौर पर सरकारी कर्मचारी होते हैं, जिन्हें चुनाव संबंधी जिम्मेदारियां दी जाती हैं। कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर मतदाता सूची से ऐसे लोगों के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है, जो वर्षों से उसी जगह रह रहे हैं, तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची का सही होना बेहद जरूरी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने फॉर्म-7 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फॉर्म-7 एक साथ जमा किए जा सकते हैं। उनके मुताबिक, कोई व्यक्ति 45, 100 या 400 तक फॉर्म लेकर यह मांग कर सकता है कि इतने मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएं। कपिल सिब्बल ने दावा किया कि इस तरह के आवेदन में नाम हटाने की मांग की जा सकती है और बाद में अगर शिकायत गलत साबित होती है तो भी कोई खास असर नहीं पड़ता।

कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर अदालत यह मानकर चलती है कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया चुनाव आयोग की निगरानी में हो रही है और इसलिए इसमें किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो सकती, तो यह चिंता का विषय होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908